एक कहानी कई रंग–**12–2** ः

सिन्डरैला यूरोप में–2

संकलन और अनुवाद

सुषमा गुप्ता

2022

Book Title: Cinderella Europe Mein-2 (Cinderella in Europe-2)
Cover Page picture: Cinderella Shoes
Published Under the Auspices of Akhil Bhartiya Sahityalok

E-Mail: sushmajee@yahoo.com
Website: www.sushmajee.com/folktales/index-folktales.htm

Copyrighted by Sushma Gupta 2018
No portion of this book may be reproduced or stored in a retrieval system or transmitted in any form, by any means, mechanical, electronic, photocopying, recording, or otherwise, without written permission from the author.

Map of Europe

विंडसर, कैनेडा

2022

Contents

एक कहानी कई रंग 5
सिन्डरैला यूरोप में–2 7
1 सिन्डरैला यूरोप में–2 9
1 ऐशे पैल्ट 11
2 गोरी, काली और कॉपती हुई 15
3 सिन्डरैला 38
4 केटी वुडिनक्लोक 54
5 नौरोवे का काला बैल 84
6 भट्टी की बिल्ली 95
7 सींगों वाली भूरी भेड़ 107
8 राशिन कोटी 115
9 पैपैलियूगा या सोने का जूता 124
10 सिन्डर नौकरानी 137
कुछ कहानियॉ और 153
1 राडोपिस की कहानी 158
2 जर्मन सिन्डरैला 163
3 फ्रैन्च सिन्डरवैन्च 170
4 बाबा यागा–2 175

एक कहानी कई रंग

लोक कथाओं के महत्व को ध्यान में रखते हुए कुछ समय पहले हमने कुछ लोक कथाऐं संकलित की थीं। उनको हमने "देश विदेश की लोक कथाऐं" सीरीज़ में प्रकाशित किया था। वे कथाऐं जब काफी संख्या में इकट्ठी हो गयीं, करीब करीब **2000,** तो उनमें एक तस्वीर देखी गयी। वह थी कि उनमें से कुछ कहानियॉ एक सी थीं और आपस में बहुत मिलती जुलती थीं। तो लोक कथाओं की एक और सीरीज़ शुरू की गयी और वह है "एक कहानी कई रंग"।

कितना अच्छा लगता है जब एक ही कहानी के कई रूप पढ़ने को मिलते हैं। इन पुस्तकों में ये कहानियॉ कुछ इसी तरह की कहानियॉ दी गयी हैं। सबसे पहले इसमें सबसे ज़्यादा लोकप्रिय कहानी दी गयी है और उसके बाद ही उसके जैसी दूसरी कहानियॉ दी गयी हैं जो दूसरी जगहों पर पायी जाती हैं। हम यह दावा तो नहीं करते कि वैसी सारी कहानियॉ हम यहॉ दे रहे हैं पर हमारी कोशिश यही रहेगी कि वैसी कहानियॉ हम एक जगह इकट्ठा कर दें। इस सीरीज़ में प्रकाशित पुस्तकों की सूची इस पुस्तक के अन्त में दी हुई है।

इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि ये सब लोक कथाऐं हर वह आदमी पढ़ सके जो थोड़ी सी भी हिन्दी पढ़ना जानता हो और उसे समझता हो। ये कथाऐं यहॉ तो सरल भाषा में लिखी गयी है पर इनको हिन्दी में लिखने में कई समस्याऐं आयी है जिनमें से दो समस्याऐं मुख्य हैं।

एक तो यह कि करीब करीब **95** प्रतिशत विदेशी नामों को हिन्दी में लिखना बहुत मुश्किल है चाहे वे आदमियों के हों या फिर जगहों के। दूसरे उनका उच्चारण भी बहुत ही अलग तरीके का होता है। कोई कुछ बोलता है तो कोई कुछ। इसको साफ करने के लिये इस सीरीज़ की सब किताबों में फुटनोट्स में उनको अंग्रेजी में लिख दिया गया हैं ताकि कोई भी उनको अंग्रेजी के शब्दों की सहायता से कहीं भी खोज सके। इसके अलावा और भी बहुत सारे शब्द जो हमारे भारत के लोगों के लिये नये हैं उनको भी फुटनोट्स और चित्रों द्वारा समझाया गया है।

ये लोक कथाऐं आप सबका मनोरंजन तो करेंगी ही साथ में यह जानने की प्रेरणा भी देंगी कि एक ही तरह की कहानी किस तरह से दूसरे देशों में पहुँची। आशा है कि हिन्दी साहित्य जगत में इनका भव्य स्वागत होगा।

सुषमा गुप्ता
2022

सिन्डरैला यूरोप में–2

बच्चो सिन्डरैला की कहानी तो तुम सबने सुनी होगी जिसमें एक बिन मॉ की बेटी की शादी एक राजकुमार से हो जाती है और उसकी एक या दो सौतेली बहिनें देखती रह जाती हैं। पर यह कहानी अकेली ही नहीं है। सिन्डरैला जैसी बहुत सारी कहानियॉ हैं। आज हमने इस पुस्तक में तुम्हारे लिये सिन्डरैला और उसकी जैसी कई कहानियॉ यहॉ इकट्ठी कर के रखी हैं। तुम लोगों को यह जान कर आश्चर्य होगा कि सिन्डरैला की कहानी संसार भर में कई रूपों में पायी जाती है। इसके **365** रूप अब तक इकट्ठा किये जा चुके हैं।[1]

ये कहानियॉ ऐसी हैं जो भिन्न भिन्न देशों में कही सुनी जाने पर भी सुनने में एक सी लगती हैं। यहॉ कुछ ऐसी ही कहानियॉ दी जा रही हैं। ये सब कहानियॉ कुछ इस तरह से चुनी गयी हैं कि ये सब कहानियॉ एक सी कहानियों की श्रेणी में रखी जा सकती हैं। ऐसी बहुत सी कहानियॉ हैं। ऐसी कहानियॉ हम "एक कहानी कई रंग" की सीरीज़ के अन्तर्गत प्रकाशित कर रहे हैं। अगर इन कहानियों के अलावा भी तुम और कोई ऐसी कहानी जानते हो तो हमें जरूर लिखना। हम उसको इसके अगले आने वाले संस्करण में शामिल करने का प्रयास करेंगे। इन सभी पुस्तकों में सबसे पहले मूल कहानी दी गयी है फिर उसके बाद वैसी ही दूसरे देशों में कही जाने वाली कहानियॉ कही गयीं हैं।

इस सीरीज़ में, यानी "एक कहानी कई रंग" की सीरीज़ में, इससे पहले हम **11** पुस्तकें प्रकाशित कर चुके हैं। इन कहानियों की सीरीज़ में सबसे पहली पुस्तक थी "बिल्ला और चुहिया जैसी कहानियॉ"। इसमें "बिल्ला और चुहिया" जैसी कहानियॉ थीं।[2] इसकी तीसरी पुस्तक में "टौम थम्ब" जैसी कहानियॉ दी गयीं थीं। इसमें बहुत छोटे बच्चे के कारनामों की कथाऐं हैं।[3]

अब प्रस्तुत है इस सीरीज़ की **12**वीं पुस्तक "सिन्डरैला जैसी कहानियॉ"। सिन्डरैला की बहुत सारी कहानियॉ होने की वजह से इस पुस्तक को कई भागों बॉट दिया गया है। क्योंकि सिन्डरैला यूरोप की लोक कथाओं का एक मुख्य प्रचलित और लोकप्रिय चरित्र है इसलिये इसकी यूरोप के देशों की लोक कथाऐं पहले दी जा रही हैं। इसका पहला भाग — "सिन्डरैला यूरोप में–**1**" हम पहले ही प्रकाशित कर चुके हैं। इसमें सिन्डरैला की वे कहानियॉ थीं जो यूरोप के देशों में कही सुनी जाती हैं। प्रस्तुत है अब इसका दूसरा भाग... "सिन्डरैला यूरोप में–**2**"। इसमें भी यूरोप में कही सुनी जाने वाली सिन्डरैला की कुछ और कहानियॉ हैं। ये सब कहानियॉ हमने एक वेब साइट से चुनी हैं।[4]

"सिन्डरैला यूरोप में–**2**" की अन्तिम चार कहानियॉ एक वेबसाइट[5] से ली गयी हैं। ये कहानियॉ कुछ जानवर एक दूसरे को सुना रहे हैं और अपनी अपनी दलील दे रहे हैं कि उनकी सिन्डरैला असली थी। इस वेबसाइट पर केवल ये ही चार कहानियॉ दी हुई हैं – एक मिश्र की, दूसरी फ्रांस की, तीसरी जर्मनी की और चौथी रूस की। इनमें पहली मिश्र वाली कहानी मिश्र की एक मूल कहानी पर आधारित है और दूसरी रूस वाली कहानी भी रूस की एक मूल कहानी पर आधारित है इन दोनों ही कहानियों का मूल रूप "एक कहानी कई रंग–**12**ः संसार में कितनी सिन्डरैला" नाम की पुस्तक में दिया गया हैं। इस तरह से इन कहानियों के दोनों रूप पढ़े जा सकते हैं।

---

[1] See this site - http://www.365cinderellas.com/

[2] "One Story Many Colors-1" – like "Cat and Rat"

[3] "One Story Many Colors-3" – like "Tom Thumb"

[4] http://www.surlalunefairytales.com/cinderella/marianroalfecox/index.html

[5] https://sites.google.com/site/whichistherealcinderella/introduction

इस पुस्तक के बाद "सिन्डरैला जैसी कहानियों" की बाकी कहानियॉ "संसार में कितनी सिन्डरैला" भी आने वाली है जिसमें सिन्डरैला से सम्बन्धित कुछ और कहानियॉ चुनी गयीं हैं जो और दूसरी वेबसाइटों और पुस्तकों से ली गयीं हैं और यूरोप के देशों के अलावा दुनियॉ के दूसरे देशों में कही सुनी जाती हैं। क्योंकि सिन्डरैला की कहानियॉ अभी भी समाप्त नहीं हुई हैं इसलिये अगर वे मिल गयीं तो वे कहानियॉ भी इसी सीरीज़ में निकट भविष्य में प्रकाशित करने की कोशिश की जायेगी।

बच्चों क्या तुमको मालूम है कि सिन्डरैला उस लड़की का असली नाम नहीं था? तो फिर क्या था उसका नाम? अंग्रेजी में एक शब्द है "सिन्डर"[6] जिसका अर्थ होता है राख। क्योंकि उस लड़की को अंगीठी और चूल्हे की राख के पास लेटने और रहने को मजबूर किया जाता था इसलिये उसको उसकी सौतेली बहिनें उसको "सिन्डरैला" के नाम से पुकारती थीं। उसका असली नाम क्या था यह तो पता नहीं पर क्योंकि सिन्डर के बाद "ऐला" शब्द लगा हुआ है और वह लड़कियों का पहला नाम भी है तो यह अन्दाजा लगाया जा सकता है कि ऐला ही शायद उसका असली नाम रहा होगा।

तो लो पढ़ो इतनी सारी सिन्डरैला की कहानियॉ अब हिन्दी में। आशा ही सिन्डरैला जैसी इतनी सारी कहानियॉ पढ़ कर तुम्हें अवश्य ही आश्चर्य भी होगा और खुशी भी।

[6] Cinder means ash

1 सिन्डरैला यूरोप में–2

सिन्डरैला की कहानियों की पहली पुस्तक में हमने यूरोप के भिन्न भिन्न देशों की **11** कहानियॉ दी थीं और **14** कहानियॉ हम इसके इस दूसरे संग्रह में दे रहे हैं।

इनको पढ़ कर तुम सबको लगेगा कि कुछ कहानियॉ तो सिन्डरैला की तुम्हारी सुनी या पढ़ी हुई कहानियों से कितनी मिलती जुलती हैं और कुछ कहानियॉ उनसे कितनी अलग हैं।

और कुछ कहानियॉ तो इनमें ऐसी हैं जो सिन्डरैला की तुम्हारी पढ़ी हुई कहानी से बिल्कुल ही नहीं मिलतीं। पर फिर भी वे सब सिन्डरैला की कहानियों जैसी ही हैं।

यह सब जानना कितना अच्छा लगता है कि एक ही कहानी अलग अलग जगह पर अलग अलग समाज में कितने अलग अलग तरीके से कही सुनी जाती है। तो लो पढ़ो एक ही कहानी के कई रंग – "सिन्डरैला यूरोप में" पुस्तक का यह दूसरा भाग।

1 ऐशे पैल्ट[7]

सिन्डरैला जैसी यह कहानी हमने तुम्हारे लिये यूरोप महाद्वीप के आयरलैंड देश की लोक कथाओं से ली है।

मेरी दादी कहती थी कि उनके समय में कोई भी भेड़ तुम्हारी मॉ हो सकती थी। और अगर वह काली भेड़ हो तो तब तो यह बड़ी खुशकिस्मती की बात थी। ऐसा क्यों? तो लो पढ़ो यह कहानी ऐशे पैल्ट और काली भेड़ की और जानो कि ऐसा क्यों था।

एक बार की बात है कि एक आदमी की पत्नी अपनी एक बेटी को छोड़ कर चल बसी। कुछ समय बाद उस आदमी ने दोबारा शादी की तो उसकी अपनी बेटी ऐशे पैल्ट अपनी सौतेली मॉ से बहुत खुश नहीं थी।

उसकी सौतेली मॉ की अपनी दो बेटियॉ भी थीं। वह उनको तो बहुत प्यार करती थी और ठीक से रखती थी पर ऐशे को वह बिल्कुल नहीं चाहती थी।

---

[7] Ashey Pelt – a fairy tale from Ireland, Europe.
Taken from M. Damant, "Folktales" in *Folk-Lore: A Quarterly Review of Myth, Tradition, Institution, and Custom*, 6. 1895), pp. 305-306.
M Damant has taken – "The following tale was told me by a woman now living, a native of Ulster, aged about sixty." Translated and edited by DL Ashliman.
This story can be read in English at http://www.pitt.edu/~dash/type0510a.html#perrault
[My Note – This story given here on this Web Site seems to be very broken. A lot of additional expressions and additions have to be made in that story to be written here to fully understand it. I apologize for that.]

ऐशे बेचारी अकेली बैठी बैठी रोती रहती। एक बार वह ऐसे ही अकेले बैठे बैठे रो रही थी कि उसके पास की एक चट्टान के नीचे से निकल कर एक काली भेड़ उसके पास आयी और बोली —

"तुम रोओ नहीं बेटी। देखो उस पत्थर की चट्टान के पीछे एक सलाख पड़ी है तुम उसको ले आओ। उसको अगर तुम इस चट्टान पर तीन बार मारोगी तो उससे जो भी तुम चाहोगी वह तुम्हें मिल जायेगा।" ऐशे उठी और उस चट्टान के नीचे से वह सलाख ले आयी।

इत्तफाक से उस देश के राजकुमार ने तभी एक दावत का इन्तजाम किया था जिसमें उसने देश भर की उन सब लड़कियों को बुलाया था जो शादी के लायक थीं।

वह भी उस दावत में जाना चाहती थी पर उसके पास वहॉ जाने के लिये ठीक से कपड़े ही नहीं थे। उसे भेड़ की याद आयी तो उसने उस सलाख को उस चट्टान पर तीन बार मारा और उससे दावत में जाने के लिये कपड़े और घोड़ा गाड़ी मॉगी।

वह सब उसको उस चट्टान से मिल गया तो वह उन कपड़ों को पहन कर और उस गाड़ी में बैठ कर राजकुमार की दावत में चल दी।

पर उसको रात के बारह बजे से पहले पहले आने के लिये कहा गया था और कहा गया था कि अगर उसने ऐसा नहीं किया तो उसके पास जादू की जितनी भी चीज़ें थीं वे सब गायब हो जायेंगी।

उसकी दोनों सौतेली बहिनें उसको बिल्कुल भी पसन्द नहीं करती थीं क्योंकि वह बहुत सुन्दर थी और उसकी सौतेली मॉ भी उसको बहुत ही बुरे तरीके से रखती थी।

जब वह सज धज कर दावत में गयी तो राजकुमार तो उसको देखते ही उससे प्रेम करने लगा और इस प्रेम के चक्कर में वह रात के बारह बजे से पहले आना भूल गयी।

बारह बजते ही जब वह वहॉ से भागी तो भागने में उसका एक रेशमी जूता वहीं छूट गया। समय की कमी की वजह से वह उसे उठा भी न सकी और उसको उस जूते को वहीं छोड़ कर वहॉ से भागना पड़ा।

राजकुमार ने वह जूता उठा लिया और तय किया कि वह उसी लड़की से शादी करेगा जिसके पैर में वह जूता ठीक से आ जायेगा।

राजकुमार ने देश भर में उस लड़की को ढूँढने के लिये अपने आदमी भी भेजे और वह खुद भी उस लड़की की तलाश में गया जिसके पैर में वह जूता आ जाये।

वह ऐशे पैल्ट के घर भी आया पर जब वह ऐशे पैल्ट के घर आया तो वह वहॉ उसको कहीं दिखायी नहीं दी। केवल उसकी सौतेली बहिनें ही वहॉ थीं।

ऐशे पैल्ट की बहिनें उस जूते को पहनने के लिये अपने पैर काटने को भी तैयार थीं क्योंकि राजकुमार ने कह रखा था कि वह

उस लड़की को बहुत प्यार करता था और उसी से शादी करना चाहता था जिसके पैर का वह जूता था।

ऐशे पैल्ट की बहिनों ने ऐशे पैल्ट को उस समय गाय चराने के लिये घर से बाहर भेज दिया था।

जब उसकी बहिनों को वह जूता पहनने को दिया गया और उसकी एक बहिन ने उसको पहन कर देखने की कोशिश की तो वह उसके पैर में नहीं आया। किसी तरह से अपने पैर को काट कर वह उस जूते को पहन पायी पर उसको दर्द बहुत हो रहा था।

उसके पैर में जूता आया देख कर वह राजकुमार उसको अपने महल ले चला। जब वह खेतों में से गुजर रहा था तो उसको एक बूढ़ी काली भेड़ की आवाज सुनायी पड़ी —

रुक जाओ, इसके पैर कटे हुए हैं जो राजकुमार के पीछे बैठी है
सुन्दर पैर तो वे है जो गाय की खाल में हैं

यह सुन कर राजकुमार लौट पड़ा और वापस ऐशे पैल्ट के घर आया। वहॉ उसने उस लड़की की ढूँढा जिसके साथ वह दावत में बैठा था।

ढूँढने पर वह लड़की उसको वहॉ गायों के बीच में बैठी मिल गयी थी। उसने उससे शादी कर ली। और अगर वे खुशी से रहे तो तुम भी खुशी से रहो और मैं भी।

2 गोरी, काली और कॉपती हुई[8]

सिन्डरैला जैसी यह कहानी भी यूरोप महाद्वीप के आयरलैंड देश में कही सुनी जाती है। यह कहानी भी बहुत पुरानी है, सन् **1890** की।

राजा ऐढ कुरूचा टिर कोनल में रहता था।[9] उसके तीन बेटियॉ थीं जिनके नाम थे गोरी, काली और कॉपती हुई।

गोरी और काली को हर रविवार को नयी पोशाक मिलती थी और वे हर रविवार को उनको पहिन कर चर्च जाया करती थीं। कॉपती हुई को खाना बनाने और घर का काम करने के लिये घर में रखा जाता था।[10]

उसको घर से बाहर बिल्कुल ही निकलने नहीं दिया जाता था क्योंकि वह अपनी दोनों बड़ी बहिनों से कहीं ज़्यादा सुन्दर थी और वे दोनों बहिनें डरती थीं कि कहीं उसकी शादी उनसे पहले ही न हो जाये।

---

[8] Fair, Brown and Trembling – a fairy tale from Ireland, Europe.
Taken from the Web Site : "Myths and Folk-Lore of Ireand". By Jeremiah Curtin. Boston. 1890.
This book is availabale at http://www.sacred-texts.com/neu/celt/mfli/index.htm also
Translated and edited by DL Ashliman.
This story can be read in English at http://www.pitt.edu/~dash/type0510a.html#perrault

[9] King Aedh Curucha lived in Tir Conal.

[10] [My Note – It seems very unnatural that a King's daughters were living like this. Did the King not have any servant to work in his palace?]

इस तरह से सात साल तक चलता रहा। सात साल बाद ओमान्या[11] के राजा का बेटा राजा ऐढ कुरूचा की सबसे बड़ी बेटी गोरी से प्यार करने लगा।

एक रविवार की सुबह जब दोनों बड़ी बहिनें चर्च चली गयीं तो हैनवाइफ[12] कॉपती हुई के पास रसोईघर में आयी और बोली — "अरे तुमको तो आज के दिन इस समय बजाय घर में काम करने के चर्च में होना चाहिये।"

कॉपती हुई बोली — "मैं चर्च कैसे जा सकती हूँ। मेरे पास तो चर्च जाने के लिये अच्छे कपड़े ही नहीं हैं। और अगर मेरी बहिनें मुझे वहाँ देख लेंगी तो वे तो मुझे घर से बाहर जाने पर मार ही डालेंगीं। फिर मुझे घर में खाना भी तो बनाना है।"

हैनवाइफ बोली — "मैं देती हूँ तुमको अच्छी पोशाक। मैं तुमको उससे भी अच्छी पोशाक दूँगी जैसी तुम्हारी बहिनों ने कभी देखी भी नहीं होगी। अब यह बताओ कि तुमको कैसी पोशाक चाहिये।"

कॉपती हुई बोली — "मुझे ऐसी पोशाक चाहिये जो बर्फ की तरह से सफेद हो और उसके साथ के लिये मुझे हरे जूते चाहिये।"

हैनवाइफ ने अँधेरे का क्लोक ओढ़ा और वह लड़की जो पुराने कपड़े पहने थी उसका एक टुकड़ा अपने हाथ में

[11] Omanya – name of a place

[12] Henwife is a woman in charge of domestic affairs. Its plural is Henwives.

ले कर उससे उसने दुनियॉ की सबसे सफेद और सबसे सुन्दर पोशाक और हरे जूते मॉगे।

जैसे ही उसको वह पोशाक और जूते मिले वह उनको कॉपती हुई के पास ले कर आयी और उसको दे दिये। कॉपती हुई ने भी उस पोशाक ओर जूतों को तुरन्त ही पहन लिया।

हैनवाइफ फिर बोली — "मेरे पास एक हनी चिड़िया[13] है जो तुम्हारे दॉये कन्धे पर बैठेगी और एक हनी फिंगर हे जो तुम्हारे बॉये कन्धे पर बैठेगी।

दरवाजे पर तुम्हारे बैठने के लिये एक दूध जैसी सफेद घोड़ी खड़ी है जिस पर सुनहरा साज सजा है और तुम्हारे हाथ में पकड़ने के लिये उस पर एक सुनहरी लगाम भी है।"

कॉपती हुई उस घोड़ी पर बैठ गयी और जब वह वहॉ से चलने वाली थी तो हैनवाइफ ने कहा — "तुम चर्च में उसके दरवाजे से हो कर अन्दर मत जाना और जैसे ही चर्च में से पूजा खत्म होने पर लोग उठें वैसे ही तुम जितनी जल्दी यह घोड़ी तुमको घर वापस ला सके घर आ जाना। घर के काम की तुम चिन्ता न करना वह मैं कर के रख दूँगी।"

जब कॉपती हुए चर्च के दरवाजे पर आयी तब चर्च में कोई भी ऐसा नहीं था जिसको उसकी एक झलक भी दिखायी न दे रही हो

[13] Honey Bird – a kind of small bird. See its picture above.

पर सब यह जानना चाहते थे कि वह थी कौन। और जब उन्होंने चर्च की मास[14] के बाद उसको जल्दी जल्दी जाते हुए देखा तो वे सब भी उसके पीछे पीछे दौड़े।

पर उनके उसके पीछे भागने का कोई फायदा नहीं था क्योंकि वह तो किसी भी आदमी के अपने पास आने से पहले ही बहुत दूर जा चुकी थी।

जिस पल से वह चर्च से चली और जब तक वह घर पहुँची तब तक वह तो अपनी आगे वाली हवा से भी तेज़ चल रही थी और पीछे वाली हवा को अपने बहुत पीछे छोड़ती चली आ रही थी।

वह अपने घर आयी और घर में घुसी तो देखा कि हैनवाइफ ने सारा खाना तैयार कर के रखा हुआ था। पलक झपकते ही उसने अपनी वह सफेद पोशाक उतार दी और अपनी पुरानी पोशाक पहन ली।

जब कॉपती हुई की दोनों बहिनें चर्च से लौटीं तो हैनवाइफ ने उनसे पूछा — "आज चर्च की कोई नयी खबर?"

वे बोलीं — "आज तो एक बहुत ही बड़ी खबर है। आज हमने चर्च के दरवाजे पर एक बहुत ही शानदार लड़की देखी। जैसे शानदार और बढ़िया कपड़े उसने पहन रखे थे वैसे अच्छे कपड़े पहने तो हमने पहले कभी कोई लड़की ही नहीं देखी।

[14] Mass – a kind of Catholic Christian worship

जो कुछ भी वह पहने थी उसके सामने हमारी पोशाकें तो कुछ भी नहीं थीं। चर्च में राजा से ले कर भिखारी तक कोई आदमी ऐसा नहीं था जो उसको देखने की कोशिश में न हो। वे सभी यह जानने की कोशिश में थे कि वह थी कौन।"

उन लड़कियों को तब तक शान्ति नहीं मिली जब तक उन्होंने उस लड़की की पोशाक जैसी अपनी पोशाक नहीं बनवा ली पर उनको हनी चिड़िया और हनी फिंगर कहीं नहीं मिलीं।

अगले रविवार वे दोनों लड़कियॉ फिर से चर्च गयीं और वे फिर सबसे छोटी लड़की को खाना बनाने के लिये घर पर छोड़ गयीं। जब वे दोनों चर्च चली गयीं तो हैनवाइफ फिर से कॉपती हुई के पास आयी और उससे पूछा — "क्या तुम आज भी चर्च जाना पसन्द करोगी?"

कॉपती हुई बोली — "अगर मुझे जाने का मौका मिला तो।"

हैनवाइफ बोली — "तो आज तुम कौन सी पोशाक पहनना चाहोगी?"

कॉपती हुई बोली — "सबसे बढ़िया वाली काली साटन की पोशाक और उसके साथ लाल जूते।"

"और घोड़ी तुमको कौन से रंग की चाहिये?"

"वह भी मुझे काले रंग की चाहिये और इतनी चमकदार चाहिये जिसमें मैं अपनी परछाईं देख सकूँ।"

हैनवाइफ ने फिर से अँधेरे का क्लोक ओढ़ा और पोशाक, जूते और घोड़ी माँगी। जैसे ही वे तीनों चीज़ें उसको मिलीं उसने उनको कॉपती हुई को दे दिया।

कॉपती हुई ने जब उनको पहन लिया तो हैनवाइफ ने उसके दॉये कन्धे पर हनी चिड़िया बिठा दी और बॉये कन्धे पर हनी फिंगर बिठा दी। इस काली घोड़ी का साज चॉदी का था और उसकी लगाम भी चॉदी की ही थी।

जब कॉपती हुई उस घोड़ी पर सवार हो कर चर्च चली तो हैनवाइफ ने उससे कहा कि वह चर्च के दरवाजे से अन्दर न जाये और जैसे ही चर्च की मास खत्म हो जाये तो किसी भी आदमी के उसके पास तक आने से पहले ही वह उसी घोड़ी पर बैठ कर घर वापस आ जाये।

आज भी वह घर के काम की चिन्ता न करे घर का काम उसके लिये वह कर देगी।

इस रविवार को लोग और भी ज़्यादा आश्चर्यचकित थे। वे उसकी तरफ पहले से भी ज़्यादा घूर रहे थे और सारा समय वे यही सोचते रहे कि वह कौन थी। पर उनको इस बात को जान पाने का कोई तरीका ही नहीं था।

क्योंकि जैसे ही मास खत्म हो जाने पर लोग चर्च में से उठे वह अपने चॉदी के साज से सजी घोड़ी पर बैठ कर चर्च से अपने घर

चली गयी। और वह इतनी तेज़ गयी कि लोग उसके पास तक भी नहीं पहुँच पाये।

जब वह अपने घर पहुँची तो हैनवाइफ ने खाना बना कर तैयार रखा हुआ था।

कॉपती हुई ने अपनी बहिनों के आने से पहले अपनी साटन की पोशाक उतारी और अपनी पुरानी वाली पोशाक पहन ली। जब उस की बहिनें चर्च से लौट कर आयी तो हैनवाइफ ने उनसे पूछा कि उस दिन की चर्च की कोई नयी खबर थी क्या?

वे लड़कियॉ बोलीं — "आज हमने उस लड़की को फिर से देखा और उसकी पोशाक तो आज बहुत ही बढ़िया थी – काली साटन की। और सारा चर्च के सारे लोग, ऊपर से ले कर नीचे तक, सब उसी को मुँह खोले देख रहे थे। हमारी तरफ तो किसी ने देखा ही नहीं।"

इस बार भी उन लड़कियों को तब तक चैन नहीं पड़ा जब तक उन्होंने उस लड़की जैसी पोशाकें नहीं बनवा ली। हालॉकि वे उतनी अच्छी नहीं थीं जितनी कि उस लड़की की पोशाक थी पर ऐरिन[15] में उस समय वही मिल सकीं। पर हनी बर्ड और हनी फ़िंगर चिड़ियॉ उनको उस दिन भी नहीं मिलीं।

फिर तीसरा रविवार आया तो गोरी और काली दोनों ने अपनी अपनी नयी काली साटन की पोशाकें पहनीं और चर्च चली गयीं।

[15] Erin – name of a place in Ireland.

और हमेशा की तरह से वे कॉपती हुई को घर का काम करने के लिये छोड़ गयीं।

जैसे ही वे चर्च गयीं और आखों से ओझल हुईं वह हैनवाइफ फिर से रसोईघर में आयी और कॉपती हुई से पूछा — "हैलो, क्या तुम आज चर्च जाने के लिये तैयार हो?"

"अगर आज मुझे एक नयी पोशाक मिल जाये तो।"

"मैं तुमको कोई भी नयी पोशाक देने को तैयार हूँ जो भी तुम मॉगो।"

"मुझे कमर से नीचे लाल गुलाब जैसे रंग की और कमर से ऊपर की बर्फ जैसे सफेद रंग की पोशाक चाहिये। हरे रंग का केप चाहिये।

मेरे टोप में एक लाल, एक हरा और एक सफेद पंख लगा हो। मेरे जूते का आगे का हिस्सा लाल हो, बीच का हिस्सा सफेद हो और पीछे का हिस्सा और एड़ी हरी हो।"

हैनवाइफ ने फिर से अँधेरे का क्लोक ओढ़ा और इन सब चीज़ों की इच्छा की। जब ये सब चीज़ें उसे मिल गयीं तो उसने इनको कॉपती हुई को दे दिया।

कॉपती हुई ने जब उनको पहन लिया तो हैनवाइफ ने उसके दॉये कन्धे पर हनी चिड़िया बिठा दी और बॉये कन्धे पर हनी फिंगर चिड़िया बिठा दी।

उसके सिर पर टोप पहनाते हुए उसने उसकी कैंची से उसके कुछ बाल एक तरफ से काटे और कुछ बाल दूसरी तरफ से काटे। ये बाल काटते ही उसके सिर से बहुत सुन्दर सुनहरी बाल उसके दोनों कन्धों पर बिखर गये।

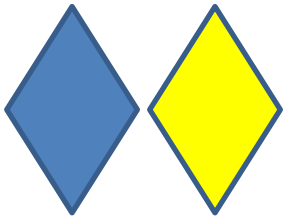

उसके बाद हैनवाइफ ने उससे पूछा कि उसको किस तरह की घोड़ी चाहिये। कॉपती हुई बोली — "सफेद रंग की जिसके सारे शरीर पर नीले और सुनहरे रंग के बरफी की शक्ल के धब्बे पड़े हों। उस पर सुनहरी साज हो और उसकी सुनहरी ही लगाम हो।"

तुरन्त ही एक ऐसी ही घोड़ी बाहर दरवाजे पर खड़ी हुई थी। इस बार उस घोड़ी के कानों के बीच में एक चिड़िया बैठी थी।

जैसे ही कॉपती हुई घोड़ी पर सवार हुई तो उस चिड़िया ने गाना शुरू कर दिया और वह तब तक गाती रही जब तक वह घर लौट कर नहीं आ गयी।

अब यह सुन्दर अजनबी लड़की तो बहुत दूर दूर तक मशहूर हो गयी और बहुत सारे राजकुमार और बड़े बड़े लोग अब हर रविवार को इस उम्मीद में चर्च आने लगे कि वे मास के बाद उसको अपने घर ले जायेंगे।

ओमान्या के राजा का बेटा अब तक राजा ऐढ कुरूचा की बड़ी बेटी को भूल गया था और आज अब वह चर्च के बाहर खड़ा था

ताकि वह उस आश्चर्यजनक लड़की को उसके वहॉ से भाग जाने से पहले ही पकड़ सके।

आज चर्च में पहले दिनों से बहुत ज़्यादा भीड़ थी। उसके अन्दर जितने लोग थे उससे तीन गुना लोग उसके बाहर खड़े थे। आज चर्च के सामने इतनी भीड़ थी कि कॉपती हुई केवल दरवाजे के अन्दर ही आ सकी।

जैसे ही लोग मास खत्म होने पर उठ कर खड़े होने लगे तो वह लड़की अपने सुनहरे साज वाली घोड़ी पर बैठी और दरवाजे से बाहर जाने लगी।

वह तो हवा से भी तेज़ भागी जा रही थी। पर अगर वह इतनी तेज़ जा रही थी तो ओमान्या का राजकुमार भी उसके साथ साथ ही उसका पैर पकड़े पकड़े भागे जा रहा था।

वह उसकी घोड़ी के साथ **30** पर्चेज़[16] तक भागा और उसने तब तक उसको अपनी ऑखों से ओझल नहीं होने दिया जब तक कि उसने उसका एक जूता उसके पैर में से नहीं खींच लिया। अब वह अपने हाथ में उसका जूता लिये खड़ा था।

जितनी तेज़ उसकी घोड़ी उसको उसके घर भगा कर ला सकती थी उतनी ही जल्दी वह अपने घर आ गयी। सारे रास्ते वह यही

[16] Perches – a perch is a unit of measurement used for area in the English system of measurement, and an ancient unit of height and volume in a number of systems of measurement. As a linear measurement it is from 10 feet to 22 feet.

सोच सोच कर डरती आ रही थी कि अब तो वह हैनवाइफ उसका जूता खो जाने पर उसको मार ही डालेगी।

हैनवाइफ ने जब कॉपती हुई का इतना दुखी और उतरा हुआ चेहरा देखा तो उससे पूछा — "क्या बात है क्या हो गया? तुम्हारा चेहरा इतना उतरा हुआ क्यों है?"

कॉपती हुई बोली — "मेरा एक जूता खो गया।"

"कोई बात नहीं। चिन्ता न करो। शायद यही सबसे अच्छी बात है जो तुम्हारे साथ हुई है।"

कॉपती हुई ने हैनवाइफ को वे सारी चीज़ें वापस कर दीं जो उसने उसको दी थीं और फिर रसोईघर में काम करने चली गयी।

जब उसकी बहिनें घर वापस लौट कर आयीं तो हैनवाइफ ने उनसे पूछा — "चर्च की आज की कोई नयी खबर?"

"हॉ आज नयी खबर है। आज हमने एक बहुत ही अच्छा दृश्य देखा। वह अजनबी लड़की आज फिर आयी थी। आज तो वह और दिनों से भी ज़्यादा सुन्दर और शानदार लग रही थी।

उसके अपनी पोशाक और उसके घोड़े के रंग तो दुनियॉ के सब से अच्छे रंग थे। उसके घोड़े के कानों के बीच में एक चिड़िया बैठी थी जो जबसे वह लड़की वहॉ आयी थी और जब तक वहॉ से वह गयी गाती ही जा रही थी। पूरे ऐरिन में वह सबसे सुन्दर लड़की थी।"

उधर जब कॉपती हुई चर्च से चली आयी तो ओमान्या के राजकुमार ने दूसरे राजकुमारों से बात की — "मैं इस लड़की को अपने लिये चाहता हूँ।"

वे सब बोले — "केवल उसका जूता ले लेने से तुम उसको नहीं जीत सकते। तुमको उसे तलवार के बल पर जीतना होगा। उसको पाने के लिये तुमको हमसे लड़ना होगा।"

ओमान्या के राजकुमार ने कहा — "ठीक है। जिस दिन मैं उस लड़की को ढूँढ लूँगा जिसके पैर में यह जूता आ जायेगा उस दिन उसके लिये मैं तुम लोगों से लड़ूँगा। और डरो नहीं, तब तक मैं उसको तुम लोगों के लिये छोड़ता हूँ।"

यह सुन कर सारे राजकुमार यह जानने के लिये बेचैन हो गये कि वह कौन सी लड़की थी जो अपना जूता छोड़ गयी। उसको ढूँढने के लिये वे सारे ऐरिन में चक्कर काटने लगे।

ओमान्या का राजकुमार और दूसरे राजकुमार सबने एक साथ ऐरिन का पूरा चक्कर काटा - उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम। उन्होंने वे सब जगहें देखीं जहाँ उनको कोई भी स्त्री मिल सकती थी चाहे वह गरीब हो या अमीर, कुलीन हो या कोई नीचे घर की, कोई भी।

उनको तो बस यही देखना था कि उस स्त्री के वह जूता आता था या नहीं। इसके लिये उन्होंने वहाँ का कोई भी घर नहीं छोड़ा।

ओमान्या का राजकुमार वह जूता हमेशा ही अपने पास रखता था।

जब लड़कियों ने वह जूता देखा तो यह तो किसी भी आदमी के लिये जानना नामुमकिन था कि वह जूता किस चीज़ का बना हुआ था क्योंकि वह जूता दूसरे जूतों जैसा ठीक साधारण नाप का जूता था, न बड़ा था न छोटा, तो उनको यह उम्मीद लगी कि शायद वह जूता उनके पैर में आ जाये पर ऐसा नहीं हुआ।

एक ने तो यह भी किया कि उस जूते को अपने पैर में पहनने के लिये उसने अपना पैर का अँगूठा तक काट लिया पर इससे भी कुछ नहीं हुआ क्योंकि फिर वे महीनों तक अपने उस अँगूठे का इलाज कराती रही।

किसी और ने यह भी सोचा कि अगर वह जूता उसके पैर में बड़ा हुआ तो वह अपने मोजे में कुछ घुसा लेगी पर उससे भी कुछ नहीं हुआ।

कॉपती हुई की दोनों बहिनों गोरी और काली ने भी यह सुना कि बहुत सारे राजकुमार उस लड़की की तलाश में घूम रहे हैं जिसका जूता खो गया है।

वे दोनों रोज उस लड़की की बातें करतीं तो एक दिन कॉपती हुई ने कहा — "मैं भी उस जूते को पहन कर देखूँगी शायद वह जूता मेरे पैर में आ जाये।"

"तुम ऐसी बात कैसे कर सकती हो कॉपती हुई क्योंकि तुम तो हर रविवार को घर में ही रहती हो और वह जूता तो उस लड़की का है जो चर्च गयी थी। तुम तो कभी चर्च में गयीं हीं नहीं।"

इस तरह से वे उन राजकुमारों का इन्तज़ार कर रही थीं जिस किसी से वे शादी कर सकती थीं और जब वे राजकुमार उनके घर के पास आये उस समय वे अपनी छोटी बहिन को डॉट रही थीं।

उस दिन गोरी और काली ने कॉपती हुई को एक आलमारी में छिपा दिया और उसका ताला लगा दिया। जब वे राजकुमार वहॉ आये तो ओमान्या के राजकुमार ने वह जूता उन दोनों बहिनों को पहनने के लिये दिया पर वह जूता तो उन दोनों में से किसी को भी ठीक से नहीं आया।

राजकुमार ने उनसे पूछा — "क्या आपके घर में कोई और लड़की भी है?"

कॉपती हुई आलमारी के अन्दर से ही बोली — "हॉ है न। मैं हूँ यहॉ आलमारी के अन्दर।"

उसकी बहिनें बोलीं — "ओह यह तो हमारे यहॉ केवल आग बुझाने का ही काम करती है।"

पर वहॉ से कोई भी राजकुमार जाने को तैयार नहीं था जब तक कि वे सब उस लड़की को देख नहीं लेते जो आलमारी में से बोली थी। सो उन दोनों बहिनों को उस आलमारी का दरवाजा खोलना ही पड़ा।

जब कॉपती हुई बाहर आयी तो राजकुमार ने उसको भी वह जूता पहनने के लिये दिया और वह जूता उसके पैर में बिल्कुल ठीक आ गया।

ओमान्या के राजकुमार ने उसकी तरफ देखते हुए कहा — "तो तुम वह लड़की हो जिसके पैर में यह जूता आता है और तुम ही वह लड़की हो जिसके पैर में से मैंने यह जूता निकाला था।"

कॉपती हुई बोली — "ज़रा ठहरो मैं अभी आती हूँ।" कह कर वह हैनवाइफ के घर गयी और जा कर उसको सब बताया।

हैनवाइफ ने अपना अँधेरे वाला क्लोक पहना और उसने वह सब लिया जो कॉपती हुई ने पहले रविवार को पहना था। फिर उसने उसको सफेद घोड़ी पर उसी तरह से बिठाया जैसे कि वह उस पर उस दिन बैठी थी।

फिर कॉपती हुई अपनी उस सफेद घोड़ी पर सवार हो कर अपने घर के सामने से गुजरी तो वे सब जिन्होंने उसको पहले रविवार को चर्च में देखा था चिल्ला पड़े — "अरे यही तो है वह लड़की जिसको हमने उस दिन चर्च में देखा था।"

उसके बाद वह दोबारा उधर से गुजरी तो उस समय उसने वही पोशाक पहनी थी और वह उसी घोड़ी पर सवार थी जो उसने चर्च में दूसरे रविवार को इस्तेमाल की थी।

फिर वह तीसरी बार उधर से गुजरी। उस समय उसने वही पोशाक पहनी थी और वह उसी घोड़ी पर सवार थी जो उसने चर्च में तीसरे रविवार को इस्तेमाल की थी।

तो जिन लोगों ने उसको तीसरे रविवार को देखा था वे उसको देखते ही चिल्ला उठे — "अरे यही तो है वह लड़की जिसको हमने उस दिन चर्च में देखा था।"

यह देख कर वहॉ पर मौजूद सब राजकुमार और दूसरे लोग सन्तुष्ट हो गये कि यही वह लड़की है जो तीन रविवार चर्च में देखी गयी थी।

तब वहॉ पर मौजूद सब राजकुमारों ने ओमान्या के राजकुमार से कहा — "अब अगर तुमको इससे शादी करनी है तो पहले तुम हमसे लड़ो।"

राजकुमार बोला — "मैं तैयार हूँ। आ जाओ, लड़ाई के लिये आ जाओ।"

तब लोचलिन का राजकुमार[17] उससे लड़ने के लिये आया। दोनों की लड़ाई शुरू हुई। बहुत ही भयानक लड़ाई थी वह। वे लोग नौ घंटे तक लड़े पर फिर लोचलिन के राजकुमार ने लड़ाई छोड़ दी।

अगले दिन स्पेन का राजकुमार[18] लड़ने के लिये आया। वह छह घंटे लड़ा और हार गया। तीसरे दिन नैरफो का राजकुमार[19] लड़ने के लिये आया। वह आठ घंटे लड़ा पर वह भी हार गया।

[17] Prince of Lochlin
[18] Prince of Spain
[19] Prince of Nyerfo

चौथे दिन यूनान का राजकुमार[20] लड़ने के लिये आया। वह भी छह घंटे लड़ा फिर उसने भी लड़ाई रोक दी।

यह सब देख कर पॉचवे दिन और दूसरे राजकुमारों ने भी उससे लड़ने के लिये मना कर दिया और ऐरिन के राजकुमारों ने तो यह कहा कि वे अपने ही देश की जमीन पर रहने वाले आदमी से लड़ना ही नहीं चाहते थे।

जब कोई और उस कॉपती हुई से शादी करने के लिये आगे नहीं बढ़ा तो वह ओमान्या के राजकुमार की हो गयी। शादी का दिन तय किया गया और बुलावा भेज दिया गया। शादी की खुशियॉ एक साल और एक दिन तक मनायी गयीं।

जब शादी का सब काम खत्म हो गया तो राजकुमार दुलहिन को घर ले आया। समय आने पर राजकुमारी के एक बेटा हुआ। उसने अपनी बड़ी बहिन गोरी को अपनी सहायता और देख भाल के लिये बुला लिया।

एक दिन जब कॉपती हुई ठीक हो गयी थी और उसका पति शिकार पर गया हुआ था तो दोनों बहिनें घूमने गयीं। घूमते घूमते वे दोनों समुद्र के किनारे आ गयीं। वहॉ गोरी ने कॉपती हुई को समुद्र में धक्का दे दिया। तभी वहॉ एक बड़ी व्हेल मछली आयी और उसको निगल गयी।

[20] Prince of Greece

गोरी अकेली ही घर वापस आ गयी। गोरी को अकेले देख कर कॉपती हुई के पति ने पूछा — "तुम्हारी बहिन कहॉ है?"

गोरी बोली — "वह अपने पिता के पास बैलीशैनन[21] गयी है। मैं अब क्योंकि ठीक हूॅ इसलिये मुझे अब उसकी जरूरत भी नहीं है।"

पति उसकी तरफ देखता हुआ बोला — "मैं तो बहुत ही परेशान हो गया था क्योंकि मेरी पत्नी मुझे दिखायी नहीं दी।"

गोरी बोली — "नहीं, तुम्हारी पत्नी नहीं गयी है। तुम्हारी पत्नी तो मैं हूॅ वह तो मेरी बहिन गोरी है जो गयी है।"

अब क्योंकि दोनों बहिनें काफी एक सी लगती थीं राजकुमार को गोरी पर शक हो गया। सो उस रात को जब वे सोने लगे तो राजकुमार ने अपने दोनों के बीच में तलवार रख ली और गोरी से बोला — "अगर तुम मेरी पत्नी हो तो कल सुबह तक यह तलवार गरम हो जायेगी और अगर तुम मेरी पत्नी नहीं हो तो यह ऐसी ही ठंडी ही रहेगी।"

सुबह को जब राजकुमार उठा तो वह तलवार उतनी ही ठंडी पड़ी थी जितनी ठंडी उसने रात को सोते समय रखी थी।

उधर क्या हुआ कि जब वे दोनों बहिनें समुद्र के किनारे टहल रही थीं तो एक छोटा चरवाहा पानी के पास अपनी गायें चरा रहा

[21] Ballyshannon

था। उसने गोरी को कॉपती हुई को समुद्र में धक्का देते देख लिया था।

अगले दिन जब समुद्र में ज्वार आया तो वह व्हेल तैरती हुई समुद्र के किनारे आयी और कॉपती हुई को समुद्र के किनारे रेत पर छोड़ गयी।

जब कॉपती हुई रेत पर आयी तो उसने उस छोटे चरवाहे को देखा तो उससे कहा — "जब तुम शाम को अपनी गायों को ले कर घर जाओ तो अपने मालिक से कहना कि गोरी ने मुझे कल समुद्र में धकेल दिया था। वहॉ मुझे एक व्हेल ने निगल लिया और आज मुझे उसने बाहर निकाल दिया।

पर अब जब अगला ज्वार आयेगा तो वह मुझे फिर निगल लेगा और वह फिर समुद्र में चला जायेगा और फिर अगले ज्वार के साथ फिर वापस समुद्र के किनारे आ जायेगा और फिर मुझे यहॉ छोड़ जायेगा।

इस तरह से यह व्हेल मुझे तीन बार निगलेगा और तीनों बार किनारे पर छोड़ जायेगा। मैं इस व्हेल के जादू में हूॅ इसलिये न तो मैं यह समुद्र का किनारा ही छोड़ सकती हूॅ और न ही कहीं बच कर भाग सकती हूॅ।

जब तक मेरा पति मुझे न बचा ले यह व्हेल मुझे चौथी बार भी निगल लेगा और उस बार यह मुझे खा जायेगा। सो मेरे पति को कहना कि वह यहॉ आयें और इससे पहले कि वह व्हेल मुझे चौथी

बार निगले और खाये उनको इस व्हेल को चॉदी की गोली से उस समय मारना चाहिये जब वह अपनी पीठ पर पलट जाये।

इस व्हेल की छाती वाले पंख के नीचे लाली लिये हुए एक कत्थई रंग का निशान है। मेरे पति को उसके उसी निशान पर मारना चाहिये क्योंकि वही एक जगह है जहॉ मारने पर वह व्हेल मर सकता है।"

सो शाम को जब वह चरवाहा घर पहुँचा तो कॉपती हुई की सब से बड़ी बहिन गोरी ने उसको कुछ ऐसा पिला दिया जिससे वह उसकी कही हुई सब बातें भूल गया और उसने राजकुमार से कुछ नहीं कहा।

अगले दिन वह समुद्र के किनारे फिर अपनी गायें चराने गया। व्हेल फिर समुद्र के किनारे आयी और कॉपती हुई को वहॉ फेंक गयी। कॉपती हुई ने उस चरवाहे से पूछा कि क्या उसने वह सब अपने मालिक से कहा जो उसने उससे कहने के लिये कहा था।

चरवाहा बोला — "मैं तो भूल गया।"

कॉपती हुई ने पूछा — "तुम भूल कैसे गये?"

चरवाहा बोला — "घर की मालकिन ने मुझे कुछ पीने को दिया और मैं सब भूल गया।"

कॉपती हुई बोली — "ठीक है पर आज शाम को यह कहना न भूलना नहीं तो मैं मर जाऊँगी।"

सो जैसे ही वह चरवाहा घर पहुँचा तो गोरी ने फिर से उसको वह चीज़ पिलाने की कोशिश की जिससे वह सब भूल जाता पर इस बार उसने मना कर दिया और उसने मालिक को वह सब बता दिया जो कॉपती हुई ने उससे कहने के लिये कहा था।

तीसरे दिन राजकुमार अपनी बन्दूक में एक चॉदी की गोली लेकर समुद्र के किनारे गया। उसको वहॉ बहुत देर तक इन्तजार नहीं करना पड़ा क्योंकि जल्दी ही वह व्हेल वहॉ आ गया।

उसने किनारे पर आ कर कॉपती हुई को रेत पर वहीं फेंक दिया जहॉ उसने उसको दो दिन पहले फेंका था। कॉपती हुई में अपने पति से बात करने की बिल्कुल भी ताकत नहीं थी जब तक कि उसके पति ने व्हेल को मार नहीं दिया।

कॉपती हुई को रेत पर फेंक कर व्हेल फिर पानी में चला गया और अपनी पीठ पर लेट गया। इससे उसका वह लाली लिये हुए कत्थई निशान केवल एक पल के लिये ही दिखायी दिया। उसी समय राजकुमार ने उस पर गोली चला दी।

उसके पास व्हेल को मारने का बस केवल एक यही मौका था, और वह भी बहुत ही छोटा सा। पर उसने उस मौके को खोने नहीं दिया और उसके उस लाली वाले कत्थई निशान पर अपनी चॉदी की गोली मार दी।

व्हेल दर्द के मारे पागल सा हो गया और समुद्र में चारों तरफ घूमते हुए समुद्र का पानी खून से लाल करते हुए मर गया।

व्हेल के मरने के बाद ही कॉपती हुई कुछ बोलने के लायक हो सकी। फिर वह अपने पति के साथ घर चली गयी। वहॉ जा कर राजकुमार ने कॉपती हुई के पिता को बताया कि उसकी सबसे बड़ी बहिन गोरी ने उसके साथ क्या किया।

उसका पिता तुरन्त ही उसको देखने के लिये आये और राजकुमार से कहा कि वह गोरी को जो सजा चाहे दे सकता है। राजकुमार ने कहा कि वह उसकी ज़िन्दगी और मौत उसी के हाथ में छोड़ता है।

तब उसके पिता ने गोरी को एक बैरल[22] में बन्द कर दिया और समुद्र में छुड़वा दिया। उसने उसके लिये उस बैरल में सात साल का खाना रखवा दिया था।

समय गुजरता गया और कॉपती हुई ने एक और बच्चे को जन्म दिया। इस बार यह लड़की थी।

राजकुमार और कॉपती हुई ने उस चरवाहे को स्कूल भेजा और उसको अपने बच्चे की तरह पाला पोसा और पढ़ाया और कहा कि अगर हमारी यह बच्ची ज़िन्दा रही तो हम इसकी शादी इस चरवाहे से ही करेंगे।

[22] A barrel is a hollow cylindrical container traditionally made of wooden staves bound by wooden or metal hoops. It has a standard size – in UK it is 36 Imperial gallons (160 L, 43 US Gallons). Modern barrels are made of US Oak wood and measure 59, 60 and 79 US Gallons. A US Gallon is 3.8 Liter and an Imperial Gallon is 4.5 Liter. See its picture above.

चरवाहा और वह नन्हीं राजकुमारी तब तक ज़िन्दा रहे जब तक वे शादी की उम्रके लायक नहीं हो गये। फिर उनकी शादी कर दी गयी।

कॉपती हुई ने अपने पति से कहा — "अगर यह चरवाहा न होता तो तुम मुझको नहीं बचा सकते थे। इसी लिये मुझको उसको अपनी बेटी देने में कोई शिकायत नहीं है।"

ओमान्या के राजकुमार और कॉपती हुई के चौदह बच्चे हुए और वे दोनों खुशी खुशी रहे जब तक उनके दो बच्चे काफी बूढ़ी उम्र में मरे।

3 सिन्डरैला[23]

सिन्डरैला जैसी यह कहानी यूरोप महाद्वीप के इटली देश की कहानियों से ली गयी है। यह कहानी भी बहुत पुरानी है, सन् 1885 की।

एक बार की बात है कि एक आदमी के तीन बेटियाँ थीं। एक बार उसको किसी काम से बाहर जाना पड़ा तो उसने अपनी बेटियों से कहा — "मैं किसी काम से बाहर जा रहा हूँ बोलो मैं तुम लोगों के लिये क्या ले कर आऊँ।"

बड़ी वाली बेटी बोली — "पिता जी, मेरे लिये एक बहुत सुन्दर सी पोशाक ले कर आना।"

दूसरी ने कहा — "पिता जी, मेरे लिये एक बहुत अच्छा सा टोप और एक शाल ले कर आना।"

फिर उसने अपनी सबसे छोटी बेटी से पूछा — "और तुम्हारे लिये सिन्डरैला? तुम्हें क्या चाहिये?"

सब उसको सिन्डरैला ही कह कर पुकारते थे क्योंकि वह हमेशा चिमनी के पास वाले कोने में ही बैठी रहती थी।

---

[23] Cinderella – a fairy tale from Italy, Europe.
Charles Perrault took it from Italian Popular Tales by Thomas Frederick Crane. London, Macmillan and Company, 1885, no. 9, pp. 42-47. Hindi translation of this Book is available from : hindifolktales@gmail.com

वह बोली — "पिता जी, मेरे लिये एक छोटी वरडैलियो चिड़िया[24] ले कर आना।"

"बेचारी सीधी सादी लड़की। यह बेचारी तो यह भी नहीं जानती थी कि उस चिड़िया का यह करेगी क्या। बजाय किसी सुन्दर पोशाक मॅगाने के या फिर कोई शाल मॅगाने के उसने एक चिड़िया चुनी। किसी को पता नहीं कि यह उसका करेगी क्या।"

सिन्डरैला बोली — "चुप। वह मुझे अच्छी लगती है बस इसी लिये मैंने पिता जी से उसे लाने के लिये कहा।"

उनका पिता चला गया और जब वह लौटा तो सिन्डरैला की दोनों बड़ी बहिनों के लिये पोशाक, शाल और टोप और सिन्डरैला के लिये वरडेलियो चिड़िया ले कर आया।

उनका पिता शाही दरबार में काम करता था। एक दिन राजा ने उनके पिता से कहा — "मैं तीन दिन के नाच का इन्तजाम कर रहा हूॅ। तुम अगर अपनी बेटियों को यहॉ लाना चाहते हो तो तुम भी उनको यहॉ ले कर आ सकते हो। वे भी शाही नाच का थोड़ा आनन्द लेंगी।"

उसने जवाब दिया — "जैसी आपकी इच्छा। बहुत बहुत धन्यवाद।"

और वह राजा की बात सुन कर घर आ गया।

[24] Verdalio bird – a small bird

जब वह घर गया तो उसने अपनी बेटियों से कहा — "लड़कियों तुम क्या सोचती हो? राजा ने तुम सबको अपने यहॉ नाच में बुलाया है।"

"देखा सिन्डरैला। अगर तूने भी एक बहुत सुन्दर सी पोशाक मॅगवायी होती तो... । तुझे मालूम है कि आज शाम को हम सब राजा के यहॉ नाच में जा रहे हैं।"

सिन्डरैला बोली — "मुझे उससे कोई मतलब नहीं है। तुमको जाना हो तो जाओ मैं नहीं आ रही।"

शाम को जब नाच में जाने का समय आया तो सिन्डरैला की दोनों बहिनें खूब सजीं और गाड़ी में बैठते हुए सिन्डरैला से बोलीं — "आजा सिन्डरैला। तेरे लिये भी जगह है यहॉ।"

पर सिन्डरैला ने फिर वही जवाब दिया — "मुझे नहीं जाना तुमको जाना हो तो जाओ। मैं नहीं आ रही।"

पिता बोला — "चलो हम लोग चलते हैं। तैयार हो जाओ और चलो। अगर वह यहॉ रुकना चाहती है तो उसको रुकने दो। तुम लोग उससे जिद क्यों करती हो।" सो वे सब चले गये।

जब वे सब चले गये तो सिन्डरैला अपनी वरडैलियो चिड़िया के पास गयी और बोली — "ओ मेरी छोटी वरडैलियो चिड़िया, जैसी मैं हूॅ मुझे उससे भी और ज़्यादा सुन्दर बना दो।"

चिड़िया ने वैसा ही किया। उसको समुद्री हरे रंग की पोशाक पहनायी जिस पर इतने सारे हीरे लगे हुए थे कि उसकी तरफ देखने पर वे ऑखों को चौंधियाते थे।

चिड़िया ने उसके लिये पैसों के दो बटुए तैयार किये और उनको उसको देते हुए कहा — "लो ये दो बटुए लो, अपनी गाड़ी में बैठो और जाओ।"

वह गाड़ी में बैठी और राजा के महल में नाच के लिये चल दी। वरडैलियो चिड़िया को उसने घर में ही छोड़ दिया। वह नाच के कमरे में घुसी। वहॉ बैठे किसी भी आदमी ने कभी मुश्किल से ही इतनी सुन्दर लड़की कहीं देखी होगी। वे सब उसी को देखे जा रहे थे।

जब राजा ने उसके साथ नाचना शुरू किया तो ज़रा सोचो क्या हुआ होगा। वह तो बस सारी शाम उसी के साथ ही नाचता रहा। सारी शाम नाचने के बाद ही राजा रुक सका। नाच के बाद सिन्डरैला अपनी बहिनों के पास जा कर खड़ी हो गयी।

जब वह अपनी बहिनों के पास खड़ी हुई थी तो उसने अपना रूमाल निकाला तो उसका एक ब्रेसलैट[25] नीचे गिर पड़ा। उसकी सबसे बड़ी बहिन बोली — "मैम, आपका यह ब्रेसलैट नीचे गिर गया।"

वह बोली — "कोई बात नहीं तुम रख लो।"

[25] Bracelet – an ornament to be worn in wrist. See its picture above.

उसकी बड़ी बहिन ने सोचा — "ओह काश सिन्डरैला यहाँ होती। कौन जानता है कि उसको क्या नहीं हो गया होता।"

राजा उस लड़की से प्यार करने लगा था सो उसने अपने नौकरों को हुक्म दिया कि जब यह लड़की यहाँ से जाये तो उसका पता करो कि वह कहाँ रहती है। कुछ देर वहाँ ठहरने के बाद सिन्डरैला वहाँ से चली गयी।

तुम लोग सोच सकते हो कि जो नौकर उसका घर देखने के लिये लगाये गये थे उन्होंने क्या किया होगा।

वे उसके पीछे पीछे चले। सिन्डरैला ने देखा कि कुछ लोग उसके पीछे पीछे आ रहे हैं तो उसने अपना बटुआ निकाला और उसमें से कुछ पैसे निकाल कर गाड़ी की खिड़की से बाहर फेंकने शुरू कर दिये।

लालची नौकरों ने वे पैसे देख कर उस लड़की के बारे में तो सोचना छोड़ दिया और रुक कर वे पैसे उठाने लगे।

जब वे पैसे उठा रहे थे तो वह घर चली गयी और फिर ऊपर चली गयी। वहाँ जा कर वह फिर अपनी वरडैलियो चिड़िया के पास गयी और बोली कि वह उसको फिर से वैसी ही बना दे जैसी कि वह पहले थी। उस चिड़िया ने उसको फिर से वैसी ही बना दिया।

जब सिन्डरैला की बहिनें नाच से लौटीं तो बोलीं — "ओह सिन्डरैला।"

उसका पिता बोला — "उसको छोड़ दो। वह सो रही है। छोड़ दो उसको।"

पर वे ऊपर गयीं और उसको वह बड़ा सुन्दर ब्रेसलैट दिखाया और कहा — "देख रही है न इसे? ओ सीधी सादी लड़की। यह तुझे भी मिल सकता था।"

"मुझे इससे कुछ लेना देना नहीं है तुम रख लो इसको।"

उनके पिता ने कहा — "चलो खाना लगाओ।"

उधर राजा अपने नौकरों के लौटने का इन्तजार कर रहा था कि वे आयेंगे और उसको उस लड़की के घर का पता बतायेंगे। पर उनकी राजा के सामने जाने की हिम्मत ही नहीं पड़ रही थी।

तब उसने उनको खुद बुलाया और उनसे पूछा — "क्यों कैसा रहा? पता लगाया तुमने उस लड़की के घर का?"

वे सब उसके पैरों पर गिर पड़े और बोले — "मालिक, उसने इतना सारा पैसा फेंका कि ...।"

राजा चिल्लाया — "नीच, तुम लोग कुछ नहीं कर सकते। तुम लोगों को क्या यह लग रहा था कि तुम लोगों को इस तरह के काम का कोई इनाम नहीं मिलेगा? कोई बात नहीं, कल शाम को ध्यान रखना, चाहे तुमको कितना भी तकलीफ क्यों न हो पर तुमको उसके घर का पता लगा कर ही लाना है।"

अगली शाम को दोनों बहिनों ने कहा — "तू भी आ रही है न सिन्डरैला हमारे साथ?"

सिन्डरैला बोली — "नहीं, मुझे तंग मत करो। मुझे नहीं जाना।"

उनका पिता चिल्लाया — "तुम लोग उसको बहुत तंग करती हो। उसे छोड़ दो न। क्यों उसके पीछे पड़ी हो जब वह नहीं जाना चाहती तो।"

सो वे दोनों तैयार होने चली गयीं, पहली शाम से भी ज़्यादा अच्छी तरह से। और तैयार हो कर वे नाच में चली गयीं — "बाई सिन्डरैला।"

उनके जाने के बाद सिन्डरैला फिर अपनी वरडैलियो चिड़िया के पास गयी और बोली — "ओ मेरी छोटी वरडैलियो चिड़िया, मुझे बहुत सुन्दर बना दो।"

चिड़िया ने उसको समुद्री हरे रंग की पोशाक में सजा दिया जिसके ऊपर बहुत सारी मछलियॉ कढ़ी हुई थीं और उसमें इतने हीरे लगे हुए थे जितने तुम सोच भी नहीं सकते।

फिर उसने सिन्डरैला को दो थैले रेत दिया और कहा — "ये दो थैले रेत ले जाओ। जब तुम देखो कि तुम्हारे पीछे लोग आ रहे हैं तो इस रेत को फेंक देना। इससे उनको कुछ दिखायी नहीं देगा।"

वह गाड़ी में बैठी और नाच के लिये चल दी। जब वह नाच वाले कमरे में पहुॅची और राजा ने उसे देखा तो बस वह तो फिर से

सारी शाम उसी के साथ नाचता रहा जब तक वह थक नहीं गया। हालॉकि सिन्डरैला नहीं थकी थी।

नाच के बाद सिन्डरैला फिर से अपनी बहिनों के पास जा कर खड़ी हो गयी। वहॉ जा कर उसने फिर से अपना रूमाल निकाला तो इस बार उसका हार नीचे गिर गया।

इस बार उसकी दूसरी बहिन ने कहा — "मैम, आपका यह हार नीचे गिर गया।"

सिन्डरैला ने कहा — "कोई बात नहीं। तुम रख लो।"

"उफ़ अगर सिन्डरैला यहॉ होती तो कौन जाने उसके साथ क्या नहीं होता। कल उसको यहॉ जरूर आना चाहिये।"

कुछ देर बाद सिन्डरैला वहॉ से चली गयी। राजा के नौकर सावधान थे सो उसके वहॉ से जाते ही वे सब उसके पीछे पीछे चल दिये।

जब सिन्डरैला ने देखा कि लोग उसका पीछा कर रहे हैं तो उसने अपनी गाड़ी की खिड़की से पीछे की तरफ रेत फेंक दी जिससे राजा के आदमी कुछ देख नहीं सके और सिन्डरैला वहॉ से निकल गयी। राजा के आदमी फिर ऐसे ही वापस आ गये।

घर आ कर वह फिर ऊपर गयी और अपनी चिड़िया से बोली — "ओ मेरी छोटी वरडेलियो चिड़िया, मुझे पहले जैसा बना दो।" चिड़िया ने उसको फिर से वैसा ही बना दिया।

जब उसकी बहिनें नाच से वापस आयीं तो उन्होंने नीचे से ही उससे बात करना शुरू कर दिया — "ओह सिन्डरैला, अगर तू जानती कि उस लड़की ने मुझे क्या दिया।"

सिन्डरैला तुरन्त बोली — "मुझे इससे कोई मतलब नहीं कि उस लड़की ने तुमको क्या दिया।"

"नहीं नहीं, तुझको उसे देखना ही चाहिये।"

पिता बोला — "चलो खाना खाने चलें। उसको छोड़ो। तुम लोग तो वाकई बहुत ही बेवकूफ हो।"

अब हम मैजेस्टी के पास चलते हैं जो यह जानने के लिये अपने नौकरों का इन्तजार कर रहा था कि वह लड़की कहाँ रहती है। पर यह जानने के बदले में तो वे लोग रेत से अन्धे हो कर लौट आये थे।

राजा उन पर फिर चिल्लाया — "तुम लोग तो एक रोग हो। या तो यह लड़की खुद ही कोई परी है और या फिर कोई परी इसकी सहायता कर रही है।"

अगले दिन जब वे बहिनें फिर से नाच में जाने के लिये तैयार होने लगीं तो उन्होंने सिन्डरैला से कहा — "सिन्डरैला, चल आज तू भी चल। सुन आज की शाम आखिरी शाम है। आज तो तुझे हमारे साथ चलना ही चाहिये।"

पिता बोला — "तुम लोग उसको छोड़ दो न। तुम लोग हमेशा ही उसको क्यों तंग करती रहती हो।"

यह सुन कर वे तैयार होने चली गयीं और तैयार हो कर अपने पिता के साथ नाच के लिये चली गयीं।

जब वे सब चले गये तो सिन्डरैला फिर से अपनी चिड़िया के पास गयी और उससे बोली — "ओ मेरी छोटी वरडैलियो चिड़िया, तू मुझे आज बहुत सुन्दर बना दे।"

उस दिन चिड़िया ने उसको इन्द्रधनुषी रंगों की पोशाक में सजाया। उसकी इस पोशाक पर चॉद तारे बने हुए थे और सूरज उसकी भौंह पर था।

इस तरह वह नाच के कमरे में घुसी। आज कौन उसकी तरफ देख सकता था। उसकी भौंह पर लगा सूरज ही सबको चौंधा देने के लिये काफी था।

राजा ने उसके साथ नाचना तो शुरू किया पर आज तो वह उसकी तरफ देख ही नहीं सका। आज तो उसकी ऑखें ही चौंधिया रही थीं।

आज राजा ने अपने नौकरों को पहले से ही हुकुम दे रखा था कि वह उस लड़की का ध्यान रखें और आज वे उसका पैदल पीछा न करें बल्कि अपने अपने घोड़ों पर पीछा करें।

सिन्डरैला ने आज पहले दो दिनों के मुकाबले में ज़्यादा देर नाच किया। नाचने के बाद वह अपने पिता के पास जा कर खड़ी

होगयी। वहॉ जा कर उसने फिर से अपना रूमाल निकाला तो पैसों से भरा हुआ एक सुँघनी का सोने का डिब्बा[26] नीचे गिर पड़ा।

उसका पिता बोला — "मैम, आपका यह सुँघनी का डिब्बा गिर पड़ा।"

सिन्डरैला बोली — "इसे आप अपने पास रख लें।"

अब ज़रा उस आदमी के बारे में सोचो जिसको यह डिब्बा मिला। उसने उस डिब्बे को खोला तो वह तो पैसों से भरा हुआ था।

वह वहॉ कुछ देर तक खड़ी रही फिर वहॉ से घर चली गयी। राजा के नौकरों ने जल्दी ही उसका अपने घोड़ों पर पीछा किया। इस तरह उसका पीछा करने मे उनको कुछ खास परेशानी नहीं हो रही थी।

सिन्डरैला ने देखा कि आज भी लोग उसके पीछे पीछे आ रहे हैं पर आज उसके पास पीछे फेंकने के लिये कुछ भी नहीं था। वह बोली — "ओह अब मैं क्या करूँ।"

वह अपनी गाड़ी छोड़ कर नीचे उतर गयी और जल्दी जल्दी अपने घर की तरफ भागने लगी। इस जल्दी में उसका एक जूता निकल गया और नीचे गिर पड़ा। नौकरों ने वह जूता उठा लिया और उसके घर का नम्बर देख कर वापस आ गये।

[26] Translated for the words "Golden Snuffbox"

सिन्डरैला झट से ऊपर गयी और अपनी चिड़िया से बोली — "ओ मेरी छोटी वरडैलियो चिड़िया, मुझे पहले जैसा बना दो।" पर चिड़िया ने उसको इसका कोई जवाब नहीं दिया।

सिन्डरैला ने जब यह तीन चार बार दोहराया तो वह बोली — "मुझे तुमको इस समय घरेलू लड़की तो नहीं बनाना चाहिये पर अगर तुम कहती हो तो... ।" और वह फिर से पुरानी सिन्डरैला बन गयी।

चिड़िया फिर बोली — "पर अब तुम क्या करोगी अब तो तुम पहचान ली गयी हो।" यह सुन कर सिन्डरैला रोने लगी।

जब उसकी बहिनें घर वापस लौटीं तो वे वहीं से चिल्लायीं — "सिन्डरैला।"

तुम सोच सकते हो कि उस शाम सिन्डरैला ने उनकी पुकार का उनको कोई जवाब नहीं दिया।

उसकी बहिनें फिर बोलीं — "सिन्डरैला, देख न कितना सुन्दर सुँघनी का डिब्बा है। अगर आज तू गयी होती तो यह डिब्बा तुझको मिल जाता।"

"मुझे चिन्ता नहीं है। मुझे वह चाहिये भी नहीं। चली जाओ यहाँ से।"

तभी उनके पिता ने उनको खाने के लिये आवाज लगायी।

उधर राजा के नौकर उस लड़की का जूता और उसके घर का नम्बर ले कर राजा के पास पहुँचे।

राजा बोला — "कल सुबह जैसे ही दिन निकलता है तुम उस लड़की के घर जाओ और उसको गाड़ी में बिठा कर यहाँ ले आओ।"

नौकरों ने वह जूता उठाया और वहाँ से चले गये। अगली सुबह वे सिन्डरैला के घर पहुँचे और जा कर उसके घर का दरवाजा खटखटाया।

उनके पिता ने बाहर झाँक कर देखा तो बोला — "ओह मेरे भगवान, यह तो मैजेस्टी की गाड़ी है। इसका क्या मतलब है।"

उसने दरवाजा खोला तो राजा के नौकर अन्दर आये। पिता ने पूछा — "तुम लोगों को मुझसे क्या चाहिये?"

"तुम्हारे कितनी बेटियाँ हैं?"

"दो।"

"दिखाओ।"

पिता ने अपनी दोनों बड़ी बेटियों को बुलाया तो राजा के नौकरों ने उनको बैठने के लिये कहा। उन्होंने उनमें से एक के पैर में वह जूता पहना कर देखा तो वह तो उसके पैर से दस गुना बड़ा था।

फिर उन्होंने दूसरी लड़की के पैर में उसको पहना कर देखा तो वह उसके लिये बहुत छोटा था।

उन्होंने उस आदमी से फिर पूछा — "क्या तुम्हारे और कोई बेटी नहीं है? ज़रा सोच समझ कर बोलना क्योंकि मैजेस्टी ऐसा चाहते हैं।"

इस पर वह आदमी बोला — "मेरे एक बेटी और है पर मैं उसको किसी को बताता नहीं हूँ क्योंकि वह हमेशा राख और कोयलों में लिपटी रहती है। अगर तुम उसे देखोगे तब जानोगे कि मैं उसे अपनी बेटी कहते में भी शरमाता हूँ।"

राजा के आदमियों ने कहा — "हम यहाँ उसकी सुन्दरता या उसके बढ़िया पहनावे के लिये नहीं आये हैं। हम तो उस लड़की को केवल यह जूता पहना कर देखना चाहते है।"

इस पर उसकी बहिनों ने उसको पुकारना शुरू किया — "सिन्डरैला। नीचे आ।" पर उसने कोई जवाब ही नहीं दिया।

कुछ देर बाद वह बोली — "क्या बात है?"

"तू नीचे आ। कुछ लोग तुझसे मिलने आये हैं।"

"मुझे नहीं आना।"

"पर तू आ तो सही।"

"ठीक है मैं आती हूँ। उनको कहो कि मैं अभी आती हूँ।"

वह अपनी छोटी चिड़िया के पास गयी और उससे बोली — "ओ मेरी छोटी चिड़िया वरडैलियो, मुझे बहुत सुन्दर बना दो।"

चिड़िया ने उसको पिछली शाम की तरह से सजा दिया – सूरज चॉद और सितारों के साथ। इसके साथ ही उसने उसके चारों तरफ सोने की जंजीरें भी लगा दीं।

यह कर के चिड़िया बोली — "सिन्डरैला, मुझे भी अपने साथ ले चलो। मुझे अपनी गोद में रख लो।"

सिन्डरैला ने उसको उठा कर अपनी छाती से लगा लिया और घर की सीढ़ियॉ उतरने लगी।

पिता ने राजा के आदमियों से कहा — "क्या तुमको कुछ सुनायी दे रहा है? देखो न वह अपने साथ चिमनी के कोने से जंजीरें घसीटती ला रही है। अब तुम सोच सकते हो कि वह कितनी डरावनी लग रही होगी।"

पर जब वह सीढ़ियों की आखिरी सीढ़ी पर आयी तब उसको सबने देखा कि वह कितनी सुन्दर लग रही थी। राजा के नौकरों ने उसको देखा तो उन्होंने उसको तुरन्त ही पहचान लिया कि यह तो वही लड़की थी जो राजा के महल में नाच में आयी थी।

तुम सोच सकते हो कि उसके पिता और उसकी बहिनों को कितनी शरमिन्दगी उठानी पड़ी होगी। उन लोगों ने उसको बिठाया और उसको वह जूता पहना कर देखा तो वह तो उसके पैर में बहुत अच्छी तरह से और आसानी से आ गया।

यह देख कर उन्होंने उसको शाही गाड़ी में बिठाया और राजा के पास ले गये।

राजकुमार ने भी उसको पहचान लिया कि यह वही लड़की थी जो उसके नाच में आयी थी। वह उसके सामने घुटनों पर बैठ गया और उससे पूछा — "मुझसे शादी करोगी?"

अब तुम बस यह केवल सोच ही सकते हो कि उसने हॉ कर दी होगी। उसने फिर अपने पिता और बहिनों को बुलाया और उसकी और राजा की शादी बड़ी धूमधाम से हुई।

जिन नौकरों ने यह पता लगाया था कि सिन्डरैला कहॉ रहती है उनकी इनाम के तौर पर महल में तरक्की कर दी गयी।

4 केटी वुडिनक्लोक[27]

सिन्डरैला जैसी यह कहानी यूरोप के नौर्स या नौरडिक या स्कैन्डिनेवियन देशों के नौर्वे देश की कहानी है। नौर्स देशों मे पॉच देश आते हैं – नौर्वे, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड और आइसलैंड जो यूरोप के सुदूर उत्तर में स्थित हैं।

एक बार नौर्वे देश में एक राजा रहता था जिसकी रानी मर गयी थी। उसकी इस रानी से एक बेटी थी। उसकी यह बेटी इतनी चतुर और प्यारी थी कि उसके जैसा चतुर और प्यारा दुनियॉ में और कोई नहीं था।

राजा अपनी पत्नी को बहुत प्यार करता था। वह उसके मरने का काफी दिन तक गम मनाता रहा पर फिर वह अकेले रहते रहते थक गया और उसने दूसरी शादी कर ली।

उसकी यह नयी रानी एक विधवा थी और इसके भी एक बेटी थी पर इसकी यह बेटी उतनी ही बुरी और बदसूरत थी जितनी राजा की अपनी बेटी प्यारी, दयावान और चतुर थी।

सौतेली मॉ और उसकी बेटी दोनों राजा की बेटी से बहुत जलती थीं क्योंकि वह बहुत ही प्यारी थी। जब तक राजा घर में

[27] Katie Woodencloak – a fairy tale from Norway, Europe.
Taken from the book : "Popular Tales from the Norse", by Peter Christen Asbjornsen and Jorgen Moe. Translated and edited by DL Ashliman. This story can be read in English at the Web Site : http://www.pitt.edu/~dash/type0510a.html#perrault

रहता था वे दोनों राजा की बेटी को कुछ भी नहीं कह सकती थीं क्योंकि राजा उसको बहुत प्यार करता था।

कुछ समय बाद उस राजा को किसी दूसरे राजा के साथ लड़ाई के लिये जाना पड़ा तो राजकुमारी की सौतेली मॉ ने सोचा कि यह मौका अच्छा है अब वह उस लड़की के साथ जैसा चाहे वैसा बरताव कर सकती है।

सो उन दोनों मॉ बेटी ने उस लड़की को भूखा रखना और पीटना शुरू कर दिया। वे दोनों जहॉ भी वह जाती सारे घर में उसके पीछे पड़ी रहतीं।

आखिर उसकी सौतेली मॉ ने सोचा कि यह सब तो उसके लिये कुछ ज़रा ज़्यादा ही अच्छा है सो उसके बाद उसने उसे जानवर चराने के लिये भेजना शुरू दिया।

अब वह बेचारी जानवर चराने के लिये जंगल और घास के मैदानों में चली जाती। जहॉ तक खाने का सवाल था कभी उसको कुछ थोड़ा सा खाना मिल जाता और कभी बिल्कुल नहीं। इससे वह बहुत ही दुबली होती चली गयी और हमेशा दुखी रहती और रोती रहती।

उसके जानवरों में कत्थई रंग का एक बैल था जो हमेशा अपने आपको बहुत साफ और सुन्दर रखता था। वह अक्सर ही राजकुमारी के पास आ जाता था और जब राजकुमारी उसको थपथपाती तो वह उसको थपथपाने देता।

एक दिन वह दुखी बैठी हुई थी और सुबक रही थी कि वह बैल उसके पास आया और सीधे सीधे उससे पूछा कि वह इतनी दुखी क्यों थी और क्यों रो रही थी। लड़की ने कोई जवाब नहीं दिया और बस रोती ही रही।

बैल एक लम्बी सी साँस ले कर बोला — "आह, हालाँकि तुम मुझे बताओगी नहीं पर मैं सब जानता हूँ। तुम इसी लिये रोती रहती हो न क्योंकि रानी तुमको ठीक से नहीं रखती। वह तुमको भूखा मारना चाहती है।

पर देखो खाने के लिये तुमको कोई चिन्ता करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि मेरे बाँये कान में एक कपड़ा है। जब तुमको खाना खाने की इच्छा हो तो उस कपड़े को मेरे कान में से निकाल लो और घास पर फैला दो। बस तुमको जो खाना चाहिये वही मिल जायेगा।"

राजकुमारी को उस समय बहुत भूख लगी थी सो उसने उस बैल के बाँये कान में रखा कपड़ा निकाल लिया और उसे घास पर बिछा दिया। उसको उस कपड़े से खाने के लिये फिर बहुत सारी चीज़ें मिल गयीं। उस खाने में शराब भी थी, माँस भी था और केक भी थी।

अब जब भी उसको भूख लगती तो वह बैल के कान में से कपड़ा निकालती उसको घास पर बिछाती और जो उसको खाने की

इच्छा होती वह खाती। कुछ ही दिनों में उसके शरीर का मॉस और रंगत दोनों वापस आने लगीं।

जल्दी ही वह थोड़ी मोटी और गोरी गुलाबी रंग की हो गयी। यह देख कर उसकी सौतेली मॉ और उसकी बेटी गुस्से से लाल पीली होने लगीं। उस सौतेली मॉ की समझ में यही नहीं आया कि उसकी वह सौतेली बेटी जो इतनी बुरी हालत में थी अब ऐसी तन्दुरुस्त कैसे हो गयी।

उसने अपनी एक नौकरानी को बुलाया और उसको राजकुमारी के पीछे पीछे जंगल जाने के लिये कहा और कहा कि वह जा कर वहॉ देखे कि वहॉ सब ठीक चल रहा है या नहीं क्योंकि उसका ख्याल था कि घर का कोई नौकर राजकुमारी को खाना दे रहा होगा।

वह नौकरानी राजकुमारी के पीछे पीछे जंगल तक गयी। वहॉ जा कर उसने देखा कि किस तरह से उस सौतेली बेटी ने बैल के कान में से एक कपड़ा निकाला, उसे घास पर बिछाया और फिर किस तरह से उस कपड़े ने उस राजकुमारी को खाना दिया। सौतेली बेटी ने उसे खाया और वह खाना खा कर वह बहुत खुश हुई।

जो कुछ भी उस नौकरानी ने जंगल में देखा वह सब उसने जा कर रानी को बताया

उधर राजा भी लड़ाई से वापस आ गया था। क्योंकि वह दूसरे राजा को जीत कर आया था इसलिये सारे राज्य में खूब खुशियॉ

मनायी जा रही थीं। पर सबसे ज़्यादा खुश थी राजा की अपनी बेटी।

राजा के आते ही रानी ने बीमार पड़ने का बहाना किया और बिस्तर पर जा कर लेट गयी। उसने डाक्टर को यह कहने के लिये बहुत पैसे दिये कि "रानी तब तक ठीक नहीं हो सकती जब तक उसको कत्थई रंग के बैल का मॉस खाने को न मिल जाये।"

राजा और महल के नौकर आदि सबने डाक्टर से पूछा कि रानी की बीमारी की क्या कोई और दवा नहीं थी पर डाक्टर ने कहा "नहीं।" सबने उस कत्थई रंग के बैल की ज़िन्दगी के लिये प्रार्थना की क्योंकि वह बैल सभी को बहुत प्यारा था।

लोगों ने कोई दूसरा कत्थई बैल ढूँढने की कोशिश भी की पर सबने यह भी कहा कि उस बैल के जैसा और कोई बैल नहीं था। उसी बैल को मारा जाना चाहिये और किसी बैल के मॉस के बिना रानी ठीक नहीं हो सकती।

जब राजकुमारी ने यह सुना तो वह बहुत दुखी हुई और जानवरों के बाड़े में बैल के पास गयी। वहॉ भी वह बैल अपना सिर लटकाये हुए नीची नजर किये इस तरह दुखी खड़ा था कि राजकुमारी उसके ऊपर अपना सिर रख कर रोने लगी।

बैल ने पूछा — "तुम क्यों रो रही हो राजकुमारी?"

तब राजकुमारी ने उसे बताया कि राजा लड़ाई पर से वापस आ गया था और रानी बहाना बना कर बीमार पड़ गयी है। उसने

डाक्टर को यह कहने पर मजबूर कर दिया है कि रानी तब तक ठीक नहीं हो सकती जब तक उसको कत्थई रंग के बैल का मॉस खाने को नहीं मिलता। और अब उसको मार दिया जायेगा।

बैल बोला — "अगर वे लोग पहले मुझे मारेंगे तो जल्दी ही वे तुमको भी मार देंगे। तो अगर तुम मेरी बात मानो तो हम दोनों यहॉ से आज रात को ही भाग चलते हैं।"

राजकुमारी को यह अच्छा नहीं लगा कि वह अपने पिता को यहॉ अकेली छोड़ कर चली जाये पर रानी के साथ उसी घर में रहना तो उससे भी ज़्यादा खराब था। इसलिये उसने बैल से वायदा किया कि वह वहॉ से भाग जाने के लिये रात को उसके पास आयेगी।

रात को जब सब सोने चले गये तो राजकुमारी जानवरों के बाड़े में आयी। बैल ने उसको अपनी पीठ पर बिठाया और वहॉ से उसको ले कर बहुत तेज़ी से भाग चला।

अगले दिन सुबह सवेरे जब लोग उस बैल को मारने के लिये उठे तो उन्होंने देखा कि बैल तो जा चुका है। जब राजा उठा और उसने अपनी बेटी को बुलाया तो वह भी उसको कहीं नहीं मिली। वह भी जा चुकी थी।

राजा ने चारों तरफ अपने आदमी उन दोनों को ढूँढने के लिये भेजे। उनको उसने चर्च में भी भेजा पर दोनों का कहीं पता नहीं था। किसी ने भी उनको कहीं भी नहीं देखा था।

इस बीच वह बैल राजकुमारी को अपनी पीठ पर बिठाये बहुत सी जगहें पार कर एक ऐसे जंगल में आ पहुँचा था जहाँ हर चीज़ तॉबे[28] की थी – पेड़, शाखाऐं, पत्ते, फूल, हर चीज़।

पर इससे पहले कि वे इस जंगल में घुसते बैल ने राजकुमारी से कहा — "जब हम इस जंगल में घुस जायेंगे तो ध्यान रखना कि तुम इस जंगल की एक पत्ती भी नहीं तोड़ना। नहीं तो यह सब मेरे और तुम्हारे ऊपर भी आ जायेगा।

क्योंकि यहाँ एक ट्रौल[29] रहता है जिसके तीन सिर हैं और वही इस जंगल का मालिक भी है।"

"नहीं नहीं। भगवान मेरी रक्षा करे।" उसने कहा कि वह वहाँ से कुछ भी नहीं तोड़ेगी।

वे दोनों उस जॅगल में घुसे। राजकुमारी किसी भी चीज़ को छूने तक के लिये बहुत सावधान थी। वह जान गयी थी कि किसी भी शाख को छूने से कैसे बचना था। पर वह बहुत घना जंगल था और उसमें से हो कर जाना बहुत मुश्किल था।

बचते बचते भी उससे उस जंगल के एक पेड़ की एक पत्ती टूट ही गयी और वह उसने अपने हाथ में पकड़ ली।

---

[28] Translated for the word "Copper"

[29] Troll – a troll is a supernatural being in Norse mythology and Scandinavian folklore. In origin, troll may have been a negative being in Norse mythology. Beings described as trolls dwell in isolated rocks, mountains, or caves, live together in small family units, and are rarely helpful to human beings. See its sketch above.

बैल बोला — "अरे यह तुमने क्या किया। अब तो मेरे पास ज़िन्दगी और मौत के लिये लड़ने के अलावा और कोई चारा नहीं है। पर ध्यान रखना वह पत्ती तुम्हारे हाथ में सुरक्षित रहे उसे फेंकना नहीं।"

जल्दी ही वे जंगल के आखीर तक पहुँच गये और जैसे ही वे वहाँ पहुँचे कि एक तीन सिर वाला ट्रौल वहाँ आ गया।

उसने पूछा — "किसने मेरा जंगल छुआ?"

बैल बोला — "यह जंगल तो जितना तुम्हारा है उतना ही मेरा भी है।"

ट्रौल चीखा — "वह तो हम लड़ाई से तय करेंगे।"

बैल बोला — "जैसा तुम चाहो।"

सो दोनों एक दूसरे की तरफ दौड़ पड़े और एक दूसरे से गुँथ गये। ट्रौल बैल को खूब मार रहा था पर बैल भी अपनी पूरी ताकत से ट्रौल को मार रहा था।

यह लड़ाई सारा दिन चली। आखीर में बैल जीत गया। पर उसके शरीर पर बहुत सारे घाव थे और वह इतना थक गया था कि उससे तो उसकी एक टाँग भी नहीं उठ पा रही थी सो उन दोनों को वहाँ एक दिन के लिये आराम करने के लिये रुकना पड़ा।

बैल ने राजकुमारी से कहा कि वह ट्रौल की कमर की पेटी से लटका हुआ मरहम का एक सींग ले ले और वह मरहम उसके शरीर

पर मल दे। राजकुमारी ने ऐसा ही किया तब कहीं जा कर बैल कुछ ठीक हुआ। तीसरे दिन वे फिर अपनी यात्रा पर चल दिये।

वे फिर कई दिनों तक चलते रहे। कई दिनों की यात्रा के बाद वे एक चॉदी के जंगल में आये। यहॉ हर चीज़ चॉदी की थी – पेड़, शाखाऐं, पत्ते, फूल, हर चीज़।

पर इससे पहले कि वे इस जंगल में घुसते पहले की तरह से बैल ने इस बार भी राजकुमारी से कहा — "जब हम इस जंगल में घुस जायेंगे तो ध्यान रखना कि तुम इस जंगल की एक पत्ती भी नहीं नहीं तोड़ोगी नहीं तो यह सब मेरे और तुम्हारे ऊपर भी आ जायेगा।

क्योंकि यहॉ एक छह सिर वाला ट्रौल रहता है जो इस जंगल का मालिक है और मुझे नहीं लगता कि मैं उसको किसी भी तरह जीत पाऊॅगा।"

राजकुमारी बोली — "नहीं नहीं। मैं ख्याल रखूॅगी कि मैं यहॉ से कुछ न तोड़ूॅ और तुम भी मेरे लिये यह दुआ करते रहना कि यहॉ से मुझसे कुछ टूट न जाये।"

पर जब वे उस जंगल में घुसे तो वह इतना ज़्यादा घना था कि वे दोनों उसमें से बड़ी मुश्किल से जा पा रहे थे। राजकुमारी बहुत सावधान थी। वह वहॉ की कोई भी चीज़ छूने से पहले ही दूसरी तरफ को झुक जाती थी पर हर मिनट पर वहॉ के पेड़ों की शाखाऐं उसकी ऑखों के सामने आ जातीं।

बचते बचते भी ऐसा हुआ कि उससे एक पेड़ की एक पत्ती टूट ही गयी।

बैल फिर चिल्लाया — "उफ़। यह तुमने क्या किया राजकुमारी? अब हम अपनी ज़िन्दगी और मौत के लिये लड़ने के सिवा और कुछ नहीं कर सकते। पर ध्यान रहे इस पत्ती को भी खोना नहीं। सँभाल कर रखना।"

जैसे ही वह यह कह कर चुका कि वह छह सिर वाला ट्रौल वहाँ आ गया और उसने पूछा — "वह कौन है जिसने मेरा यह जंगल छुआ?"

बैल ने फिर वही जवाब दिया — "यह जंगल जितना तुम्हारा है उतना ही मेरा भी है।"

ट्रौल बोला — "यह तो हम लड़ कर देखेंगे।"

बैल ने फिर वही जवाब दिया — "जैसे तुम्हारी मरजी।"

कह कर वे दोनों एक दूसरे की तरफ दौड़ पड़े। बैल ने ट्रौल की आँखें निकाल लीं और उसके सींग उसके शरीर में घुसा दिये। इससे उसके शरीर में से उसकी आँतें निकल कर बाहर आ गयीं।

पर वह ट्रौल क्योंकि उस बैल के मुकाबले का था सो बैल को उस ट्रौल को मारने में तीन दिन लग गये सो वे तीन दिन तक लड़ते ही रहे।

पर इस ट्रौल को मारने के बाद बैल भी इतना कमजोर हो गया और थक गया कि वह हिल भी नहीं सका। उसके घाव भी ऐसे थे कि उनसे खून की धार बह रही थी।

इस ट्रौल की कमर की पेटी से भी एक मरहम वाला सींग लटक रहा था सो बैल ने राजकुमारी से कहा कि वह उस ट्रौल की कमर से वह सींग निकाल ले और उसका मरहम उसके घावों पर लगा दे।

राजकुमारी ने वैसा ही किया तब जा कर वह कुछ ठीक हुआ। इस बार बैल को ठीक होने में एक हफ्ता लग गया तभी वे आगे बढ़ सके।

आखिर वे आगे चले पर बैल अभी भी बिल्कुल ठीक नहीं था सो वह बहुत धीरे चल रहा था।

राजकुमारी को लगा कि बैल को चलने में समय ज़्यादा लग रहा था सो समय बचाने के लिये उसने बैल से कहा कि क्योंकि वह छोटी थी और उसके अन्दर ज़्यादा ताकत थी वह जल्दी चल सकती थी वह उसको पैदल चलने की इजाज़त दे दे पर बैल ने उसको इस बात की इजाज़त नहीं दी। उसने कहा कि उसको अभी उसकी पीठ पर बैठ कर ही चलना चाहिये।

इस तरह से वे काफी दिनों तक चलते हुए बहुत जगह होते हुए फिर एक जंगल में आ पहुँचे। यह जंगल सारा सोने का था। उस जंगल के हर पेड़, शाख, डंडी, फूल, पत्ते सभी कुछ सोने के थे।

इस जंगल में भी वही हुआ जो तॉबे और चॉदी के जंगलों में हुआ था।

बैल ने राजकुमारी से कहा कि वह उस जंगल में से भी कुछ न तोड़े क्योंकि इस जंगल का राजा एक नौ सिर वाला ट्रौल था और यह ट्रौल पिछले दोनों ट्रौल को मिला कर उनसे भी ज़्यादा बड़ा और ताकतवर था। बैल तो इसको किसी हालत में भी नहीं जीत सकता था।

बैल जानता था कि राजकुमारी इस बात का पूरा ध्यान रखेगी कि वह उस जंगल की कोई चीज़ न तोड़े पर फिर भी वही हुआ। जब वे जंगल में घुसे तो यह जंगल तॉबे और चॉदी के जंगलों से भी कहीं ज़्यादा घना था।

इसके अलावा वे लोग जितना उस जंगल के अन्दर चलते जाते थे वह जंगल और ज़्यादा घना होता जाता था। आखिर वह इतना ज़्यादा घना हो गया कि राजकुमारी को लगा कि अब वह उस जंगल में से बिना किसी चीज़ को छुए निकल ही नहीं सकती।

उसको पल पल पर यही लग रहा था कि किसी भी समय पर उससे वहॉ कोई भी चीज़ टूट जायेगी।

इस डर से वह कभी बैठ जाती, कभी अपने आपको किसी तरफ झुका लेती, कभी मुड़ जाती पर फिर भी उन पेड़ों की शाखाऐं हर पल उसकी ऑखों के सामने आ रही थीं।

इसका नतीजा यह हुआ कि उसको पता ही नहीं चला कि वह उन सोने की शाखाओं, फूलों, पत्तों से बचने के लिये क्या कर रही है। और इससे पहले कि उसको यह पता चलता कि क्या हुआ उसके हाथ में सोने का एक सेब आ गया।

उसको देख कर तो उसको इस बात का इतना ज़्यादा दुख हुआ कि वह बहुत ज़ोर से रो पड़ी और उसको फेंकना चाहती थी कि बैल बीच में ही बोल पड़ा — "अरे इसको फेंकना नहीं। इसे सँभाल कर रख लो और इसका ध्यान रखना।" पर राजकुमारी का तो रोना ही नहीं रुक रहा था।

बैल ने उसको जितनी भी तसल्ली वह दे सकता था दी पर उसको लग रहा था कि अबकी बार उस बैल को केवल उसकी वजह से बहुत भारी मुश्किल का सामना करना पड़ेगा और उसको यह भी शक था कि यह सब कैसे होगा क्योंकि इस जंगल का मालिक ट्रौल बहुत बड़ा और ताकतवर था।

तभी उस जंगल का मालिक वह नौ सिर वाला ट्रौल वहाँ आ गया। वह इतना बदसूरत था कि राजकुमारी तो उसकी तरफ देखने की भी हिम्मत नहीं कर सकी।

वहाँ आ कर वह गरजा — "यह किसने मेरा जंगल छुआ?"

बैल ने फिर वही जवाब दिया — "यह जंगल जितना तुम्हारा है उतना ही मेरा भी है।"

ट्रौल बोला — "यह तो हम लड़ कर देखेंगे।"

बैल ने फिर वही जवाब दिया — "जैसे तुम्हारी मरजी।"

कह कर वे दोनों एक दूसरे की तरफ दौड़ पड़े। बहुत ही भयानक दृश्य था। राजकुमारी तो उसको देख कर ही बेहोश होते होते बची।

इस बार भी बैल ने ट्रौल की ऑखें निकाल लीं और उसके सींग उसके पेट में घुसा दिये जिससे उसकी ऑतें उसके पेट से बाहर निकल आयीं। फिर भी ट्रौल बहुत बहादुरी से लड़ता रहा।

जब बैल ने ट्रौल का एक सिर मार दिया तो उसके दूसरे सिरों से उस मरे हुए सिर को ज़िन्दगी मिलने लगी। इस तरह वह लड़ाई एक हफ्ता चली क्योंकि जब भी बैल उस ट्रौल के एक सिर को मारता तो उसके दूसरे सिर उसके मरे हुए सिर को जिला देते थे।

उसके सारे सिरों को मारने में उस बैल को पूरा एक हफ्ता लग गया तभी वह उस ट्रौल को मार सका।

अबकी बार तो बैल इतना घायल हो गया था और इतना थक गया था कि वह अपना पैर भी नहीं हिला सका। वह तो राजकुमारी से इतना भी नहीं कह सका कि वह ट्रौल की कमर की पेटी में लगे मरहम के सींग में से मरहम निकाल कर उसके घावों पर लगा दे।

पर राजकुमारी को तो यह मालूम था सो उसने ट्रौल की कमर की पेटी से मरहम का सींग निकाला और उसमें से मरहम निकाल कर

बैल के घावों पर लगा दिया। इससे बैल के घावों को काफी आराम मिला और वह धीरे धीरे ठीक होने लगा।

इस बार बैल को आगे जाने के लिये तीन हफ्ते तक आराम करना पड़ा। इतने आराम के बाद भी बैल केवल घोंघे[30] की चाल से ही चल पा रहा था।

बैल ने राजकुमारी को बताया कि इस बार उनको काफी दूर जाना है। उन्होंने कई ऊँची ऊँची पहाड़ियाँ पार कीं, कई घने जंगल पार किये और फिर एक मैदान में आ निकले।

बैल ने राजकुमारी से पूछा — "क्या तुमको यहाँ कुछ दिखायी दे रहा है?"

राजकुमारी ने जवाब दिया — "नहीं, मुझे तो यहाँ कुछ दिखायी नहीं दे रहा सिवाय आसमान के और जंगली मैदान के।"

वे कुछ और आगे बढ़े तो वह मैदान कुछ और एकसार हो गया और वे कुछ और आगे का देख पाने के लायक हो गये।

बैल ने फिर पूछा — "क्या तुमको अब कुछ दिखायी दे रहा है?"

राजकुमारी बोली — "हाँ अब मुझे दूर एक छोटा सा किला दिखायी दे रहा है।"

[30] Translated for the word "Snail". See its picture above. Snail and Tortoise are famous for their slowest speed.

बैल बोला — "अब वह छोटा किला इतना छोटा भी नहीं है राजकुमारी जी।"

काफी देर तक चलने के बाद वे एक पत्थरों के ढेर के पास आये जहॉ लोहे का एक खम्भा सड़क के आर पार पड़ा हुआ था।

बैल ने फिर पूछा — "क्या तुमको अब कुछ दिखायी दे रहा है?"

राजकुमारी बोली — "हॉ अब मुझे किला साफ साफ दिखायी दे रहा है और अब वह बहुत बड़ा भी है।"

बैल बोला — "तुमको वहॉ जाना है और तुमको वहीं रहना है। किले के ठीक नीचे एक जगह है जहॉ सूअर रहते हैं तुम वहॉ चली जाना।

वहॉ पहुँचने पर तुमको लकड़ी का एक क्लोक[31] मिलेगा जो लकड़ी के पतले तख्तों से बना हुआ होगा। तुम उसको पहन लेना। उस क्लोक को पहन कर तुम उस किले में जाना और अपना नाम केटी वुडिनक्लोक[32] बताना और उनसे अपने रहने के लिये जगह मॉगना।

पर इससे पहले कि तुम वहॉ जाओ तुम अपना छोटा वाला चाकू लो और मेरा गला काट दो। फिर मेरी खाल निकाल कर लपेट कर पास की एक चट्टान के नीचे छिपा दो।

---

[31] Cloak – a loose wrapping worn on a dress to cover oneself or to keep one warm. See its picture above.

[32] Katie Woodencloak

उस खाल के नीचे वह तॉबे और चॉदी की दोनों पत्तियॉ और सोने का सेब रख देना। और फिर उस चट्टान के सहारे एक डंडी खड़ी कर देना।

उसके बाद जब भी तुम कोई चीज़ चाहो तो उस चट्टान की दीवार पर वह डंडी मार देना। तुमको वह चीज़ मिल जायेगी।"

पहले तो राजकुमारी ऐसा कुछ भी करने को तैयार नहीं हुई पर जब बैल ने उससे कहा कि उसने जो कुछ भी राजकुमारी के लिये किया उस सबको करने के लिये धन्यवाद देने का यही एक तरीका था तो राजकुमारी के पास यह करने के अलावा और कोई चारा न रहा।

उसने अपना छोटा वाला चाकू निकाला और उससे उस बैल का गला काट दिया। फिर उसने बैल की खाल निकाल कर लपेट कर पास में पड़ी एक चट्टान के नीचे रख दी।

खाल के नीचे उसने वे तॉबे और चॉदी की दोनों पत्तियॉ और सोने का सेब रख दिया। और उसके बाद में उसने उस चट्टान के सहारे एक डंडी खड़ी कर दी।

वहॉ से वह किले के नीचे सूअरों के रहने की जगह गयी जहॉ उसको वह लकड़ी के पतले तख्तों से बना हुआ क्लोक मिल गया। उसने उस क्लोक को पहना और ऊपर किले में आयी। यह सब करते हुए वह बैल को याद कर कर के रोती और सुबकती रही।

फिर वह सीधी शाही रसोईघर में गयी और वहॉ जा कर उसने अपना नाम केटी वुडिनक्लोक बताया और रहने के लिये जगह मॉगी।

रसोइया बोला कि हॉ उसको वहॉ रहने की जगह मिल सकती थी। रसोईघर के पीछे वाले छोटे कमरे में वह रह सकती थी और उसके बरतन धो सकती थी क्योंकि उसकी बरतन धोने वाली अभी अभी काम छोड़ कर चली गयी थी।

रसोइया बोला — "पर जैसे ही तुम यहॉ रहते रहते थक जाओगी तो तुम यहॉ से चली जाओगी।"

राजकुमारी बोली — "नहीं, मैं ऐसा नहीं करूॅगी।"

और वह वहॉ रहने लगी। वह बहुत अच्छे से रहती और बरतन भी बहुत ही आसानी से साफ करती रहती।

रविवार के बाद वहॉ कुछ अजीब से मेहमान आये तो केटी ने रसोइये से पूछा कि क्या वह राजकुमार के नहाने का पानी ऊपर ले जा सकती थी।

यह सुन कर वहॉ खड़े सब लोग हॅस पड़े और बोले — "पर तुम वहॉ क्या करोगी? तुम्हें क्या लगता है कि क्या राजकुमार तुम्हारी तरफ देखेगा भी? तुम तो बहुत ही डरावनी दिखायी देती हो।"

पर उसने अपनी कोशिश नहीं छोड़ी और उनसे प्रार्थना करती रही और बार बार राजकुमार के लिये नहाने का पानी ले जाने के

लिये कहती रही। आखिर उसको वहॉ उसके नहाने का पानी ले जाने की इजाज़त मिल ही गयी।

जब वह ऊपर गयी तो उसके लकड़ी के क्लोक ने आवाज की तो राजकुमार अन्दर से निकल कर आया और उससे पूछा — "तुम कौन हो?"

राजकुमारी बोली — "मैं राजकुमार के लिये नहाने का पानी ले कर आ रही थी।"

"तुम क्या समझती हो कि इस समय तुम्हारे लाये पानी से मैं कुछ करूॅगा?" और यह कर उसने वह पानी राजकुमारी के ऊपर ही फेंक दिया।

वह वहॉ से चली आयी और फिर उसने रसोइये से चर्च जाने की इजाज़त मॉगी। चर्च पास में ही था सो उसको वह इजाज़त भी मिल गयी।

पर सबसे पहले वह उस चट्टान के पास गयी और जैसा कि बैल ने उससे कहा था उसने डंडी से चट्टान को मारा। तुरन्त ही उसमें से एक आदमी निकला और उसने पूछा — "तुम्हारी क्या इच्छा है?"

राजकुमारी बोली कि उसने चर्च जाने की और पादरी का भाषण सुनने के लिये छुट्टी ले रखी है पर उसके पास चर्च जाने लायक कपड़े नहीं हैं।

उस आदमी ने एक गाउन निकाला जो तॉबे जैसा चमकदार था। उसने उसको वह दिया और उसके साथ ही उसको एक घोड़ा

भी दिया जिस पर उस घोड़े का साज भी सजा था। वह साज भी तॉबे के रंग का था और खूब चमक रहा था।

उसने तुरन्त अपना वह गाउन पहना और घोड़े पर चढ़ कर चर्च चल दी। जब वह चर्च पहुॅची तो वह बहुत ही प्यारी और शानदार लग रही थी।

सब लोग उसको देख कर सोच रहे थे कि यह कौन है। उन सबमें से शायद ही कोई ऐसा होगा जिसने उस दिन पादरी का भाषण सुना होगा क्योंकि वे सब उसी को देखते रहे।

वहॉ राजकुमार भी आया था। वह तो उसके प्यार में बिल्कुल पागल सा ही हो गया था। उसकी तो उस लड़की के ऊपर से ऑख ही नहीं हट रही थी।

जैसे ही राजकुमारी चर्च से बाहर निकली तो राजकुमार उसके पीछे भागा। राजकुमारी तो दरवाजे से बाहर चली गयी पर उसका एक दस्ताना दरवाजे में अटक गया। राजकुमार ने उसका वह दस्ताना वहॉ से निकाल लिया। जब वह घोड़े पर चढ़ गयी तो राजकुमार फिर उसके पास गया और उससे पूछा कि वह कहॉ से आयी थी तो केटी बोली — "मैं बाथ[33] से आयी हूॅ।"

और जब राजकुमार ने उसको देने के लिये उसका दस्ताना निकाला तो वह बोली —

[33] Bath is a place in England, but here she meant "bath" because she took water for the Prince to take bath so she told him that she had come from "bath".

रोशनी आगे और अँधेरा पीछे, बादल आओ हवा पर
ताकि यह राजकुमार कभी न देख सके जहाँ मेरा यह अच्छा घोड़ा मेरे साथ जाये

राजकुमार ने वैसा दस्ताना पहले कभी नहीं देखा था। वह उस शानदार लड़की को ढूँढने के लिये चारों तरफ घूमा जो बिना दस्ताने पहने ही वहाँ से घोड़े पर चढ़ कर चली गयी थी। उसने उसे बताया भी था कि वह बाथ से आयी थी पर वहाँ यह कोई नहीं बता सका कि बाथ कहाँ है।

अगले रविवार को किसी को राजकुमार के लिये उसका तौलिया ले कर जाना था। तो केटी ने फिर कहा — "क्या मैं राजकुमार का तौलिया ले कर जा सकती हूँ?"

दूसरे लोग बोले — "तुम्हारे जाने से क्या होगा। तुमको तो पता ही है कि पिछली बार तुम्हारे साथ क्या हुआ था।"

फिर भी केटी ने अपनी कोशिश नहीं छोड़ी और उसको राजकुमार का तौलिया ले जाने की इजाज़त मिल गयी। बस वह तौलिया ले कर सीढ़ियों से ऊपर भाग गयी।

इस भागने से उसके लकड़ी के पतले तख्ते के बने क्लोक ने फिर से आवाज की तो राजकुमार फिर से अन्दर से निकल कर आया और जब उसने देखा कि वह तो केटी थी तो उसने उसके हाथ से उस तौलिये को ले कर फाड़ दिया और उसके मुँह पर फेंक दिया।

वह बोला — "तुम यहॉ से चली जाओ ओ बदसूरत ट्रौल। तुम क्या सोचती हो कि मैं वह तौलिया इस्तेमाल करूॅगा जिसको तुम्हारी गन्दी उॅगलियों ने छू लिया हो?" और उसके बाद वह चर्च चला गया।

जब राजकुमार चर्च चला गया तो केटी ने भी चर्च जाने की छुट्टी मॉगी। पर सबने उससे पूछा कि वह चर्च में क्या करने जाना चाहती थी।

उसके पास तो चर्च में पहनने के लिये उस लकड़ी के क्लोक के अलावा और कुछ था ही नहीं। और वह क्लोक भी बहुत ही भद्दा और काला था।

पर केटी बोली कि चर्च का पादरी बहुत ही अच्छा भाषण देता है। और जो कुछ भी उसने पिछले हफ्ते कहा था उसने केटी का काफी भला किया था। इस बात पर उसको चर्च जाने की छुट्टी मिल गयी।

वह फिर से दौड़ी हुई उसी चट्टान के पास गयी और जा कर उसके पास रखी डंडी से उसे मारा। उस चट्टान में से फिर वही आदमी निकला और अबकी बार उसने उसको पिछले गाउन से भी कहीं ज़्यादा अच्छा गाउन दिया।

वह सारा गाउन चॉदी के काम से ढका हुआ था और चॉदी की तरह से ही चमक रहा था। साथ में एक बहुत बढ़िया घोड़ा भी दिया

जिसके साज पर चॉदी का काम था। और उसको चॉदी का एक टुकड़ा भी दिया।

उस सबको पहन कर जब वह राजकुमारी चर्च पहुॅची तो बहुत सारे लोग चर्च के ऑगन में ही खड़े हुए थे। उसको आते देख कर सब फिर सोचने लगे कि यह लड़की कौन हो सकती है।

राजकुमार तो तुरन्त ही वहॉ आ गया कि जब वह उस घोड़े पर से उतरेगी तो वह उसका घोड़ा पकड़ेगा। पर वह तो उस पर से कूद गयी और बोली कि उसका घोड़ा पकड़ने की उसको कोई जरूरत नहीं है क्योंकि उसका घोड़ा बहुत सधा हुआ था।

वह घोड़ा वहीं खड़ा रहा जहॉ वह उसको छोड़ कर गयी थी। जब वह वहॉ वापस आयी और जब उसने उसे बुलाया तो वह उसके पास आ गया।

सब लोग चर्च के अन्दर चले गये पर पिछली बार की तरह से शायद ही कोई आदमी होगा जिसने उस दिन भी उस पादरी का भाषण सुना होगा क्योंकि उस दिन भी वे सब उसी की तरफ देखते रहे। और राजकुमार तो उससे पहले से भी ज़्यादा प्यार करने लगा था।

जब पादरी का भाषण खत्म हो गया तो वह चर्च से बाहर चली गयी। वह अपने घोड़े पर बैठने ही वाली थी कि राजकुमार फिर वहॉ आया और उससे पूछा कि वह कहॉ से आयी है।

इस बार उसने जवाब दिया — "मैं टौविललैंड[34] से आयी हूँ।" यह कह कर उसने अपना कोड़ा गिरा दिया। यह देख कर राजकुमार उसको उठाने के लिये झुका तो इस बीच राजकुमारी ने कहा —

रोशनी आगे और अँधेरा पीछे, बादल आओ हवा पर
ताकि यह राजकुमार कभी न देख सके जहाँ मेरा यह अच्छा घोड़ा मेरे साथ जाये

और वह वहाँ से भाग गयी। राजकुमार यह भी न बता सका कि उसका हुआ क्या। वह फिर से यह जानने के लिये चारों तरफ घूमा फिरा कि टौविललैंड कहाँ है पर कोई उसको यह नहीं बता सका कि वह जगह कहाँ है। इसलिये अब राजकुमार को केवल उसी से काम चलाना था जो उसके पास था।

अगले रविवार को किसी को राजकुमार को कंघा देने के लिये जाना था। केटी ने फिर कहा कि क्या वह राजकुमार को कंघा देने जा सकती है। पर दूसरे लोगों ने फिर से उसका मजाक बनाया और कहा कि उसको पिछले दो रविवारों की घटनाऐं तो याद होंगी ही।

और साथ में उसको डाँटा कि वह किस तरह अपने उस भद्दे काले लकड़ी के क्लोक में राजकुमार के सामने जाने की हिम्मत करती है। पर वह फिर उन लोगों के पीछे पड़ी रही जब तक कि उन लोगों ने उसको हाँ नहीं कर दी।

[34] Towelland – she said this because the same morning she took the towel to him.

वह फिर से कंघा ले कर ऊपर दौड़ी गयी। उसके लकड़ी के क्लोक की आवाज सुन कर राजकुमार फिर बाहर निकल कर आया और केटी को फिर से वहॉ देख कर उसने उससे कंघा छीन कर उसके मुँह पर मारा और बिना कुछ कहे सुने वहॉ से चर्च चला गया।

जब राजकुमार चर्च चला गया तो केटी ने भी चर्च जाने की इजाज़त मॉगी। उन लोगों ने उससे फिर पूछा कि वहॉ उसका काम ही क्या था – उसमें से बदबू आती थी, वह काली थी, उसके पास वहॉ पहनने के लिये ठीक से कपड़े भी नहीं थे। हो सकता है कि राजकुमार या कोई और उसको वहॉ देख ले तो उसकी वहॉ बदनामी होगी।

पर केटी बोली कि लोगों के पास उसकी तरफ देखने की फुरसत ही कहॉ थी उनके पास तो और बहुत सारे काम थे। और वह उनसे चर्च जाने की इजाज़त मॉगती ही रही। आखिर उन्होंने उसको वहॉ जाने की इजाज़त फिर से दे दी।

इस बार भी वही हुआ जो दो बार पहले हो चुका था। वह फिर से दौड़ी हुई उसी चट्टान के पास गयी और जा कर उसके पास रखी डंडी से उसे मारा। उस चट्टान में से फिर वही आदमी निकला और अबकी बार उसने उसको पिछले दोनों गाउन से भी ज़्यादा अच्छा गाउन दिया।

इस बार वह सारा गाउन सुनहरी था और उसमें हीरे जड़े हुए थे। साथ में एक बहुत बढ़िया घोड़ा भी दिया जिसके साज पर सोने का काम था। उसने उसको एक सोने का टुकड़ा भी दिया।

जब राजकुमारी चर्च पहुँची तो वहाँ के आँगन में पादरी और चर्च में आये सारे लोग उसके इन्तजार में खड़े थे।

राजकुमार वहाँ भागता हुआ आया और उसने उसका घोड़ा पकड़ना चाहा पर राजकुमारी पहले की तरह ही उस पर से कूद कर उतर गयी और बोली — "मेरे घोड़े को पकड़ने की जरूरत नहीं है। वह बहुत सधा हुआ है जहाँ मैं इसको खड़े होने को कहती हूँ यह वहीं खड़ा रहता है।"

फिर सब चर्च के अन्दर चले गये। पादरी भी अपनी जगह चला गया। उस दिन भी किसी ने उसके भाषण का एक शब्द भी नहीं सुना क्योंकि पहले की तरह से सभी लोग केवल उसी लड़की को देखते रहे और सोचते रहे कि वह कहाँ से आती है और कहाँ चली जाती है।

और राजकुमार तो उसको पहले से भी ज़्यादा प्यार करने लगा। उसकी तो कोई इन्द्रिय काम ही नहीं कर रही थी वह तो बस उसको घूरे ही जा रहा था।

जब पादरी का भाषण खत्म हुआ तो राजकुमारी चर्च से बाहर निकली। अबकी बार राजकुमार ने चर्च के बाहर कुछ चिपकने वाली चीज़ डाल दी ताकि वह उसको वहाँ से जाने से रोक सके।

पर राजकुमारी ने उसकी कोई चिन्ता नहीं की और उसने अपना पैर उस चिपकने वाली चीज़ के ठीक बीच में रख दिया और उसके उस पार कूद गयी। पर इस कूदने में उसका एक सुनहरी जूता उस जगह पर चिपक गया।

जैसे ही वह अपने घोड़े पर चढ़ी राजकुमार चर्च में से बाहर आ कर उसके पास आया और उससे पूछा कि वह कहॉ से आयी है। इस बार वह बोली मैं कौम्बलैंड[35] से आयी हूँ।

इस पर राजकुमार उसको उसका सुनहरा जूता देना चाहता था कि राजकुमारी बोली —

रोशनी आगे और अँधेरा पीछे, बादल आओ हवा पर
ताकि यह राजकुमार कभी न देख सके जहॉ मेरा यह अच्छा घोड़ा मेरे साथ जाये

और वह तो राजकुमार की ऑखों के सामने सामने गायब हो गयी और राजकुमार उसे ढूँढता रहा पर कोई उसको कोई यह न बता सका कि कौम्बलैंड कहॉ है।

फिर उसने दूसरी तरकीब इस्तेमाल की। उसके पास उसका एक सुनहरी जूता रह गया था सो उसने सब जगह यह घोषणा करवा दी कि वह उसी लड़की से शादी करेगा जिसके पैर में यह सुनहरी जूता आ जायेगा।

[35] Combland – by saying this she meant that since she went to him to give a comb that is why she came from the Combland.

बहुत सारी लड़कियॉ बहुत सारी जगहों से उस जूते को पहनने के लिये वहॉ आयीं पर किसी का पैर इतना छोटा नहीं था जिसके पैर में वह जूता आ जाता।

काफी दिनों बाद सोचो ज़रा कौन आया? केटी की सौतेली बहिन और सौतेली मॉ। आश्चर्य उस लड़की के पैर में वह जूता आ गया। पर वह तो बहुत ही बदसूरत थी।

पर राजकुमार ने अपनी इच्छा के खिलाफ अपना वायदा रखा। उसने शादी की दावत रखी और वह सौतेली बहिन दुलहिन की तरह सज कर चर्च चली तो चर्च के पास वाले एक पेड़ पर बैठी एक चिड़िया ने गाया —

उसकी एड़ी एक टुकड़ा और उसकी उॅगलियों का एक टुकड़ा
केटी वुडिनक्लोक का छोटा जूता खून से भरा है, मैं बस इतना जानती हूॅ

यह सुन कर उस लड़की का जूता देखा गया तो उनको पता चला कि वह चिड़िया तो सच ही बोल ही रही थी। जूता निकालते ही उसमें से खून की धार निकल पड़ी।

फिर महल में जितनी भी नौकरानियॉ और लड़कियॉ थीं सभी वहॉ जूता पहन कर देखने के लिये आयीं पर वह जूता किसी के पैर में भी नहीं आया।

जब उस जूते को सबने पहन कर देख लिया तो राजकुमार ने पूछा — "पर वह केटी वुडिनक्लोक कहॉ है?" क्योंकि राजकुमार ने

चिड़िया के गाने को ठीक से समझ लिया था कि वह क्या गा रही थी।

वहॉ खड़े लोगों ने कहा — "अरे वह? उसका यहॉ आना ठीक नहीं है।"

"क्यों?"

"उसकी टॉगें तो घोड़े की टॉगों के जैसी हैं।"

राजकुमार बोला — "आप लोग सच कहते हैं। मुझे मालूम है पर जब सबने यहॉ इस जूते को पहन कर देखा है तो उसको भी इसे पहन कर देखना चाहिये।"

उसने दरवाजे के बाहर झॉक कर आवाज लगायी — "केटी।" और केटी धम धम करती हुई ऊपर आयी। उसका लकड़ी का क्लोक ऐसे शोर मचा रहा था जैसे किसी फौज के घुड़सवार चले आ रहे हों।

वहॉ खड़ी दूसरी नौकरानियों ने उससे हॅस कर उसका मजाक बनाते हुए कहा — "जाओ जाओ। तुम भी वह जूता पहन कर देखो और तुम भी राजकुमारी बन जाओ।"

केटी वहॉ गयी और उसने वह जूता ऐसे पहन लिया जैसे कोई खास बात ही न हो और अपना लकड़ी का क्लोक उतार कर फेंक दिया।

लकड़ी का क्लोक उतारते ही वह वहॉ अपने सुनहरे गाउन में खड़ी थी। उसमें से सुनहरी रोशनी ऐसे निकल रही थी जैसे सूरज

की किरनें फूट रही हों। और लो, उसके दूसरे पैर में भी वैसा ही सुनहरा जूता आ गया।

अब राजकुमार उसको पहचान गया कि यह तो वही चर्च वाली लड़की थी। वह तो इतना खुश हुआ कि वह उसकी तरफ दौड़ गया और उसके गले में बॉहें डाल दीं।

तब राजकुमारी ने उसको बताया कि वह भी एक राजा की बेटी थी। दोनों की शादी हो गयी और फिर एक बहुत बड़ी शादी की दावत का इन्तजाम हुआ।

5 नौरोवे का काला बैल[36]

एक बार की बात है कि नौरोवे[37] में एक स्त्री रहती थी जिसके तीन बेटियॉ थीं। एक बार वे अपनी किस्मत जानने के लिये एक बुढ़िया के पास गयीं जो एक जंगल में रहती थी।

जब वे वहॉ पहुँची तो उसने उनसे एक पेड़ से एक एक सेब तोड़ने के लिये कहा और कहा कि वह उसको ले कर उसकी रसोई घर में आयें। सो तीनों लड़कियों ने एक एक सेब तोड़ा और उसको ले कर वे उस बुढ़िया के रसोईघर में गयीं।

उसने तीनों लड़कियों से कहा कि उनको अपना सेब ऐसे छीलना चाहिये कि उसका छिलका न टूटे। जब वह ऐसा कर लें तो उस छिलके को उन्हें अपने दाहिने हाथ से अपने बॉये कन्धे के पीछे फेंक देना चाहिये।

जब उन्होंने उसे वैसे ही फेंक दिया जैसे उसने उनसे फेंकने के लिये कहा था तो उनके उसको फेंकने के बाद उसने देखा कि वह किस ढंग से पड़ा है और सबसे बड़ी लड़की को उसने बताया कि उसकी शादी एक अर्ल से होगी।

---

[36] The Black Bull of Norroway – a fairy tale from Norway, Europe. Adapted from the Web Site : http://www.365cinderellas.com/2011/05/
Taken from the book *English Fairy Tales,* Retold by AF Steele. London: McMillan & Co. 1918.

[37] Norroway means “Norway”. Norway is one of the five Norse, or Nordic or Sandinavian countries situated in far Northern part of Europe.

जब दूसरी लड़की ने अपने सेब का छिलका इस तरीके से फेंका तो उसने उसको बताया कि उसकी शादी एक लौर्ड[38] से होगी।

पर जब तीसरी लड़की ने अपने सेब का छिलका इस तरीके से फेंका तो उसने उसको बताया कि उसकी शादी एक काले बैल से होगी।

अब दोनों बड़ी लड़कियॉ तो अपनी किस्मत जान कर बहुत खुश थीं पर सबसे छोटी बहिन ने हॅसते हुए कहा कि "कोई बात नहीं मैं काले बैल से ही सन्तुष्ट रहूॅगी।"

जब उसकी बहिनों ने उससे कहा कि यह मजाक की बात नहीं थी और उसको इसे हॅसी में नहीं लेना चाहिये कहीं ऐसा न हो कि उस बुढ़िया का कहा सच हो जाये तो उसने जवाब दिया कि वैसे भी वह शादी नहीं करना चाहती थी। एक काले बैल की बजाय वह घर पर रहना ज़्यादा पसन्द करेगी।

इस बात को एक साल गुजर गया। सबसे बड़ी लड़की की शादी एक अर्ल से हो गयी और बीच वाली लड़की की शादी एक लौर्ड से हो गयी।

तीसरी सबसे छोटी लड़की एक दिन एक काले बैल को अपने घर के दरवाजे पर खड़ा देख कर आश्चर्य में पड़ गयी। उसको देखते ही लड़की डर गयी पर फिर उसने देखा कि बैल तो बड़ा शान्त और नम्र था।

[38] Earl and Lord are honorable statuses in European royal families.

अब इस लड़की को अपना वायदा तो निभाना ही था सो उसने अपनी मॉ को नमस्ते की और उस काले बैल पर चढ़ कर उसके साथ चल दी।

यह बैल उसको बहुत ही आसान रास्ते से ले जा रहा था। वह ऊबड़ खाबड़ रास्तों को बचा बचा कर चल रहा था ताकि उसकी होने वाली पत्नी को कोई तकलीफ न पहुँचे।

वे लोग बहुत देर तक चलते रहे कि लड़की ने कहा कि उसको भूख लगी है और अब वह खाना खाना चाहती है। काला बैल बहुत ही नम्र आवाज में बोला — "मेरे दाहिने कान में खाना रखा है उसमें से खाना निकाल लो। मेरे बॉये कान में पीने के लिये कुछ रखा है उसमें से कुछ पीने के लिये निकाल लो।"

लड़की ने उसके दाहिने कान में हाथ डाल दिया और खाना निकाल लिया। उसने खाना खाया फिर उसने उसके बॉये कान में हाथ डाला तो पीने के लिये कुछ निकाल लिया।

उसके पास खाने का कुछ सामान बच रहा तो वह उसने बाद में खाने के लिये अपने रूमाल में बॉध लिया। कुछ दूर जाने पर एक किला आया तो बैल ने उसे बताया कि उसका भाई वहॉ रहता था। रात को वे वहीं रुकेंगे। सो रात को वे वहीं रुक गये।

इस बैल को वहॉ के सारे बैलों मे सबसे अच्छी देखभाल मिली और लड़की को भी सबसे ज़्यादा आरामदेह कमरा मिला।

सुबह को उनके उस किले को छोड़ने से पहले वहॉ के लोगों ने लड़की को एक सुनहरा अखरोट दिया और उससे कहा कि वह उसको किन्हीं खास हालात में ही इस्तेमाल करे। उस समय वे लोग उसकी सहायता जरूर करेंगे।

वह लड़की उस बैल पर चढ़ कर फिर से अगले सारा दिन चली। जब रात हुई तो वे एक और महल के पास आ निकले। बैल ने बताया कि यह उसके एक दूसरे भाई का महल था। यह महल पहले वाले महल से भी अच्छा था।

बैल ने कहा कि उस रात वे लोग वहॉ उसी महल में ठहरेंगे। इस बार लड़की ने वहॉ के लोगों से कहा कि उनको बैल का खास खयाल रखना चाहिये।

अगली सुबह जब वे लोग वहॉ से चले तो वहॉ के लोगों ने उसको सोने का एक बहुत बड़ा हिकोरी नट दिया। उन्होंने भी उसे चेतावनी दी कि वह उसको ऐसे ही न तोड़े बल्कि जब बहुत जरूरत पड़े तभी तोड़े और तब वे उसकी सहायता करेंगे।

वे दोनों अगले सारा दिन फिर से एक दूसरे से कहानियॉ कहते सुनते चलते रहे। अब दोनों की दोस्ती बढ़ती जा रही थी।

जब रात हुई तो वे एक और महल के पास आ निकले। बैल ने बताया कि यह उसके एक तीसरे भाई का महल था और उस रात वे लोग वहॉ उसी महल में ठहरेंगे।

यह महल उन दो महलों से भी अच्छा था जिनमे वह पिछली दो रातों में ठहरी थी। इस बार जब वह लड़की वहॉ से चली तो वहॉ के लोगों ने उसको सोने का एक हैज़ल नट दिया और इसको वही चेतावनी दी कि वह उसको जब बहुत ज़्यादा जरूरत पड़े तभी इस्तेमाल करे। वे उसकी सहायता के लिये तुरन्त ही आ जायेंगे।

वे दोनों फिर बात करते आगे चले तो इस बार एक जंगल में आ निकले। यहॉ आ कर बैल ने कहा कि अब यहॉ पर वह अपना जादू तोड़ने की कोशिश करेगा और इस जादू को तोड़ने में अब उसे उसकी सहायता चाहिये। लड़की तैयार हो गयी।

बैल ने कहा — "इस जादू को हटाने के लिये तुमको एक ऊॅची चट्टान पर बिना हाथ पैर हिलाये बैठना चाहिये नहीं तो मैं तुमको फिर कभी नहीं देख पाऊॅगा।

मैं एक जीव को मारने जा रहा हूॅ। अगर तुम्हारे आसपास की सब चीज़ें नीली पड़ जायें तो समझना कि मैंने उस जीव को मार दिया है पर अगर लाल हो जायें तो समझना कि उसने मुझे जीत लिया है।"

इतना कह कर वह वहॉ से चला गया। काफी देर तक लड़ाई की बहुत ज़ोर ज़ोर की आवाजें आती रहीं। लड़की एक ऊॅची सी चट्टान पर बिना हाथ पैर हिलाये बैठी रही।

फिर उसने देखा कि अचानक से उसके आसपास की चीज़ें नीली पड़ने लगीं। वह बहुत खुश हो गयी क्योंकि इसका मतलब था कि उसका प्यारा बैल जीत गया था।

इस खुशी में उसने अपना पैर हिला दिया। और इस तरह से उस बैल का जादू टूट गया।

हालॉकि उसको लगा कि वहॉ उसने बैल का बहुत देर तक इन्तजार किया पर वह काला बैल तो वापस नहीं आया।

यह हालत उसको जरूरत की हालत लगी तो उसको उन तीनों गिरियों की याद आयी जो उसको उन तीन महलों से मिली थीं जहॉ वह आते समय रात को सोयी थी।

लेकिन शायद उसको तो अभी इससे भी ज़्यादा बदकिस्मती का सामना करना पड़े सो यह सोच कर उसने उनको अभी इस्तेमाल न करने का इरादा किया।

फिर उसने वहॉ से चलने का इरादा किया और वह वहॉ से चल दी। चलते चलते वह एक शीशे के पहाड़ के पास आ गयी। उसने उस पर चढ़ने की कोशिश की पर अपनी इस कोशिश में वह कई बार फिसल गयी सो उसने उस पर चढ़ने का इरादा छोड़ दिया।

वहॉ उसको एक लोहार का घर दिखायी दे गया तो वह उसके पास गयी और उससे कहा कि वह उस शीशे के पहाड़ पर चढ़ना चाहती थी सो उसे लोहे के जूते चाहिये थे।

लोहार ने उससे उनकी कीमत माँगी कि वह उसको ये जूते बना कर तो दे देगा पर उसको उसके साथ सात महीने और सात दिन काम करना पड़ेगा।

सो वह उस लोहार के साथ सात महीने और सात दिन काम करती रही। इस बीच लोहार ने लड़की को बताया कि वह उन जूतों को पहन कर उस पहाड़ी पर चढ़ तो जायेगी पर वहाँ जा कर उसको ट्रौल[39] का देश मिलेगा।

खैर लड़की ने अपने लोहे के जूते पहने और उस शीशे की पहाड़ी पर चढ़ने के लिये चल दी। लोहार ठीक कह रहा था वहाँ पहुँच कर वह ट्रौल के देश में आ पहुँची थी।

वहाँ आ कर उसने सुना कि वहाँ कोई मुकाबला होने वाला था। वहाँ कोई एक बहुत ही शानदार नाइट था जिसकी कमीज पर खून के धब्बे लग गये थे और वह शादी इसलिये नहीं कर पा रहा था क्योंकि कोई भी ट्रौल लड़की उसकी कमीज से खून के वे धब्बे नहीं छुड़ा पा रही थी।

जब ट्रौल लड़कियाँ नाइट की उस कमीज के खून धब्बों को साफ कर रही थीं तो वे उनको इतनी ज़ोर ज़ोर से मल रही थीं कि उनके बालों वाले शरीर और उनकी लाल आँखें खूब चमक रहीं थीं। पर वह खून के धब्बे छूटने पर नहीं आ रहे थे।

---

[39] A troll is a supernatural being in Norse mythology and Scandinavian folklore. In origin, troll may have been a negative being in Norse mythology. Beings described as trolls dwell in isolated rocks, mountains, or caves, live together in small family units, and are rarely helpful to human beings.

इस लड़की ने भी उस मुकाबले में हिस्सा लेने की प्रार्थना की तो उसको भी इजाज़त मिल गयी। जैसे ही उसने उस कमीज को नदी के पानी में डुबोया तो वह कमीज तो बिल्कुल साफ हो गयी।

पर तभी एक ट्रौल राजकुमारी ने उसके हाथ से वह कमीज छीन ली और उसे नाइट को देने के लिये दौड़ गयी। वहॉ जा कर उसने नाइट को बताया कि उसकी कमीज तो उसी ने धो कर साफ की है। शर्त के अनुसार उस ट्रौल राजकुमारी की शादी उस नाइट से पक्की हो गयी।

अब लड़की ने अपना पहली गिरी तोड़ी तो उसमें तो बहुत सारे जवाहरात भरे हुए थे। लड़की को पता था कि ट्रौल कितने लालची होते हैं सो उसने ट्रौल राजकुमारी से एक सौदा किया।

उसने उससे कहा कि अगर वह अपनी शादी एक दिन देर से करेगी और उस रात वह उसको नाइट के कमरे में सोने देगी तो वह उसको एक मुट्ठी भर कर जवाहरात देगी।

राजकुमारी मान गयी और उसने अपनी शादी एक दिन आगे कर दी। उस रात उसने लड़की को भी नाइट के कमरे में सोने दिया। पर राजकुमारी ने नाइट को कोई ऐसी दवा पिला दी जिससे वह नाइट रात भर सोता रहा।

लड़की सारी रात उसके पास बैठ कर गाती रही —

मैं तुम्हारे लिये लोहार के पास काम करती रही
मैं तुम्हारे लिये इस शीशे की पहाड़ी पर चढ़ी

मैंने तुम्हारे लिये तुम्हारे खून के धब्बे वाले कपड़े धोये
क्या तुम मेरे लिय जागोगे नहीं और मेरी तरफ देखोगे नहीं

पर नाइट नहीं जागा। वह सुबह को ऐसे ही वहॉ से वापस आ गयी। अगले दिन उस लड़की ने अपनी दूसरी गिरी तोड़ी तो इस गिरी में भी बहुत सारे जवाहरात भरे थे पर ये पहले जवाहरातों से कहीं ज़्यादा चमकीले थे।

जब उसने ये जवाहरात राजकुमारी को दिखाये तो वह इनको लेने से अपने आपको रोक नहीं सकी। सो उसने राजकुमारी से फिर वही सौदा किया कि अगर वह एक दिन अपनी शादी और आगे कर दे और उसको नाइट के कमरे में सोने दे तो वह उसको उन जवाहरातों में से एक मुट्ठी जवाहरात दे देगी।

राजकुमारी तैयार हो गयी और वह लड़की उस नाइट के कमरे में चली गयी। लड़की रात भर उसके लिये वही गाना गाती रही जो उसने उसके लिये पिछली रात गाया था। पर राजकुमारी ने उसके साथ पहली रात जैसा ही किया और नाइट सुबह तक सो कर ही नहीं उठा।

लड़की का दिल टूट गया। और वह दूसरे दिन भी वहॉ से ऐसे ही वापस आ गयी।

अब उसके पास तोड़ने के लिये केवल एक ही गिरी रह गयी थी। सो अगले दिन उसने वह भी तोड़ दी। वह भी जवाहरातों से

भरी हुई थी पर उस गिरी के जवाहरात पिछली दो गिरियों के जवाहरातों से कहीं ज़्यादा चमकीले थे।

जब उसने ये जवाहरात राजकुमारी को दिखाये तो वह इनको लेने के लिये तो पागल सी हो गयी अपने आपको रोक ही नहीं सकी।

यह देख कर उसने राजकुमारी से फिर वही सौदा किया कि अगर वह एक दिन अपनी शादी और आगे कर दे और उसको नाइट के कमरे में सोने दे तो वह उसको उन जवाहरातों में से एक मुट्ठी जवाहरात दे देगी।

राजकुमारी तैयार हो गयी और उस लड़की ने उसको जवाहरात दे दिये। राजकुमारी सारा दिन उन जवाहरातों को अपने हाथ में उलट पलट कर खेलती रही और खुशी से हाथ मलती रही।

उस खुशी में उसको यह सुनायी ही नहीं पड़ा कि उसके महल की दासियॉ उस लड़की की सुन्दरता के बारे में बात कर रही थीं जो चॉदनी में नाइट के लिये दुखभरा गीत गा रही थी। और न उसको यही पता चला कि नाइट ने उन दासियों की बात सुन ली है।

सो इस रात नाइट ने राजकुमारी की दी हुई दवा को पीने का केवल बहाना किया। उसने वह सारी दवा खिड़की से बाहर फेंक दी।

रात को जैसे ही लड़की नाइट के कमरे में गयी तो नाइट ने उसको तुरन्त ही पहचान लिया और उसको गले लगा लिया। बस

बैल का जादू टूट गया और अब वह एक सुन्दर राजकुमार बन गया।

दोनों सारे सोते हुए ट्रौल को सोता छोड़ कर एक साथ उस शीशे की पहाड़ी से चुपचाप नीचे उतर आये और उस जगह से दूर अपने महल भाग गये और ज़िन्दगी भर शान्ति से खुशी से रहे।

6 भट्टी की बिल्ली[40]

सिन्डरैला जैसी यह कहानी यूरोप महाद्वीप के पुर्तगाल देश मे कही सुनी जाती है। इस कहानी का इसकी मूल प्रतिलिपि से सन् **1882** में अनुवाद किया गया था।

एक बार की बात है कि एक स्कूल में पढ़ाने वाली टीचर थी जिसका पति मर गया था। उसकी एक बेटी थी जो बहुत ही सीधी सादी सी थी। इस टीचर की एक शिष्या थी जो बहुत सुन्दर थी और एक यात्री की बेटी थी।

यह टीचर अपनी इस शिष्या के पिता को बहुत चाहती थी। वह रोज अपनी उस शिष्या से कहती कि वह अपने पिता से पूछे कि क्या वह उससे शादी कर लेगा। और अगर वह ऐसा करेगी तो वह रोज उसको शहद डाल कर दलिया खिलाया करेगी।

वह लड़की अपने पिता के पास गयी और उससे पूछा कि क्या वह उसकी टीचर से शादी कर लेगा क्योंकि फिर वह उसको शहद डाल कर दलिया खिलाया करेगी।

उसका पिता बोला कि वह उससे शादी नहीं करेगा क्योंकि वह अच्छी तरह जानता था कि अभी तो वह यह कह रही है कि वह

---

[40] The Hearth Cat – a fairy tale from Portugal, Europe.
This story is taken from the Web Site : http://www.pitt.edu/~dash/type0510a.html#perrault
Charles Perrault took it from Portuguese Folk-Tales by Consiglieri Pedroso, translated from the original Manuscript by Henriqueta Monteiro, London: Published for the Folk Lore Society by Elliot Stock, 1882. Translated and edited by DL Ashliman.

उसको शहद डाल कर दलिया खिलायेगी पर बाद में वह उसको कड़वा दलिया खिलायेगी।

पर वह बच्ची शहद वाले दलिये को सोच सोच कर ही रोने लगी और अपने पिता से जिद करने लगी कि वह उससे शादी कर ले ताकि वह शहद डला दलिया खा सके।

पिता अपनी बेटी को बहुत प्यार करता था। उसने उसको तसल्ली देने के लिये उससे कहा कि ठीक है वह अगर ऐसा ही चाहती है तो वह एक जोड़ी लोहे के जूते बनवायेगा और उनको तब तक के लिये एक रस्सी के सहारे टॉग देगा जब तक कि वे जंग लग कर टूट न जायें। जिस दिन भी वे टूट जायेंगे उसके बाद वह उस टीचर से शादी कर लेगा।

बच्ची यह सुन कर बहुत खुश हुई। वह तुरन्त ही अपनी टीचर के पास गयी और जा कर उससे वही कहा जो उसके पिता ने उससे कहा था।

टीचर ने उस बच्ची से कहा कि "ठीक है पर तब तक तुम एक काम करना कि उन जूतों पर रोज पानी डालती रहना।"

बच्ची ने ऐसा ही किया और इस तरह वे लोहे के जूते कुछ ही दिनों में लटके लटके ही टूट गये। बच्ची ने जा कर यह पिता को बताया कि वे जूते तो टूट गये हैं तो वह बोला "ठीक है अब मैं उससे शादी कर लूँगा।" और अगले दिन ही उसने उस टीचर से शादी कर ली।

अब जब तक उस बच्ची का पिता घर पर रहता वह टीचर उस बच्ची से बड़ी नम्रता का और बहुत अच्छा बरताव करती पर जैसे ही वह घर से चला जाता तो वह उसके साथ बहुत ही बुरा बरताव करती।

एक दिन उसने उस बच्ची को एक गाय चराने के लिये भेजा। उसने उसको एक पूरी डबल रोटी दी और कहा कि वह उसमें से खाने के बाद भी उसको ऐसी की ऐसी ही घर वापस ले आये।

उसने उसको एक पानी भरा मिट्टी का बरतन भी दिया जिसमें से उसको पानी पीना था पर पूरा का पूरा भरा हुआ वह बरतन वापस भी ले कर आना था।

जब वह बच्ची गाय चराने चल दी तो उसने बच्ची को धागे की कुछ लच्छियॉ[41] भी दीं और कहा कि शाम तक वह उनके गोले भी बना दे। यह सुन कर तो वह छोटी बच्ची बेचारी ज़ोर ज़ोर से रोती हुई गाय चराने चल दी।

रास्ते में गाय ने उसको तसल्ली दी और उससे कहा कि वह दुखी न हो वह उसका सब काम करा देगी।

धागे की लच्छियों के बारे में उसने बच्ची से कहा कि वह उन लच्छियों को उसके सीगों में लपेट ले और फिर धागा खोलती जाये इससे उन लच्छियों के गोले जल्दी और आसानी से बन जायेंगे।

[41] Translated for the word “Skeins”. See its picture above.

फिर उस अच्छी गाय ने उसकी डबल रोटी में अपने एक सींग से एक छेद कर के उसका सारा चूरा निकाल लिया और फिर वह पूरी की पूरी डबल रोटी उस लड़की को दे कर कहा कि वह चूरा वह खा ले और वह साबुत डबल रोटी ले जा कर अपनी मॉ को दे दे।

शाम को जब वह लड़की घर लौटी तो उसकी सौतेली मॉ ने देखा कि उसने तो अपना सारा काम खत्म कर लिया है। उसने सारे धागों के गोले भी बना लिये हैं।

यह देख कर वह बहुत दुखी हुई और उसकी उस बच्ची को पीटने की इच्छा करने लगी क्योंकि उसको लग रहा था कि इस सब में जरूर ही उस गाय का कुछ हाथ है। सो अगले दिन उसने उस गाय को मारने का हुक्म दे दिया।

इस पर तो वह बच्ची बहुत ज़ोर ज़ोर से रोने लगी पर उसकी सौतेली मॉ ने कहा कि चाहे उसको गाय के मरने का कितना भी दुख क्यों न हो पर उसको तो उस गाय की ऑतें भी तालाब में साफ करनी पड़ेंगी।

गाय ने फिर उस बच्ची को तसल्ली दी और कहा कि वह उस की ऑतें जरूर धोये और साफ करे पर वह उसको ध्यान से देखती रहे कि उसमें से क्या निकल रहा है और उसमें से जो कुछ भी निकले उसको उठा कर रख ले। बच्ची ने ऐसा ही किया।

जब वह उस गाय की ऑतें तालाब के पानी में धो रही थी और साफ कर रही थी तो उसने देखा कि उसकी ऑतों में से एक सोने की गेंद निकली और पानी में गिर पड़ी।

बच्ची उस गेंद को ढूँढने के लिये तालाब में घुसी तो वहाँ तो उसको एक घर मिल गया जो बहुत ही गन्दा और बिखरा हुआ पड़ा था। उसको इस हालत में पड़ा देख कर वह उसको साफ करने लगी और उसमें बिखरी चीज़ों को ठीक से लगा कर रखने लगी।

तभी उसने दरवाजे पर किसी के पैरों की आहट सुनी तो वह घबरा गयी और इस घबराहट में एक दरवाजे के पीछे छिप गयी। वहाँ कुछ परियाँ आयीं और इधर उधर देखने लगीं।

उनके साथ एक कुत्ता भी था। उनका वह कुत्ता सूँघते सूँघते वहाँ तक चला आया जहाँ वह छिपी हुई थी और यह कहते हुए भौंकने लगा — "देखो दरवाजे के पीछे कोई है जिसने हमारे लिये कुछ अच्छा किया है और वह हमारे लिये कुछ और भी अच्छा कर सकता है।"

उसका भौंकना सुन कर परियों ने इधर उधर देखा तो वे भी उधर ही आ गयीं जहाँ वह छिपी हुई थी। उनमें से एक परी ने उससे कहा — "हम तुमको सुन्दर बनने की ताकत देते हैं कि तुम दुनियाँ की सबसे सुन्दर लड़की बन जाओ।"

दूसरी परी ने कहा — "मैं तुम्हारे ऊपर एक बहुत ही मीठा जादू डालती हूँ ताकि जब भी बोलने के लिये तुम अपना मुँह खोलो तो तुम्हारे होठों से मोती और सोना गिरे।"

तीसरी परी ने आगे बढ़ कर कहा — "मैं तुमको हर तरह का आशीर्वाद देती हूँ कि तुम दुनियाँ की सबसे ज़्यादा खुश लड़की रहो। और लो यह जादू की छड़ी लो और तुम इससे जो भी माँगोगी तुमको इससे वही मिल जायेगा।"

इसके बाद उस लड़की ने वह जादू की जगह छोड़ दी और अपने घर वापस आ गयी। जैसे ही उसकी टीचर की बेटी ने उसको आते हुए देखा तो अपनी माँ को ज़ोर ज़ोर से चिल्ला कर बुलाना शुरू कर दिया — "माँ ज़रा यहाँ तो आओ। इस भट्टी की बिल्ली[42] को देखने के लिये ज़रा यहाँ तो आओ जो आखिर घर वापस आ ही गयी।"

वह टीचर उसको देखने के लिये दौड़ी और आ कर उससे पूछा कि इतने समय तक वह कहाँ थी और क्या कर रही थी। लड़की ने उसको जो कुछ उसने देखा था उसका उलटा बता दिया जैसा कि परियों ने उससे कहने के लिये कहा था।

उसने उससे कहा कि उसने वहाँ एक साफ सुथरा घर देखा जिस को उसने गन्दा दिखायी देखने के लिये वहाँ की सारी चीज़ें इधर उधर कर दीं।

[42] Hearth Cat

यह सुन कर टीचर ने अपनी बेटी को भी वहॉ भेजा। जैसे ही उसकी बेटी वहॉ पहुॅची तो उसने अपनी सौतेली बहिन के कहे अनुसार उस घर की चीज़ों को बिखेरना शुरू कर दिया।

इससे वह घर बहुत गन्दा लगने लगा और ऐसा लगने लगा जैसे कि वहॉ कोई रहता ही न हो।

तभी उसने भी किसी के आने की आहट सुनी तो वह भी दरवाजे के पीछे जा कर छिप गयी। परियॉ अन्दर आयीं और उनके साथ साथ आया उनका छोटा कुत्ता भी।

कुत्ते ने उसको देख लिया तो वह उसकी तरफ भौंकता हुआ बोला — "दरवाजे के पीछे कोई है जिसने हमारा बुरा किया है और जैसे ही उसको पहला मौका मिलेगा वह हमारा और भी बुरा करेगा।"

परियों ने यह सुना तो वे भी वहॉ दौड़ी आयीं जहॉ वह लडकी छिपी हुई बैठी थी। उनमें से एक परी बोलीी — "मैं तुम्हारे ऊपर जादू करती हूॅ कि तुम दुनियॉ की सबसे बदसूरत लड़की हो जाओ।"

दूसरी परी आयी तो वह बोली — "मैं तुम्हारे ऊपर जादू करती हूॅ कि जब भी तुम बोलने की कोशिश करो तो तुम्हारे मुॅह से सब तरह की गन्दगी निकले।"

तीसरी परी आयी तो उसने कहा — "मैं तुम्हारे ऊपर जादू करती हूँ कि तुम दुनियॉ में सबसे ज़्यादा गरीब और बदकिस्मत लड़की हो।"

यह सब सुन कर इन शापों के साथ वह लड़की अपने घर चली आयी। वह सोच रही थी कि परियों ने उसको भी सुन्दर होने का वरदान दिया है।

पर जब वह अपनी मॉ के करीब आयी और उसने बोलना शुरू किया तो उसकी मॉ तो अपनी बेटी को इतनी बदसूरत देख कर और उसके मुँह से बहुत सारी गन्दगी निकलती देख कर चीख पड़ी।

गुस्से में भर कर उसने अपनी सौतेली बेटी को यह कहते हुए रसोईघर में भेज दिया कि वह तो भट्टी की बिल्ली थी और उसको वहीं की देखभाल करनी चाहिये जहॉ उसको रखा गया है क्योंकि उसके लिये वही जगह ठीक थी।

अब एक दिन ऐसा हुआ कि उस लड़की की सौतेली मॉ और उसकी बेटी एक दौड़ देखने जा रही थीं।

जब वे चली गयीं तो उस सौतेली लड़की ने अपनी जादू की छड़ी से एक बहुत बढ़िया सी पोशाक, जूते, टोप आदि मॉगा। उनको पहन कर और जो कुछ भी उसके अपने पास था उससे अपने आपको सजा कर वह दौड़ देखने चली गयी। वहॉ जा कर वह शाही सीट के सामने जा कर खड़ी हो गयी।

टीचर की बेटी ने उसको वहॉ देख लिया और अपने पूरे जोर की आवाज में रोना शुरू कर दिया — "मॉ देखो, वह सुन्दर लड़की जो वहॉ खड़ी है मुझे लगता है कि वह निश्चित रूप से वही भट्टी की बिल्ली ही है।"

मॉ ने उसको थोड़ा शान्त रखने के लिये और थोड़ा उसको चुप रहने के लिये कहा और कहा कि वह लड़की उसकी सौतेली बहिन नहीं हो सकती थी क्योंकि उसको तो वह ताले में बन्द कर के आयी थी।

उधर वह भट्टी की बिल्ली दौड़ खत्म होने से पहले ही वहॉ से चल दी। राजा ने उसको देखा तो वह तो उससे देखते ही प्यार करने लगा।

जैसे ही उसकी सौतेली मॉ घर पहुॅची उसने भट्टी की बिल्ली से पूछा कि क्या वह बाहर गयी थी। लड़की बोली कि नहीं, वह बाहर कहीं नहीं गयी थी और उसने अपना राख लिपटा चेहरा उसको दिखा दिया।

दौड़ दूसरे दिन भी थी। अगले दिन उस लड़की ने उस जादू की छड़ी से एक और नयी और पहले दिन से भी ज़्यादा शानदार पोशाक मॉगी और उसको पहन कर दौड़ देखने चल दी।

वह फिर से शाही सीट के सामने जा कर खड़ी हो गयी। राजा ने जब उसे फिर से वहॉ खड़े देखा तो उसको वहॉ देख कर वह बहुत खुश हुआ।

पर पिछले दिन की तरह से वह लड़की फिर से दौड़ खत्म होने से पहले ही वहॉ से अपनी गाड़ी में बैठी और चल दी। राजा उसके प्यार में और ज़्यादा डूबा वहीं का वहीं खड़ा रह गया।

तीसरे दिन की दौड़ में उसने अपनी जादू की छड़ी से पहले दो दिनों से भी ज़्यादा अच्छी और शानदार पोशाक और जूते मॉगे और उनको पहन कर दौड़ देखने चल दी।

वह फिर उसी शाही सीट के सामने जा कर खड़ी हो गयी। राजा ने जब उसको वहॉ खड़े देखा तो वह फिर से बहुत खुश हो गया।

पर वह फिर से बहुत नाउम्मीद हो गया जब उसने देखा कि पिछले दो दिनों की तरह से वह लड़की दौड़ खत्म होने से पहले ही वहॉ से चल दी। वह अपनी गाड़ी तक गयी और उसमें बैठ कर चल दी।

पर उस दिन गाड़ी में चढ़ने की जल्दी में उसका एक जूता उसके पैर में से निकल गया। राजा ने उसे उठा लिया और उसको ले कर महल वापस लौट गया। वह अब उसके प्यार में बीमार हो गया था।

राजा ने ध्यान से देखा तो उस जूते के ऊपर कुछ अक्षर बने हुए थे। उसने पढ़ा "यह जूता केवल अपने पहनने वाले के पैर में ही आयेगा।"

यह पढ़ कर तो उस जूते को पहनने वाली के लिये सारे राज्य में खोज मच गयी पर फिर भी कोई ऐसी लड़की नहीं मिली जिसके पैर में वह जूता ठीक से आ जाता।

उस यात्री की टीचर पत्नी भी उस जूते को पहन कर देखने के लिये राजा के महल गयी पर उस जूते को पहनने की उसकी सारी कोशिशें बेकार गयीं।

उसके बाद उसकी अपनी बेटी गयी। उसने भी बहुत कोशिश की पर वह जूता उसके पैर में भी नहीं आया। अब तो उनके घर में केवल भट्टी की बिल्ली ही रह गयी थी।

राजा ने उनसे पूछा कि क्या उनके घर में कोई और भी था जो उस जूते को पहन कर देखना चाहता हो। टीचर ने जवाब दिया कि अब तो उनके घर में केवल भट्टी की बिल्ली ही रह गयी थी पर उसने तो कभी ऐसे जूते पहने ही नहीं तो यह जूता उसका कैसे हो सकता था।

पर राजा ने उसको भी महल में लाने का हुक्म दिया और अब टीचर के पास उसको महल में भेजने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था सो उसको महल भेज दिया गया।

राजा ने खुद उसको वह जूता पहनने के लिये ज़ोर दिया और जैसे ही उस लड़की ने उस जूते में अपना पैर डाल कर जूते को ऊपर खींचा तो वह जूता तो उसके पैर में बहुत अच्छी तरीके से आ गया।

राजा ने कहा कि अब से वह महल में ही रहेगी और उसने उससे अपनी शादी की तैयारियॉ शुरू कर दीं। टीचर और उसकी बेटी को मौत की सजा सुना दी गयी।

7 सींगों वाली भूरी भेड़[43]

सिन्डरैला जैसी यह कहानी यूरोप महाद्वीप के स्कौटलैंड देश की कहानियों से ली गयी है। स्कौटलैंड ग्रेट ब्रिटेन या यूनाइटैड किंगडम के तीन देशों में से एक देश है – इंगलैंड, स्कौटलैंड और वेल्स। कुछ सालों से ग्रेट ब्रिटेन में उत्तरी आयरलैंड भी शामिल हो गया है।

जिस आदमी ने भी यह कहानी पहली बार लिखी उसने इसे सुन कर लिखा है। यह कहानी भी दूसरी कहानियों की तरह बहुत पुरानी कहानी है। पहली बार इसको सन् **1860** में प्रकाशित किया गया था।

एक बार की बात है कि एक राजा और रानी थे। उनकी एक बहुत प्यारी सी बेटी थी। इत्तफाक से इस बेटी के जन्म के कुछ साल बाद रानी मर गयी तो राजा ने दूसरी शादी कर ली। दूसरी रानी पहली रानी की बेटी के साथ बहुत बुरा बरताव करती थी।

---

[43] Sharp Grey Sheep – a fairy tale from Scotland, Europe.
This story is taken from the Web Site : http://www.pitt.edu/~dash/type0510a.html#perrault
Charles Perrault took it from the book : "Popular Tales of the West Highlands: Orally Collected" by JF Campbell, vol. 2 Edinburgh. 1860, pp. 286-89.
JF Campbell took it from "From John Dewar, laborer, Glendaruail [Glendaruel], Cowal."
This story is translated and edited by DL Ashliman.
This story is available with the title "The princess and the Golden Shoes: at the Web Site : http://misskelly.org/cinderella/golden_shoes.htm also.
It is like "Katie Woodencloak" story give above in this book.
[My Note – Since this story has been written by hearing, its language and coherency are questionable. Here its language has been corrected to maintain its coherency. I apologize for that]

वह उसको मारती और उसको घर से बाहर निकाल देती। वह उसको भेड़ चराने भेजती और उसको पेट भर खाना भी नहीं देती।

जिन भेड़ों को वह लड़की चराने ले जाती उसकी उन भेड़ों के झुंड में एक सींगों वाली भूरे रंग की भेड़ भी थी जो उसके पास उसके लिये मॉस ले कर आती रहती थी।

उधर रानी सोचती कि वह लड़की ठीक से ज़िन्दा ही कैसे थी क्योंकि वह खुद तो उसको मॉस ठीक से दे नहीं रही थी।

सो एक दिन उसने अपनी हैनवाइफ[44] को बुलाया। हैनवाइफ को लगा कि वह उसकी अपनी बेटी को पहली रानी की बेटी के साथ यह देखने के लिये भेजेगी कि उसको मॉस कौन खिला रहा था।

वह ठीक सोच रही थी। वही हुआ। उसने हैनवाइफ की बेटी को पहली रानी की बेटी के साथ भेड़ चराने के लिये भेज दिया।

अब वह भूरी भेड़ तब तक राजकुमारी के पास नहीं आती थी जब तक वह हैनवाइफ की बेटी उसके पास रहती थी। और हैनवाइफ की बेटी उसके साथ हमेशा ही रहती थी।

एक दिन राजकुमारी को जब मॉस खाने की इच्छा हो रही थी तो उसने हैनवाइफ की बेटी से कहा — "तू अपना सिर मेरे घुटनों पर रख ले तो मैं तेरे बाल बना दूँ।"

[44] Henwife is a woman in charge of domestic fowls. Its plural is Henwives.

उसने सोचा कि इस तरह से वह उसको सुला देगी और तब वह उस भेड़ से मॉस ले कर खा सकेगी।

हैनवाइफ की बेटी ने अपना सिर राजकुमारी के घुटनों पर रख लिया और राजकुमारी उसके बालों में उँगलियॉ फिराने लगी तो वह सो गयी। उसी समय वह भेड़ मॉस ले कर आ गयी।

पर हैनवाइफ की बेटी के सिर के पीछे भी एक ऑख थी जो खुली हुई थी। उसने वह सब कुछ देख लिया जो वहॉ हो रहा था। यह बात राजकुमारी को पता नहीं थी।

जब हैनवाइफ की बेटी घर गयी तो उसने जा कर सब कुछ अपनी मॉ को बताया और उसकी मॉ ने जा कर वह सब कुछ रानी को बताया। तब रानी को समझ में आया कि उसकी सौतेली बेटी को मॉस कहॉ से मिल रहा था और वह कैसे तन्दुरुस्त दिखायी दे रही थी।

अब रानी के पास इसके सिवा इसका कोई इलाज नहीं था सिवाय इसके कि वह उस भेड़ को मरवा दे।

भेड़ रानी की बेटी के पास आयी और बोली — "वे लोग मुझे मारने वाले हैं पर तुम मेरी खाल चुरा लेना और मेरी हड्डियॉ और खुर इकट्ठे कर के उनको उस खाल में लपेट लेना। इससे मैं फिर ज़िन्दा हो जाऊँगी और मैं फिर से तुम्हारे पास आऊँगी।"

सो वह भेड़ मार दी गयी। रानी की बेटी ने उसकी खाल चुरा ली। उसने उसकी हड्डियॉ और खुर भी इकट्ठे कर लिये। फिर

उसने हड्डियों को तो उसकी खाल में लपेट लिया पर वह उसके छोटे खुर को उसकी खाल में लपेटना भूल गयी।

अब भेड़ ज़िन्दा तो हो गयी पर वह लंगड़ी थी। वह राजा की बेटी के पास रुकते हुए कदमों से चल कर आयी और बोली — "तुमने वैसा ही किया जैसा कि मैंने तुमसे करने के लिये कहा था पर तुम मेरे छोटे खुर को खाल में लपेटना भूल गयीं इसलिये मैं लॅगड़ी रह गयी।" पर फिर भी वह उसको मॉस देती रही।

वहॉ एक राजकुमार अक्सर शिकार खेलने आया करता था। वह राजा की बेटी के पास से गुजरता था। उसने देखा कि वह लड़की तो कितनी सुन्दर थी तो उसने सोचा कि वह कौन थी।

उसने जब वहॉ के लोगों से पूछा तो उन्होंने उसको बताया कि वह तो एक राजकुमारी थी। उस राजकुमार को उस राजकुमारी से प्यार हो गया। अब वह अक्सर वहॉ आता और राजकुमारी को देखता रहता।

हैनवाइफ की बेटी ने उसको इस तरह वहॉ अक्सर आते देख लिया तो उसने जा कर यह अपनी मॉ से कहा कि एक लड़का राजकुमारी को दूर से देखता रहता है। और उसकी मॉ ने जा कर यह रानी से कहा।

रानी की यह इच्छा हुई कि वह यह जाने कि वह लड़का कौन था और कैसा था। सो उसने हैनवाइफ से उस लड़के के बारे में पता

करने के लिये कहा और उसने पता किया कि वह कौन था और जा कर रानी को बताया।

जब रानी को यह पता चला कि वह कौन था तो उसने अपनी बेटी को उसके पास भेजने का विचार किया।

उसने पहली रानी की बेटी को तो घर बुला लिया और अपनी बेटी को भेड़ चराने के लिये भेज दिया। अब वह पहली रानी की बेटी से घर में खाना बनवाती और घर का सारा काम करवाती।

एक दिन पहली रानी की बेटी किसी काम से बाहर गयी तो वहॉ उसको वह पहले वाला राजकुमार मिल गया जो उसको देखता रहता था।

उसने राजकुमारी को एक जोड़ी सुनहरे जूते दिये और उससे कहा कि उसकी इच्छा थी कि वह उसको पहन कर चर्च आये पर राजकुमारी की सौतेली मॉ ने उसको वहॉ जाने ही नहीं दिया।

जब सब चले गये तब वह तैयार हुई। उसने सोचा कि वह सबके बाद में जायेगी और किसी ऐसी जगह बैठेगी जहॉ से राजकुमार उसको देख सके।

और फिर सबके वहॉ से उठने से पहले ही वह वहॉ से चली भी आयेगी ताकि वह अपनी सौतेली मॉ के घर आने से पहले ही पहुँच जाये और वहॉ आ कर सब कुछ ठीक कर ले।

ऐसा उसने दो बार तो कर लिया पर जब वह तीसरी बार चर्च गयी तो राजकुमार ने कहा कि वह भी उसके साथ चलेगा।

वह चर्च के दरवाजे के पास बैठ गया और राजकुमारी को ध्यान से देखता रहा। जब वह जाने के लिये उठी तो वह भी उसके पीछे पीछे उठ गया और उसके पीछे पीछे चल दिया।

वह घर दौड़ी दौड़ी चली जा रही थी कि उसका एक जूता कीचड़ में फॅस गया। उसको उस जूते को वहीं छोड़ कर आगे बढ़ जाना पड़ा क्योंकि अगर उसको लेने के लिये वह वहॉ रुक जाती तो उसको घर के लिये देर हो जाती।

राजकुमार जो उसके पीछे पीछे जा रहा था उसने उसका वह जूता उठा लिया। क्योंकि उसने उस लड़की को तो देखा नहीं था इसलिये उसने सारे शहर में यह मुनादी पिटवा दी कि जिस किसी के पैर में भी वह जूता आ जायेगा वह उसी से शादी करेगा।[45]

सबने उसकी मुनादी सुनी। मुनादी सुन कर रानी फिर यह चाहती रही कि उसकी बेटी के पैर में वह जूता आ जाये ताकि उसकी बेटी की शादी उस राजकुमार से हो जाये।

जब राजकुमार उनके घर पैर में जूता पहना कर देखने के लिये आया तो दूसरी रानी ने पहली रानी की बेटी को घर में छिपा दिया ताकि जब तक उसकी अपनी बेटी उस जूते को पहन कर न देख ले वह किसी को दिखायी न दे।

---

[45] [My Note – I could not understand this that this prince had been seeing the Princess for a long time when she went to tend the sheep; then he met her outside the house and he himself gave her the pair of golden shoes and asked her to come to the church wearing them, then he had seen her in the church on two days too, then why does he say that "because he had not seen the Princess that is why he proclaimed that in whosoever foot the shoe will fit, she would be his wife?"]

अगर उसकी अपनी बेटी के पैर में वह जूता आ गया तो... ।

मगर उसकी बेटी का पैर तो बहुत बड़ा था पर वह इस बात के लिये बहुत उत्सुक थी कि वह जूता उसके पैर में आ जाये सो उसने अपनी हैनवाइफ को बुलाया और उससे यह सब कहा तो हैनवाइफ ने उसके पैर की उँगलियों के आगे के हिस्से काट दिये और उसके पैर में वह जूता किसी तरह पहना दिया। अब वह जूता उसके पैर में आ गया था।

राजकुमार को अब उससे शादी करनी पड़ी क्योंकि वह जूता उसके पैर में आ गया था। जब शादी का दिन आया तो पहली रानी की बेटी को फिर से छिपा दिया गया। इस बार उसको आग जलाने की जगह के पीछे छिपाया गया था।

जब वहाँ सारे लोग इकट्ठा हो गये तो एक चिड़ा उड़ कर वहाँ एक खिड़की पर आ कर बैठ गया और बोला — "इस जूते में खून है और सुन्दर पैर तो आग जलाने की जगह के पीछे है।"

वहाँ बैठा एक आदमी बोला — "यह चिड़ा क्या बोल रहा है?"

रानी बोली — "यह तो पता नहीं कि यह चिड़ा क्या बोल रहा है पर जो कुछ भी बोल रहा है वह खराब बोल रहा है और झूठ बोल रहा है।"

वह चिड़ा खिड़की पर फिर से आया और उसने फिर से यही कहा। लेकिन फिर भी उसकी तरफ किसी ने ध्यान नहीं दिया तो

वह फिर तीसरी बार आया तो राजकुमार बोला — "हमें चल कर देखना चाहिये कि यह क्या कह रहा है।"

वह उठा और बाहर गया तो चिड़ा फिर से बोला — "इस जूते में खून है और सुन्दर पैर तो आग जलाने की जगह के पीछे है।"

राजकुमार आग जलाने की जगह के पीछे गया और जा कर उधर देखा तो उसको पहली रानी की बेटी वहाँ मिल गयी। उसके दूसरे पैर में अभी भी दूसरा सुनहरी जूता मौजूद था।

तब उन्होंने दूसरी रानी की बेटी के पैर में से दूसरा जूता निकाला, उसका खून साफ किया और पहली रानी की बेटी के पैर में पहनाया तो वह उसके पैर में बड़ी आसानी से आ गया।

राजकुमार ने दूसरी रानी की बेटी को छोड़ दिया और पहली रानी की बेटी से शादी कर ली। शादी कर के वह उसको अपने घर ले आया।

8 राशिन कोटी[46]

सिन्डरैला जैसी यह कहानी भी यूरोप महाद्वीप के स्कौटलैंड देश की कहानियों से ली गयी है। स्कौटलैंड ग्रेट ब्रिटेन या यूनाइटैड किंगडम के तीन देशों में से एक देश है – इंगलैंड, स्कौटलैंड और वेल्स। कुछ सालों से ग्रेट ब्रिटेन में उत्तरी आयरलैंड भी शामिल हो गया है।

यह कहानी सन् 1901 के आसपास प्रकाशित की गयी थी पर इसका यह मतलब नहीं है कि यह उन्हीं दिनों की कहानी है। यह निश्चित रूप से उससे पहले की ही कहानी है। उस साल में तो यह केवल छापी गयी थी।

यह बहुत पुरानी बात है कि एक भले आदमी के दो बेटियॉ थीं। उसकी बड़ी वाली बेटी कुछ बदसूरत और बुरे स्वभाव की थी पर उसकी छोटी वाली बेटी बहुत सुन्दर और बहुत ही अच्छे स्वभाव की थी।

उनके माता पिता अपनी उस बदसूरत बेटी को अपनी सुन्दर बेटी से ज़्यादा प्यार करते थे। उस सुन्दर बेटी से वे बुरा व्यवहार

---

[46] Rashin Coatie – a fairy tale from Scotland, Europe.
This story is taken from the Web Site : http://www.pitt.edu/~dash/type0510a.html#perrault
Perrault took it from the book : Scottish Fairy and Folk Tales , by George Douglas. New York. nd. [ca. 1901]), pp. 86-89.
Link to another version of this story, but one including an incest motif and thus categorized as a type 510B folktale, not 510A type: Rashen Coatie. Translated and edited by DL Ashliman.

भी करते थे। वे उसको जानवर चराने भेजते और खाने को उसको वे केवल थोड़ा सा दलिया और छेना[47] ही देते।

उसके जानवरों में एक लाल रंग का बछड़ा[48] था। एक दिन उस बछड़े ने उस लड़की से कहा — "यह दलिया और छेना तुम कुत्ते को फेंक दो और मेरे साथ आओ मैं तुमको अच्छा खाना खिलाता हूँ।"

उस लड़की ने ऐसा ही किया और वह उस बछड़े के पीछे पीछे चल दी। बछड़ा उसको एक जंगल में से हो कर ले गया और एक बहुत सुन्दर घर में आ गया जहाँ खाने की मेज सजी हुई थी।

दोनों ने वहाँ बहुत अच्छे से खाना खाया और फिर वापस अपने जानवरों के झुंड के पास आ गये।

अब वह बछड़ा हर रोज उस लड़की को उस घर में ले जाने लगा और वहाँ उसको बहुत अच्छे अच्छे खाने खिलाने लगा। हर रोज अच्छा खाना मिलने से अब वह लड़की और तन्दुरुस्त और सुन्दर होती चली गयी।

पर इससे उसके माता पिता और बहिन को बहुत दुख हुआ क्योंकि वे यह सोच रहे थो कि उनके खराब व्यवहार से उसकी सुन्दरता कम हो जायेगी पर यहाँ तो उसका कुछ उलटा ही हो रहा

[47] Translated for the words "Porridge and whey"
[48] Translated for the word "Calf" – cow's son

था। वह तो दिनों दिन और ज़्यादा तन्दुरुस्त और सुन्दर होती जा रही थी।

उन्होंने उसके ऊपर नजर रखनी शुरू की तो उनको पता चला कि एक भूरा बछड़ा रोज उसको एक घर में खाना खिलाने ले जाता है।

इसलिये उन्होंने उस बछड़े को मारने का प्लान बनाया। और यही नहीं यह काम उस लड़की से ही एक कुल्हाड़ी से कराने का भी प्लान बनाया।

उसकी बदसूरत बहिन को उस बछड़े का सिर पकड़ना था और उस सुन्दर लड़की को जो उसको बहुत प्यार करती थी उसको उसे कुल्हाड़ी से मारना था।

वह बेचारी रोने के सिवा और कुछ नहीं कर पायी। पर बछड़े ने उसको समझाया कि वह रोये नहीं और वैसा ही करे जैसा कि वह उससे करने के लिये कहे।

बछड़े का प्लान यह था कि बजाय इसके कि उसकी कुल्हाड़ी बछड़े को मारने के लिये उस बछड़े के सिर पर मारे उसकी कुल्हाड़ी उस बदसूरत लड़की के सिर पर गिरनी चाहिये जो उसका सिर पकड़े होगी।

और फिर जैसे ही वह उस बदसूरत लड़की को मार दे वह लड़की कूद कर बछड़े की पीठ पर बैठ जाये और फिर वे दोनों वहाँ से भाग जायेंगे। क्या वह ऐसा कर सकेगी?

"ठीक है। मैं कोशिश करूँगी।"

वह दिन भी आया जिस दिन वह बछड़ा मारा जाना था। सब कुछ तैयार था। उस बदसूरत लड़की ने उस बछड़े का सिर पकड़ रखा था और उस सुन्दर लड़की के हाथ में कुल्हाड़ी थी।

उस सुन्दर लड़की ने अपनी कुल्हाड़ी उठायी और बजाय बछड़े के सिर पर मारने के अपनी बदसूरत बहिन के सिर पर दे मारी। उसकी वह बदसूरत बहिन वहीं की वहीं तुरन्त ही मर गयी।

बस फिर वह तुरन्त ही कूद कर बछड़े पर बैठ गयी और वे दोनों वहॉ से भाग निकले।

वे तब तक भागते रहे जब तक वे एक घास के मैदान में नहीं आ गये। वहॉ एक बहुत अच्छी घास उग रही थी। क्योंकि उस लड़की के पास बहुत सारे कपड़े नहीं थे तो उसने वहॉ से वह सुन्दर घास तोड़ कर अपने लिये एक कोटी[49] बनायी।

वे फिर वहॉ से चल दिये और चलते चलते एक राजा के महल में आ पहुँचे। वहॉ जा कर लड़की ने पूछा कि क्या उनको किसी नौकर की जरूरत थी।

[49] Coatie is a small blouse type clothe to wear, with sleeves or without sleeves, worn over the usual clothes. See its picture above.

रानी ने कहा कि हॉ उसको अपनी रसोई में किसी की जरूरत थी और अगर वह लड़की वहॉ काम करना चाहे तो वह उसको अपनी रसोई में काम करने के लिये रख लेगी।

वह लड़की राजी हो गयी और उस रानी ने राशिन कोटी[50] को अपने रसोई में काम करने के लिये रख लिया।

राशिन कोटी बोली कि वह वहीं रुक जायेगी अगर वे उसके बछड़े को भी वहीं रख लेंगे। वे लोग राजी हो गये तो वह लड़की और बछड़ा दोनों वहीं राजा के महल में ही रुक गये। सभी उन दोनों से बहुत खुश थे।

जब यूल[51] का समय आया तो उन लोगों ने उस लड़की को घर में ही रोक लिया और कहा कि आज का खाना वह बनायेगी और बाकी सब लोग चर्च जायेंगे।

जब वे सब चर्च चले गये तो बछड़े ने उस लड़की से पूछा कि क्या वह भी चर्च जाना पसन्द करेगी?

वह बोली वह जा तो सकती थी पर उसके पास तो वहॉ जाने के लिये पहनने के लिये कपड़े ही नहीं हैं। वह वहॉ कैसे जायेगी। इसके अलावा वह शाम का खाना बनाना भी नहीं छोड़ सकती थी।

[50] Rashin Coatie became the name of that beautiful girl.

[51] Yule or Yuletide ("Yule time") is a religious festival observed by the historical Germanic peoples, later undergoing Christianised reformulation resulting in the now better known Christmastide. It is near Winter solstice time.

बछड़ा बोला कि वह उसको कपड़े भी दे देगा और उसका शाम का खाना भी बना देगा। वह बाहर गया और एक बहुत सुन्दर सी सिल्क और साटिन की पोशाक ले कर लौटा। उस पोशाक के साथ वह एक जोड़ी सुन्दर जूते भी लाया था।

लड़की ने वह पोशाक पहनी जूते पहने और जाने लगी तो बछड़ा बोला — "तुम जा तो रही हो पर वहॉ से जल्दी आ जाना।"

यह सुन कर वह चर्च चली गयी। वहॉ उसे कोई नहीं पहचान सका कि वह राशिन कोटी है। वहॉ तो वे सब बस यही सोचते रहे कि यह सुन्दर सी लड़की कौन है।

जैसे ही नौजवान राजकुमार ने उसको देखा तो वह तो उससे देखते ही प्यार करने लगा। उसने अपने मन में तय कर लिया कि उसके घर जाने से पहले वह यह जान कर ही रहेगा कि वह है कौन।

पर राशिन कोटी तो सब लोगों के वहॉ से जाने से पहले ही चल दी ताकि वह घर जल्दी पहुँच कर अपनी पोशाक उतार सके और खाने का इन्तजाम कर सके।

जब राजकुमार ने उसको जाते हुए देखा तो वह उसको रोकने के लिये दरवाजे की तरफ भागा। राजकुमार को अपने पीछे आते देख कर वह भी वहॉ से कूद कर भागी तो जल्दी में उसका एक जूता उसके पैर से निकल गया।

राजकुमार उसके पीछे पीछे आ रहा था सो उसने वह जूता उठा लिया और रख लिया। राशिन कोटी जब घर पहुँची तो उसने देखा कि बछड़े ने तो सारा खाना बना कर रख लिया था। सबने उस बछड़े के हाथ के बने खाने की बहुत तारीफ की।

अब राजकुमार ने तो तय कर रखा था कि वह यह पता लगा कर ही रहेगा कि वह सुन्दर लड़की कौन है। उसने अपने नौकरों को वह जूता दिया और उनको सारे देश में जाने के लिये कहा कि वे वह जूता ले जायें और सब स्त्रियों को पहना कर देखें कि वह किसके पैर में ठीक आता है।

राजकुमार ने यह भी कहा कि जिस किसी के पैर में वह जूता आ जायेगा वह उसी से शादी करेगा। राजकुमार के नौकर बहुत सारे घरों में गये और बहुत सारी स्त्रियों को वह जूता पहना कर देखा पर वह तो किसी के पैर में आया ही नहीं।

वह जूता बहुत ही छोटा और बहुत ही सफाई से बना हुआ था।

आखिर वे हैनवाइफ[52] के घर आये। उसकी बेटी के पैर भी बहुत छोटे थे पर जब उसको वह जूता पहनाया गया तो वह उसके पैर में भी नहीं आया।

[52] Henwife (its plural is Henwives) – is a woman in charge of domestic fowls.

पर उसको तो जूता पहनना ही था सो उस जूते को पहनने के लिये उसने अपने पैर की इतनी उँगलियाँ काट लीं जब तक कि वह जूता उसके पैर में नहीं आ गया।

पर यह देख कर राजकुमार बहुत गुस्सा हुआ क्योंकि उसको मालूम था कि वह वह लड़की नहीं थी जिसे वह पसन्द करता था पर वह क्या करता।

उसने वायदा किया था कि जिस किसी के भी पैर में यह जूता आ जायेगा मैं उसी से शादी करूँगा सो उसको अपना वायदा तो निभाना ही था। वह शादी के लिये तैयार हो गया।

शादी का दिन आ गया तो वे सब चर्च चले कि एक छोटी सी चिड़िया उड़ती हुई आयी और गाने लगी —

कटे हुए पैर तो घोड़े के साज़ पर बैठे हैं पर सुन्दर पैर तो रसोईघर में हैं

राजकुमार बोला — "यह चिड़िया क्या बोल रही है?"

हैनवाइफ बोली — "तुमको क्या करना है इस जंगली चिड़िया की बात सुन कर?"

पर राजकुमार बोला — "फिर से गाओ न ओ सुन्दर चिड़िया।" और उस चिड़िया ने फिर गाया —

कटे हुए पैर तो घोड़े के साज पर बैठे हैं पर सुन्दर पैर तो रसोईघर में हैं

राजकुमार ने तुरन्त ही अपना घोड़ा मोड़ लिया और घर वापस लौट चला। वह सीधा अपने पिता के रसोईघर में गया। वहाँ राशिन कोटी बैठी थी। वह इतनी सुन्दर थी कि उसने उसको तुरन्त ही पहचान लिया।

जब उसने उस जूते को पहना तो वह उसके पैर में बिल्कुल ठीक आ गया। राजकुमार ने राशिन कोटी से शादी कर ली और वे खुशी खुशी रहने लगे। उन्होंने उस लाल बछड़े के लिये भी एक घर बनवा दिया जो राशिन कोटी का इतना भला चाह रहा था।

9 पैपैलियूगा या सोने का जूता[53]

सिन्डरैला जैसी यह कहानी यूरोप महाद्वीप के सरबिया देश में कही सुनी जाती है। यह कहानी **1914** में प्रकाशित गयी थी इसे वहीं से लिया गया है।

एक बार की बात है कि सरबिया देश[54] में एक पहाड़ की चोटी के पास एक ऊँचे घास के मैदान में कुछ लड़कियाँ सूत कातती जा रही थीं और साथ में जानवर भी चराती जा रही थीं।

तभी वहाँ पर एक अजीब सी शक्ल वाला एक बूढ़ा आया जिसकी सफेद दाढ़ी उसकी कमर तक पहुँच रही थी।

उसने उनसे कहा — "ओ सुन्दर लड़कियों, यहाँ पर ज़रा इस पहाड़ी के नीचे वाली खाई से सँभल कर रहना क्योंकि अगर तुममें से

---

[53] Pepelyouga – a fairy tale from Serbia, Europe.
This story is taken from the Web Site : http://www.pitt.edu/~dash/type0510a.html#perrault
Translated and edited by DL Ashliman.
Charles Perrault took it from the book : Hero Tales and Legends of the Serbians by Woislav M Petrovitch. NY: Frederick A Stokes Company, preface dated 1914), pp. 224-30.
Link to another translation of this tale, here titled "Papalluga; or, The Golden Slipper" in the book : Serbian Folk-Lore: Popular Tales, selected and translated by Madam Csedomille Mijatovies, edited by W. Denton. London: W Isbister and Company, 1874, pp. 59-66.

[54] See the map of Serbia above for its locaton – in Europe.

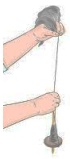

किसी की भी तकली[55] उसमें गिर गयी तो उसकी माँ तुरन्त ही गाय बन जायेगी।"

ऐसा कह कर वह बूढ़ा तो वहाँ से गायब हो गया पर वे लड़कियाँ उसकी इस बात से बहुत आश्चर्यचकित हो गयीं।

वे इस अजीब घटना के बारे में बात करती हुई उसी खाई की तरफ बढ़ीं जिसके बारे में वह बूढ़ा बात कर रहा था। असल में उस खाई में अब उनको कुछ कुछ रुचि होने लगी थी।

वे वहाँ जा कर उस खाई में झाँकने लगीं जैसे वे वहाँ कोई अजीब दृश्य देखने की उम्मीद में हों कि अचानक ही उन लड़कियों में जो सबसे सुन्दर लड़की थी उसके हाथ से उसकी तकली उस खाई में गिर गयी।

इससे पहले कि वह उसको पकड़ सकती वह तो कई चट्टानों से टकराती हुई उस खाई की गहराइयों में गिर पड़ी। वह बेचारी भौंचक्की सी आपने साथ की लड़कियों की तरफ देखती रह गयी।

जब वह शाम को घर वापस लौटी तब उसको उस बूढ़े के शब्दों की सच्चाई का अन्दाज लगा। उसकी माँ उसके घर के आगे गाय बनी खड़ी थी।

कुछ समय बाद उसके पिता ने दूसरी शादी कर ली। उसकी दूसरी पत्नी एक विधवा थी और जब वह अपने नये पति के घर

[55] Translated for the word "Spindle". See its picture above.

आयी तो अपने साथ अपने पहले पति की एक बेटी को भी साथ ले कर आयी।

उसको अपने नये पति की यह बेटी बहुत अच्छी नहीं लगती थी क्योंकि उसके पति की यह बेटी बहुत सुन्दर थी और गुणवान थी। उसकी सौतेली मॉ को यह बिल्कुल पसन्द नहीं था कि कोई उसकी अपनी बेटी से ज़्यादा सुन्दर या गुणवान हो।

उस नयी पत्नी की यह जलन इतनी बढ़ी कि उसने उसको अपना चेहरा धोने के लिये, अपने बाल बनाने के लिये और कपड़े बदलने के लिये भी मना कर दिया। उसने उसकी हालत बहुत दर्दनाक बना दी थी।

एक दिन उसने उस लड़की को एक थैला भर कर रुई दी और कहा — "अगर तूने इस रुई को शाम तक बढ़िया सूत में नहीं काता तो तो तू शाम को घर मत लौटना। और अगर लौटी तो मैं तुझे मार दूँगी।"

वह लड़की बेचारी बहुत ही दुखी हो कर सूत कातती हुई जानवरों के पीछे पीछे चल दी। जब दोपहर हुई तो जानवर पेड़ों के नीचे साये में लेट गये। तब उसने देखा कि उसका तो बहुत ही कम सूत कता है। यह देख कर वह बहुत ज़ोर ज़ोर से रोने लगी।

वह दूसरे जानवरों के साथ अपनी मॉ गाय को भी घास के मैदान में चराने के लिये ले जाया करती थी।

जब उसकी मॉ गाय ने अपनी बेटी की आखों में ऑसू देखे तो वह उसके पास आयी और बोली — "मेरी प्यारी बच्ची, थोड़ा धीरज रखो। तुम यह रुई मेरे मुँह में रखो। मैं उसको चबाऊँगी तो मेरे कान में से कता हुआ धागा निकलेगा।

तुम उस कते हुए धागे का एक सिरा पकड़ लेना और उसको एक अटेरन[56] पर लपेटती जाना।" लड़की ने वैसा ही किया।

सारी रुई बहुत जल्दी कत गयी। जब वह शाम को घर पहुँची और सारी कती हुई रुई अपनी सौतेली मॉ को दी तो वह बहुत आश्चर्य करने लगी कि इतनी सारी रुई इसने इतनी जल्दी कैसे कात ली पर रुई तो कत चुकी थी।

अगली सुबह उसकी सौतेली मॉ ने उसको पहले दिन से दोगुनी रुई कातने के लिये दी पर उसकी अपनी मॉ ने उसकी उस रुई को कातने में भी सहायता की और उसकी वह सब रुई बहुत थोड़ी देर में ही कात दी।

वह लड़की जब वह कती हुई रुई ले कर रात को घर पहुँची तो उसकी सौतेली मॉ को लगा कि वह अकेली ही उस रुई को नहीं कात सकती थी। हो सकता है कि उसकी दोस्त लड़कियॉ उसको सहायता कर रही हों।

[56] Translated for the word "Distaff". See its picture above.

अगली सुबह उसने अपनी बेटी को उसके ऊपर निगाह रखने के लिये और उसने वहॉ क्या देखा यह उसको बताने के लिये उसके साथ भेजा।

उसकी अपनी बेटी ने जल्दी ही देख लिया कि एक गाय ने रुई को चबा कर उसका सूत बना कर उस बेचारी लावारिस लड़की की सहायता की। उस लड़की ने फिर उस कते हुए सूत को अटेरन पर लपेट लिया।

वह तुरन्त ही घर दौड़ी गयी और जा कर अपनी मॉ को बताया कि उसने वहॉ क्या देखा। इस पर वह सौतेली मॉ बहुत गुस्सा हुई और उसने अपने पति से कहा कि उसको फलॉ फलॉ गाय को मरवाना है।

पहले तो उसका पति थोड़ा हिचकिचाया पर जब उसकी पत्नी ने बार बार कहा तो वह उस गाय को मारने पर राजी हो गया। जब उस पिता की बेटी को अपने पिता के इस फैसले का पता चला कि वह उस गाय को मारने वाला है जो उसकी मॉ है तो वह बहुत रोयी बहुत रोयी।

और जब उसकी मॉ गाय ने देखा कि उसकी बेटी रो रही थी तो उसने अपनी बच्ची से पूछा कि वह क्यों रो रही थी तो उसने अपनी मॉ गाय को बताया कि उसके साथ क्या होने वाला है।

उसकी मॉ गाय ने उसको तसल्ली दी और कहा — "अपने ऑसू पोंछ लो बेटी और रोओ नहीं। तुम एक काम करना जब वे मुझे मार दें तो तुम ख्याल रखना कि तुम मेरा मॉस नहीं खाना।

बाद में तुम मेरी हड्डियॉ इकट्ठी कर लेना और उन्हें घर के पीछे वाले पत्थर के नीचे दबा देना। फिर जब भी तुमको मेरी सहायता की जरूरत हो तो तुम मेरी कब्र पर आ जाना तुमको वह सहायता मिल जायेगी।"

गाय को मार दिया गया और जब उसकी बेटी को उसका मॉस खाने के लिये दिया गया तो उसने उसको खाने से मना कर दिया। उसने बहाना बनाया कि उसको भूख नहीं है।

सब लोगों के खाना खाने के बाद उसने गाय की हड्डियॉ इकट्ठी कीं और उनको उसने वहीं दबा दिया जहॉ उसकी मॉ ने कहा था।

लड़की का नाम तो मारा[57] था पर क्योंकि उसको घर का बहुत मुश्किल काम करना पड़ता था, जैसे पानी लाना, कपड़े धोना, सफाई करना उसकी सौतेली मॉ और सौतेली बहिन उसको पैपैल्यूगा या सिन्डरैला[58] कह कर बुलाती थीं।

[57] Marra – the name of the daughter of the father.

[58] Pepelyouga or Cinderella

एक रविवार को पैपैल्यूगा की सौतेली मॉ और बहिन चर्च जाने के लिये तैयार हुईं तो उसकी सौतेली मॉ ने एक टोकरी भर कर जौ[59] बिखेर दिये और बोली — "सुन ओ पैपैल्यूगा, अगर जब तक हम चर्च से वापस आये और तब तक तूने यह सारा जौ इकट्ठा नहीं किया और खाना नहीं बना कर रखा तो मैं तुझे जान से मार दूँगी।"

इतना कह कर वे दोनों मॉ बेटी चर्च चली गयीं। उनके जाने के बाद वह लड़की बेचारी फिर रोने बैठ गयी। उसने सोचा कि "खाना तो ठीक है मैं बना लूँगी पर मैं यह इतना सारा जौ कैसे इकट्ठा करूँगी?"

तभी उसको अपनी मॉ गाय के शब्द याद आये कि अगर कभी उसको कोई भी परेशानी हो तो वह उसकी कब्र पर चली आये। उसकी परेशानी दूर हो जायेगी।

सो वह तुरन्त ही घर के पीछे उस गाय की कब्र पर भागी भागी गयी तो उसने क्या देखा कि एक बक्सा उसकी कब्र पर खुला पड़ा है और उसमें एक बहुत सुन्दर सी पोशाक और एक लड़की के सजने के लिये सारा जरूरी सामान रखा है। और दो फाख्ताऐं[60] उस बक्से के ढक्कन पर बैठी हुई थीं।

[59] Translated for the word "Barley" – a kind of grain used to make porridge and bread (Roti)ee i. Sts picture above

[60] Translated for the word "Dove". See its picture above.

जैसे ही वह लड़की उस बक्से के पास पहुँची तो वे फाख्ताऐं बोलीं — "मारा, इनमें से जो भी पोशाक तुमको पसन्द हो वह ले लो। उस पोशाक को पहन कर और तैयार हो कर तुम चर्च जाओ। जौ इकट्ठा करने का और दूसरा काम हम देख लेंगे कि सारा काम ठीक से हो गया है या नहीं।"

मारा को दोबारा कहने की जरूरत नहीं थी। उसने पहली सिल्क की पोशाक निकाल कर पहनी, तैयार हुई और चर्च चल दी।

जब वह वहाँ दरवाजे पर पहुँची तो चर्च में सारे लोग उसको देखने लगे। चाहे वह कोई आदमी हो या स्त्री सभी कोई उसकी सुन्दरता और कीमती पोशाक की तारीफ कर रहे थे।

पर वे सब यही सोच रहे थे कि वह कौन थी और कहाँ से आयी थी क्योंकि उनमें से कोई भी उसको पहचान नहीं पा रहा था।

इत्तफाक से ज़ार का बेटा[61] राजकुमार भी उस समय चर्च में बैठा हुआ था। वह भी उस लड़की की तारीफ किये बिना न रह सका।

चर्च की पूजा खत्म होने से ठीक पहले ही मारा चर्च छोड़ कर अपने घर चली गयी। घर पहुँच कर उसने अपने चर्च वाले कपड़े

[61] Czar or Tzar or Tsar is an informal title for certain high-level officials in the United States and the United Kingdom. In the United Kingdom, the term tsar is more loosely used to refer to high-profile appointments who devote their skills to one particular area. This was a title of the ruler of Russia before 1917.

उतारे और उनको वापस उसी बक्से में रख दिया। वह बक्सा भी तुरन्त ही बन्द हो गया और वहॉ से गायब हो गया।

वहॉ से मारा फिर रसोईघर की तरफ भागी तो देखा कि खाना तो बिल्कुल तैयार था और जौ भी इकट्ठा कर के टोकरी में रखा हुआ था।

जल्दी ही उसकी सौतेली मॉ और बहिन भी घर वापस लौट आयीं। उनको यह देख कर बड़ा आश्चर्य हुआ कि खाना तैयार था, जौ इकट्ठा कर के टोकरी में रखा था और घर की सारी चीज़ें तरतीब से रखी थीं।

सौतेली मॉ के दिमाग में तो अब इस सब काम को इतनी जल्दी खत्म करने का भेद जानने की इच्छा हो आयी कि यह सब काम इस लड़की ने इतनी जल्दी कैसे खत्म कर लिया।

अगले रविवार को भी बिल्कुल ऐसा ही हुआ सिवाय इसके कि अबकी बार मारा को उस बक्से में रुपहली पोशाक मिली। जब वह उस रुपहली पोशाक को पहन कर चर्च पहुँची तो राजकुमार को वह इतनी अच्छी लगी कि वह उसके ऊपर से अपनी ऑखें ही नहीं हटा सका।

इस बार भी सब यही सोचते रहे कि वह कौन थी और कहॉ से आयी थी क्योंकि उसको फिर कोई नहीं पहचान सका।

तीसरे रविवार को मारा की सौतेली मॉ और बहिन फिर से चर्च जाने के लिये तैयार हुईं। उन्होंने फिर से जौ जमीन पर बिखेर दिये और अपनी धमकियॉ फिर से दोहरा कर वे चर्च चली गयीं।

उनके जाने के बाद मारा फिर से अपनी मॉ की कब्र पर गयी तो वहॉ उसने पहले की तरह से फिर से वह बक्सा खुला पाया और दो फ़ाख्ता बैठी पायीं। उस बक्से में उसके लिये पोशाक थी और तैयार होने का सामान।

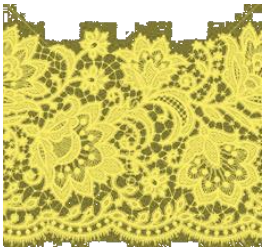

इस बार यह पोशाक सुनहरी लेस[62] लगी पोशाक थी। उसने जल्दी जल्दी वह पोशाक पहनी और तैयार हो कर चर्च चल दी। वहॉ पहले की तरह से लोगों ने फिर उसकी तारीफ की और अबकी बार पहले से भी ज़्यादा तारीफ की।

आज ज़ार का बेटा उस लड़की को अपनी ऑखों से ओझल होने देने के लिये नहीं आया था बल्कि उसका पीछा कर के यह जानने के लिये आया था कि वह कहॉ जाती है।

जैसे ही चर्च की पूजा खत्म हुई मारा वहॉ से पहले की तरह चुपचाप उठी और घर चल दी। पर राजकुमार भी उस पर निगाह जमाये बैठा था सो उसके उठते ही वह भी अपनी सीट से उठ गया और उसके पीछे पीछे चल दिया।

[62] Lace may be a trimmimg to beautify the dress or it may be the cloth of net work. See its picture above.

मारा जल्दी जल्दी घर जा रही थी क्योंकि उसके पास घर पहुँचने के लिये बहुत समय नहीं था। इस जल्दी में उसका एक जूता उसके पैर में से निकल गया। जल्दी की वजह से वह उस जूते को उठाने के लिये भी नहीं रुक पायी और अपने घर की तरफ चलती ही चली गयी।

मारा तो राजकुमार की ऑखों से ओझल हो गयी पर उसका सुनहरी जूता उसको मिल गया। उसने वह जूता उठा लिया और अपनी जेब में रख लिया।

घर पहुँच कर मारा ने अपने कपड़े उसी बक्से में रखे दिये और घर की तरफ दौड़ गयी।

इधर राजकुमार ने तय किया कि वह अपने पिता के राज्य के घर घर में जा कर उस लड़की का पता चलायेगा जिसका वह जूता था। इसके लिये वह सब घरों की सुन्दर सुन्दर लड़कियों के पास गया और उनसे जूता पहन कर देखने के लिये कहा।

पर उसकी यह कोशिश नाकामयाब रही क्योंकि कुछ लड़कियों के पैर में यह जूता बड़ा था तो कुछ के पैर में छोटा। कुछ के पैर में यह तंग था तो कुछ के पैर के लिये चौड़ा। कोई भी लड़की ऐसी नहीं थी जिसके पैर में वह जूता ठीक से आ जाता।

घर घर भटकते हुए राजकुमार मारा के पिता के घर आया। मारा की सौतेली मॉ तो उसके आने की उम्मीद में ही बैठी थी। उसने

अपनी सौतेली बेटी को अपने ऑगन में एक बक्से के नीचे छिपा दिया।

जब राजकुमार ने पूछा कि क्या उसके कोई बेटी है तो उसने उसको बताया कि हॉ उसके एक बेटी है। कह कर वह अपनी बेटी को वहॉ ले आयी। राजकुमार ने उसको वह जूता पहन कर देखने के लिये कहा।

जब उस लड़की ने अपना पैर उस जूते में डाला तो उसने उसको जूते में घुसाने की बहुत कोशिश की पर उसके तो पैर की उॅगलियॉ जाने की भी जगह उसमें नहीं थीं।

इस पर राजकुमार ने उस सौतेली मॉ से पूछा कि क्या यह सच था कि उसके घर में उसके अलावा कोई और लड़की नहीं थी। मॉ बोली हॉ यह सच है।

उसी समय एक मुर्गा उस बक्से पर कुकड़ूॅ करता हुआ उड़ा और बोला — "वह तो यहॉ बैठी है इस बक्से के नीचे।"

सौतेली मॉ गुस्से से चिल्लायी — "शशश। जा यहॉ से। भगवान करे तुझे गरुड़[63] पकड़ ले और उड़ा कर ले जाये।"

यह सुन कर राजकुमार की उत्सुकता और बढ़ गयी। वह बक्से के पास गया और उसको खोला तो उसके आश्चर्य का तो ठिकाना

[63] Translated for the word "Eagle". See its picture above.

न रहा जब उसने देखा कि उस बक्से में तो वह लड़की बैठी हुई है जिसको उसने चर्च में तीन बार देखा था।

वह वहॉ वही सुनहरी लेस की पोशाक पहने बैठी थी जो उसने आखिरी बार चर्च में पहनी थी और उसके पैर में अभी भी दूसरा सुनहरा जूता था। राजकुमार ने उसको तुरन्त ही पहचान लिया तो वह तो खुशी को मारे पागल हो उठा।

उसने उस लड़की को बड़ी सॅभाल कर उठाया और उसको अपने महल ले गया। बाद में उसने उससे शादी कर ली और वे दोनों खुशी खुशी रहने लगे।

10 सिन्डर नौकरानी[64]

सिन्डरैला की यह कहानी बड़ी अजीब है। यह कहानी किसी खास देश की कहानी नहीं है। इसके लेखक ने इसको यूरोप के कई देशों में प्रचलित सिन्डरैला की कई कहानियों को मिला कर लिखा है।

अब तक तुम लोगों ने यूरोप के अलग अलग देशों से ली गयी कई कहानियॉ पढ़ी हैं। तो लो पढ़ो यूरोप के कई देशों प्रचलित सिन्डरैला की कहानियों की यह मिली जुली कहानी और पहचानो कि इस कहानी का कौन सा हिस्सा वहॉ की किस कहानी से लिया गया है।

यह न तो तुम्हारे समय की बात है, न ही मेरे समय की बात है और न ही किसी और के समय की बात है। यह तो बस एक बार की बात है कि एक राजा था जिसके एक ही बेटा था। वही राजकुमार भी था और वही राजा का वारिस भी था।

वह अब नौजवान हो रहा था सो राजा को उसकी शादी की चिन्ता हुई।

---

[64] Cinderella or Little Glass Slipper – a fairy tale from Europe. Written by Joseph Jacobs.
Taken from the Web Site : http://www.pitt.edu/~dash/type0510a.html#perrault
Translated by DL Ashliman.
Taken from the book "Europa's Fairy Book", by Joseph Jacobs.
Jacobs has reconstructed this tale based on his analysis of the common features of hundreds of variants collected throughout Europe.

एक दिन राजा ने अपने मुनादी करने वाले को बुलाया और उससे कहा कि वह राज्य में चारों तरफ जहॉ भी दो सड़कें मिलती हों वहॉ अपना बिगुल बजा दे।

और जब सब लोग वहॉ इकट्ठा हो जायें तो वह उनसे कहे कि — "सुनो सुनो सुनो। राजा अगले सोमवार को सेनाइट[65] के बाद – यानी कि सात रात के बाद एक नाच का इन्तजाम करने जा रहे हैं और उसमें सब कुलीन लड़कियों को बुलाया जाता है।

इसके अलावा आप सब लोगों को यह भी बताया जाता है कि इस नाच में से राजकुमार अपने लिये अपनी पत्नी चुनेगा जो हमारी रानी बनेगी। भगवान राजा की रक्षा करे।"

अब ऐसा था कि राजा के दरबार में एक कुलीन आदमी ऐसा भी था जिसकी दो शादियॉ हुई थीं। पहली शादी से उसके एक बेटी थी पर उस लड़की की मॉ मर गयी थी सो उसने सोचा कि उस बच्ची की देख भाल के लिये किसी को रख लिया जाये।

यही सोचते हुए उसने दूसरी शादी कर ली। उस दूसरी स्त्री के भी अपनी दो बेटियॉ थीं।

उसकी नयी पत्नी बजाय उसकी पहली पत्नी की लड़की की देख भाल करने के केवल अपनी ही लड़कियों के बारे में ही सोचती थी और हमेशा उन्हीं को सब कुछ देती थी।

[65] Sennight means after a week or after seven nights

जैसे वह केवल अपनी ही बेटियों को अच्छे कपड़े पहनाती सौतेली बेटी को नहीं। उसको तो वह हमेशा अपनी बेटियों के उतरे हुए कपड़े ही पहनाती थी।

उस कुलीन आदमी की पहली पत्नी की बेटी घर का सारा छोटा छोटा काम करती। वह रसोईघर में सारा काम करती और फिर अँगीठी के पास राख से निकाले गये कोयलों के पास जा कर लेट जाती। इसी लिये लोग उसको सिन्डर नौकरानी[66] कह कर बुलाते थे।

तुम सब लोग सोच सकते हो कि वहाँ के लोग कितने खुश होंगे जब उन्होंने राजा की वह मुनादी सुनी होगी। उस मुनादी को सुन कर उस स्त्री की दोनों बेटियाँ बोलीं — "माँ हम उस दिन क्या पहनें? माँ हम उस दिन क्या पहनें?"

और बस उस दिन के बाद से तो वे अपनी पोशाक के बारे में ही बात करती रहीं कि कौन सी पोशाक एक के ऊपर अच्छी लगेगी तो कौन सी पोशाक दूसरी पर।

पर जब पिता ने कहा कि सिन्डर नौकरानी को भी एक पोशाक चाहिये तो वे सब चिल्ला उठीं — "क्या? यह सिन्डर नौकरानी भी राजा के महल में नाच के लिये जायेगी?"

"क्यों? वह नहीं जा सकती क्या?"

[66] A woman who rakes the cinders in ashes.

"ज़रा उसकी तरफ तो देखो। वह तो वहॉ हमारी सबकी बदनामी करा कर ही रहेगी।" यह सुन कर तो उसका पिता चुप हो गया।

अब जब शाही नाच का दिन आया तो सिन्डर नौकरानी को अपनी बहिनों की उनको उनके नाच वाले अच्छे कपड़े पहनने में सहायता करनी थी और अपने माता पिता के साथ गाड़ी में बिठा कर विदा करना था जो उसने किया।

सिन्डर नौकरानी की मॉ की कब पर एक हैज़लनट[67] का पेड़ लगा हुआ था। सो यह सब करने के बाद वह अपनी मॉ की कब्र पर गयी और वहॉ लगे हैज़लनट के पेड़ के नीचे बैठ कर रोने लगी और कहने लगी —

ओ मेरे पेड़ ओ मेरे पेड़ मैंने तुझे अपने ऑसुओं से सींचा है
तू मुझे एक सुन्दर लड़की बना दे और अच्छे शानदार कपड़े पहना दे

इसके साथ ही एक छोटी सी चिड़िया जो पेड़ पर बैठी थी बोली —

ओ सिन्डर नौकरानी ओ सिन्डर नौकरानी
पेड़ को हिला और पहली गिरी जो तुझे दिखे उसे तोड़

[67] Hazel Nut – a kind of nut. See its picture above.

सो सिन्डर नौकरानी ने हैज़लनट का पेड़ हिलाया और पहली गिरी जो उस पेड़ से गिरी उसको तोड़ा तो ज़रा सोचो कि उसमें उसने क्या देखा?

एक सिल्क की पोशाक बिल्कुल आसमान के नीले रंग जैसी, जो सारे में सितारों से कढ़ी हुई थी। और एक जोड़ी जूते जो चमकदार तॉबे[68] के बने हुए थे।

वह तुरन्त ही उनको पहन कर तैयार हो गयी तभी हैज़लनट का पेड़ खुला और उसमें से एक बहुत सुन्दर गाड़ी निकल आयी।

वह गाड़ी भी तॉबे की बनी हुई थी जिसमें दूध जैसे सफेद चार घोड़े जुते हुए थे। उस गाड़ी में उस गाड़ी का कोचवान भी था और पीछे नौकर भी खड़े हुए थे।

सिन्डर नौकरानी उस गाड़ी में बैठ गयी और गाड़ी चल दी। पीछे से चिड़िया बोली —

घर वापस आना घर वापस आना आधी रात से पहले नहीं तो तुम डरावनी लगोगी

जब सिन्डर नौकरानी नाच वाले कमरे में घुसी तो वह वहॉ बैठी सब लड़कियों में सबसे सुन्दर और सबसे प्यारी लड़की लग रही थी। और राजकुमार जो उसकी सौतेली बहिनों के साथ नाच रहा था उसको देख कर उनको छोड़ कर उसके साथ नाचने के लिये चला आया और उसने सिन्डर नौकरानी के साथ नाचना शुरू कर दिया।

[68] Translated for the word “Copper”. Copper is a metal.

जब आधी रात का समय आया तो सिन्डर नौकरानी को चिड़िया की बात ध्यान आयी सो वह वहॉ से खिसक कर अपनी गाड़ी में आ गयी।

जब राजकुमार ने देखा कि वह लड़की तो वहॉ नहीं है तो वह महल के चौकीदारों के पास गया और उनसे उसने उस गाड़ी का पीछा करने के लिये कहा जिससे सिन्डर नौकरानी अपने घर गयी थी।

पर सिन्डर नौकरानी ने जब उन चौकीदारों को आते देखा तो बोली —

कोहरा पीछे रोशनी आगे मुझे मेरे पिता के दरवाजे तक ले चल

सो जब वे चौकीदार उसका पीछा कर रहे थे तो उनके आगे इतना घना कोहरा छा गया कि उनको अपने चेहरे के आगे अपना हाथ भी दिखायी नहीं दे रहा था सो वे यह नहीं जान सके कि सिन्डर नौकरानी की गाड़ी किधर गयी। वे बेचारे ऐसे के ऐसे ही महल वापस आ गये।

जब सिन्डर नौकरानी के पिता, सौतेली मॉ और उसकी दोनों सौतेली बहिनें घर वापस आयीं तभी भी वे सभी उस लड़की की ही बातें कर रहे थे।

सिन्डर नौकरानी अपनी बहिनों के कपड़े उतारने में उनकी सहायता करने लगी तो उसकी बहिनों ने कहा — "ओह, क्या तुम को वहॉ होना अच्छा नहीं लगता?

वह एक बहुत ही सुन्दर लड़की थी जिसने नीले आसमानी रंग की बहुत सुन्दर पोशाक पहन रखी थी और उसके साथ उसने चमकीले तॉबे के जूते पहन रखे थे।

राजकुमार तो केवल उसी के साथ नाचता रहा और किसी के साथ भी नहीं। और जब आधी रात हुई तो बस वह तो गायब हो गयी और राजकुमार उसको ढूँढ ही न सका।

अब वह इस उम्मीद में दूसरे नाच की तैयारी कर रहा है कि शायद वह फिर से उसके नाच में आये। और अगर शायद न आये तब फिर शायद हमारी बारी आ जाये।"

जब नाच के दूसरे दिन का समय आया तो फिर पहले दिन की तरह से ही हुआ। सिन्डर नौकरानी की बहिनों ने उसको चिढ़ाया — "सिन्डर नौकरानी, क्या तुम हमारे साथ नाच में आना पसन्द नहीं करोगी?" और यह कह कर वे गाड़ी में बैठ कर चली गयीं।

सिन्डर नौकरानी फिर से अपने हैज़लनट के पेड़ के पास गयी और बोली —

ओ मेरे पेड़ ओ मेरे पेड़ कॉप और हिल ओ प्यारे छोटे पेड़
तू मुझे एक सुन्दर लड़की बना दे और अच्छे शानदार कपड़े पहना दे

पहले की तरह से पेड़ पर बैठी चिड़िया फिर बोली —

ओ सिन्डर नौकरानी ओ सिन्डर नौकरानी
पेड़ को हिला और पहली गिरी जो तुझे दिखे उसे तोड़

सिन्डर नौकरानी ने पेड़ हिलाया और जो भी पहली गिरी नीचे गिरी उसको तोड़ा तो इस बार उसको उसमें सुनहरी कत्थई रंग की कढ़ी हुई पोशाक मिली जैसे जमीन के ऊपर फूल कढ़े हों और चॉदी के जूते मिले।

और जब पेड़ में से गाड़ी निकल कर आयी तो लो देखो वह गाड़ी भी चॉदी की बनी हुई थी। उसमें काले घोड़े जुते हुए थे और उन पर चॉदी का साज पड़ा हुआ था। कोचवान और नौकर भी चॉदी की चीज़ों से सजे हुए थे।

सिन्डर नौकरानी तुरन्त गाड़ी में बैठी और महल की तरफ चल दी। जब वह नाच के कमरे में पहुॅची तो राजकुमार उसी का इन्तजार देख रहा था। वह बस उसी के साथ नाचना चाहता था और किसी के साथ नहीं।

जब आधी रात होने को आयी तो वह लड़की फिर से वहॉ से भागने लगी पर राजकुमार ने उसको भाग जाने से रोकने के लिये सीढ़ियों के नीचे अपने चौकीदारों को कह रखा था कि वे सीढ़ियों पर शहद डाल दें ताकि उस लड़की के जूते उसमें चिपक जायें।

पर सिन्डर नौकरानी छलॉग मार कर वहॉ से निकल गयी और चौकीदारों की पकड़ में नहीं आयी। राजकुमार ने पहले की तरह से अपने चौकीदारों को उसका पीछा करने के लिये भेजा पर सिन्डर नौकरानी भी पहले की तरह ही बोली —

कोहरा पीछे रोशनी आगे मुझे मेरे पिता के दरवाजे तक ले चल

और उसकी घोड़ी तो यह सुनते ही भाग ली और वे चौकीदार उसको पकड़ ही नहीं सके।

जब सिन्डर नौकरानी के पिता, सौतेली मॉ और बहिनें घर वापस आये तो एक बार फिर उन्होंने उस अनजान लड़की की बहुत तारीफ की जो चॉदी की गाड़ी में चॉदी के जूते पहन कर आयी थी।

वे बोलीं — "ओह सिन्डर नौकरानी, क्या तुम वहॉ होना पसन्द नहीं करतीं?"

राजकुमार ने इसी उम्मीद में एक बार फिर नाच का इन्तजाम किया था कि शायद अबकी बार वह आयेगी तो वह उसको पकड़ कर रखने में सफल हो जाये। पर सब कुछ वैसे ही हुआ जैसे पहले हुआ था।

जैसे ही सिन्डर नौकरानी की बहिनें नाच में गयीं सिन्डर नौकरानी फिर से अपनी मॉ की कब्र पर लगे हैज़लनट के पेड़ के पास पहुॅची और बोली —

ओ मेरे पेड़ ओ मेरे पेड़ कॉप और हिल ओ प्यारे छोटे पेड़
तू मुझे एक सुन्दर लड़की बना दे और अच्छे शानदार कपड़े पहना दे

पहले की तरह से पेड़ पर बैठी चिड़िया फिर बोली —
ओ सिन्डर नौकरानी ओ सिन्डर नौकरानी
पेड़ को हिला और पहली गिरी जो तुझे दिखे उसे तोड़

अबकी बार सिन्डर नौकरानी ने जब पहली गिरी हुई हैज़ल की गिरी तोड़ी तो उसमें से समुद्री हरे रंग की सिल्क की पोशाक निकली। इस बार उसके जूते सुनहरी थे।

और जब पेड़ में से गाड़ी बाहर निकली तो वह भी सुनहरी थी। उसके कोचवान नौकर और घोड़ों के साज भी सब सुनहरी थे। वह गाड़ी में बैठ गयी और गाड़ी चल दी। पीछे से चिड़िया ने पुकारा —
घर वापस आना घर वापस आना आधी रात से पहले नहीं तो तुम डरावनी लगोगी

अबकी बार जब सिन्डर नौकरानी नाच में आयी तो वह केवल राजकुमार के साथ ही नाचना चाहती थी और उसी तरह से राजकुमार भी सिन्डर नौकरानी के साथ ही नाचना चाहता था।

जब आधी रात हुई तो वह वहाँ से जाना ही भूल गयी। जब तक कि घड़ी ने एक दो तीन चार, आठ नौ दस घंटे नहीं बजाये उसको याद ही नहीं आया कि उसको वापस भी जाना था।

और घड़ी के घंटे बजते ही जब वह सीढ़ियों से नीचे कूदी तो उसका एक सुनहरी जूता उसके पैर में से निकल गया। जल्दी की वजह से वह उसे उठा भी न सकी।

बस उसी समय घड़ी ने बारह बजाये और उसकी सुनहरी गाड़ी, कोचवान, नौकर, बढ़िया पोशाक सभी कुछ गायब हो गया। रह गयी सिन्डर नौकरानी अपने पुराने कपड़ों में लिपटी और एक सुनहरी जूते में पैदल।[69] वह भागी भागी घर पहुँची।

अब तुम सोच सकते होगे कि सिन्डर नौकरानी की बहिनें कितनी खुश होंगी जब उन्होंने सिन्डर नौकरानी को सब बताया कि आज वह लड़की सुनहरी गाड़ी में आयी थी, समुद्री हरे रंग की पोशाक पहन कर आयी थी और किस तरह से आधी रात को सब कुछ गायब हो गया सिवाय उस लड़की के एक सुनहरे जूते के।

"ओह क्या तुमको वहाँ होना अच्छा नहीं लगता?"

उधर जब राजकुमार ने देखा कि वह उस दिन भी उस लड़की को नहीं पकड़ सका और न ही यह पता लगा सका कि वह कहाँ गायब हो गयी तो वह अपने पिता के पास गया और उनको उस लड़की का छोड़ा हुआ जूता दिखाया।

[69] [My Note : It is strange that her only one golden slipper remained as it is on her foot and rest of the things got disappeared. That slipper should also have disappeared but it didn't.]

वह बोला — "पिता जी मैं किसी और लड़की से शादी नहीं करूँगा सिवाय उस लड़की के जिसके भी पैर में यह जूता आ जायेगा।"

राजा ने फिर अपने कुछ आदमियों को बुलाया और वह जूता एक मखमल की गद्दी पर रख कर उनको दे कर कहा कि वे वह जूता ले जायें और हर चौराहे पर बिगुल बजा कर यह मुनादी पीटें

"सुनें सुनें सुनें। आप सब सुनें कि जिस किसी कुलीन लड़की के पैर में यह जूता आ जायेगा वही राजकुमार की पत्नी और हमारी रानी बनेगी। भगवान राजा की रक्षा करे।"

जब वह मुनादी पीटने वाला सिन्डर नौकरानी के पिता के घर आया तो सिन्डर नौकरानी की दो सौतेली बहिनों में से बड़ी वाली बहिन ने उस जूते में पैर डाल कर देखा तो वह उसके लिये बहुत छोटा था जैसा कि वह हर उस लड़की के लिये था जिसने भी उस को उससे पहले पहन कर देखा था।

पर वह उस जूते को ले कर अपने कमरे में गयी और उसको पहनने के लिये उसने एक तेज़ चाकू से अपने पैर की उँगलियाँ और थोड़ी सी अपनी एड़ी काट डालीं तब कहीं जा कर वह जूता उसके पैर में आया।

जूता पहन कर वह नीचे आयी और उस मुनादी पीटने वाले को दिखाया कि जूता उसके पैर में आ गया। मुनादी पीटने वाले ने

राजमहल में खबर भिजवा दी कि सुनहरे जूते वाली लड़की मिल गयी।

इस खबर पर तो राजकुमार खुशी से कूद पड़ा। वह अपने घोड़े पर कूद कर बैठा और सिन्डर नौकरानी के पिता के घर आ पहुँचा। पर जैसे ही उसने सिन्डर नौकरानी की सौतेली बहिन को देखा तो बोला — "पर यह तो वह लड़की नहीं है।"

वह लड़की बोली — "पर तुमने तो यह मुनादी पिटवायी थी कि जिस किसी लड़की के पॉव में यह सुनहरी जूता आ जायेगा तुम उसी से शादी करोगे।"

इस दलील को सुन कर राजकुमार कुछ नहीं कह सका और उस लड़की को अपने घोड़े पर बिठा कर अपने महल ले चला। उन दिनों लड़कियॉ घुड़सवार के पीछे घोड़े पर बैठ कर चली जाया करती थीं।

जब वह लड़की महल जा रही थी तो सिन्डर नौकरानी की मॉ की कब्र रास्ते में पड़ती थी। उस लड़की के पैर से खून टपक रहा था तो कब्र पर लगे हैज़लनट के पेड़ पर बैठी चिड़िया बोली —

घूमो और देखो घूमो और देखो जूते में खून है
एड़ी का टुकड़ा काटा गया है और अॅगूठे का भी

यह सुन कर राजकुमार ने पीछे मुड़ कर देखा तो देखा कि जूते में से तो खून की धार बह रही है। इससे उसको पक्का हो गया कि

यह लड़की उसकी पत्नी नहीं है। सो वह फिर सिन्डर नौकरानी के पिता के घर पहुँचा।

अबकी बार उस जूते को सिन्डर नौकरानी की दूसरी बहिन ने पहन कर देखा। उसके साथ भी वैसा ही हुआ जैसा कि उसकी बड़ी बहिन के साथ हुआ था।

उसके पैर में भी जूता नहीं आया और उसने भी जूता पहनने के लिये अपना अँगूठा और एड़ी काट डाली।

इसके बाद जब उसको जूता आ गया तो राजकुमार अबकी बार दूसरी बहिन को ले कर चला। लेकिन जब वह सिन्डर नौकरानी की माँ की कब्र के पास से गुजरा तो उस कब्र के पास लगे पेड़ पर बैठी चिड़िया फिर बोली —

घूमो और देखो घूमो और देखो जूते में खून है
एड़ी का टुकड़ा काटा गया है और अँगूठे का भी

राजकुमार ने फिर पीछे मुड़ कर देखा तो इस दूसरी लड़की के जूतों से भी खून टपक रहा था। राजकुमार जान गया कि यह लड़की भी उसकी पत्नी नहीं है। सो वह फिर सिन्डर नौकरानी के पिता के घर पहुँचा।

उसने सिन्डर नौकरानी के पिता से पूछा — "क्या आपके कोई और बेटी नहीं है?"

दोनों लड़कियाँ एक साथ चिल्लायीं — "नहीं।"

पर पिता बोला — "हॉ मेरे एक और बेटी भी है।"

पर वे लड़कियॉ एक साथ चिल्लायीं — "सिन्डर नौकरानी ये जूते नहीं पहन सकती।"

राजकुमार बोला — "क्योंकि वह एक कुलीन परिवार में जन्मी है इसलिये यह जूता पहनने का अधिकार उसको भी है।"

सो मुनादी पीटने वाला उनके रसोईघर में गया। वहॉ जा कर उसने सिन्डर नौकरानी को देखा तो उसको वह जूता दिखाया।

जब उसने वह जूता देखा तो उसने उसे ले लिया और उसको अपने पैर में पहन लिया। वह जूता उसके पैर में बिल्कुल ठीक से आ गया।

उस जूते को पहन कर उसने अपना दूसरा जूता कोयलों के नीचे से निकाला जो उसने वहॉ छिपा कर रखा था और उसको अपने दूसरे पैर में पहन लिया।

तब उस मुनादी पीटने वाले ने सोचा कि यही लड़की राजकुमार की पत्नी है। वह उसको सीढ़ियों से ऊपर ले गया जहॉ राजकुमार बैठा हुआ था।

राजकुमार ने जब उस लड़की का चेहरा देखा तो वह पहचान गया कि यही वह लड़की थी जो उसका प्यार थी। बस उसने उसको अपने घोड़े पर पीछे बिठाया और अपने महल ले चला।

बीच में सिन्डर नौकरानी की मॉ की कब्र पड़ी तो वहॉ लगे हैज़ल की गिरी के पेड़ पर बैठी चिड़िया बोली —

कुछ अपनी एड़ी काटते हैं कुछ अपने पैर की उँगलियाँ काटते हैं
पर यह वह है जो आग के पास बैठती है और जो जूता पहन सकती है

उसके बाद उन दोनों की शादी हो गयी और वे खुशी खुशी रहने लगे।

कुछ कहानियॉ और[70]

"सिन्डरैला यूरोप में–2" के इस भाग में सिन्डरैला की चार कहानियॉ और दी जा रही हैं। सिन्डरैला की कहानी यूरोप की परियों की शायद सबसे ज़्यादा जानी पहचानी और लोकप्रिय कहानी है।

यूरोप के बहुत सारे देशों में तो इसके कई रूप पढ़ने के लिये आसानी से मिल जाते हैं पर दूसरे देशों में भी इसको कई रूपों में पाया जाता है।

पढ़ने की सुविधा के लिये हमने इनको दो पुस्तकों में प्रकाशित किया है एक तो "सिन्डरैला यूरोप में" और दूसरे "संसार में कितनी सिन्डरैला"। यहॉ तक कि "सिन्डरैला यूरोप में" को भी हमें दो भागों में बॉटना पड़ा — "सिन्डरैला यूरोप में–1" और "सिन्डरैला यूरोप में–2"।

यूरोप के अलावा संसार के दूसरे देशों में कही सुनी जाने वाली सिन्डरैला जैसी कहानियॉ हमने अपनी तीसरी पुस्तक "संसार में कितनी सिन्डरैला" में दी हैं।

यहॉ सिन्डरैला कुछ जानवरों के बीच हुई बातचीत का एक विषय है जिसमें चार जानवर और पक्षी यह दावा करते हैं कि जिस

[70] These four tales have been taken from the Web Site : https://sites.google.com/site/whichistherealcinderella/introduction

सिन्डरैला को उन्होंने देखा है वही सिन्डरैला असली है और दूसरी नहीं।

आश्चर्यजनक रूप से ये चारों जानवर और पक्षी चार देशों से आते हैं – मिश्र, जर्मनी, फ्रांस और रूस और सभी यह कहते हैं कि उन्होंने जो सिन्डरैला देखी है वही सिन्डरैला असली है।

उनके वर्णन से लगता है कि वे सभी ठीक हो सकते हैं।

पर ऐसा कैसे हुआ? पर अगर तुम सिन्डरैला की कहानी के बहुत सारे रूप पढ़ोगे तो तुमको पता चलेगा कि वे सभी जानवर और पक्षी अपने अपने देश में कही सुनी जाने वाली कहानी का एक हिस्सा थे और जैसा उन्होंने देखा वैसा ही कहा इसी लिये ऐसा लगता है।

आओ पढ़ते हैं उनकी बातचीत और पता लगाते है कि यह माजरा क्या है...

होरस[71] बाज़ बोला — "मैं तो वहीं था जब सिन्डरैला का यह किस्सा हुआ। मैंने खुद उसको जूते दिये थे इसलिये मेरी सिन्डरैला ही असली सिन्डरैला है।"

कबूतर बोले — "नहीं, तुम गलत हो। असल में तो हमने ही उसको वह सुन्दर पोशाक पाने में सहायता की थी जिसको पहन कर वह नाच में गयी थी। इसलिये हमारी सिन्डरैला ही असली सिन्डरैला है।"

[71] Horus is the son of Egyptian God Osiris and Isis. He is the God of Sky. He is a Falcon-headed Man.

चूहे चिल्लाये — "तुम सब हमें धोखा दे रहे हो। हमको तो जब घोड़ों में बदल दिया गया तो हम तो खुद ही उसको नाच में ले कर गये थे इसलिये हमारी सिन्डरैला ही असली सिन्डरैला है। हम तो गलत हो ही नहीं सकते।"

बिल्ली बोली — "तुम लोगों को तो कुछ पता ही नहीं। नाच तो वहॉ था ही नहीं। सिन्डरैला तो वह लड़की थी जिसकी मैंने उसकी नीच आंटी के चंगुल से बच निकलने में सहायता की थी।"

होरस बाज़ बिल्ली से बोला — "ओह। लेकिन हमने तो तुमको वहॉ देखा ही नहीं। मैं होरस बाज़ हूँ और ये सब मेरे दोस्त हैं। हम लोगों में आपस में उन लड़कियों के बारे में एक छोटी सी बहस हो गयी थी जिनको हम जानते हैं।

मुझे यकीन है कि तुम लोग भी सिन्डरैला वाली परियों की कहानी जानते होगे। पर तुम यह नहीं जानते होगे कि वह कहानी कहानी नहीं बल्कि सच है और वह उसी लड़की की कहानी है जिसको कि हम दावा करते हैं कि हम जानते हैं।"

चूहे बोले — "सिन्डरैला की गौडमदर[72] ने हम चूहों को उसकी गाड़ी में जोतने के लिये घोड़ों में बदल दिया था और वह गाड़ी उसको नाच के लिये ले कर गयी थी। तुम लोगों को हमारा विश्वास

[72] A Godmother is a female godparent in the Christian tradition. A Godmother may also refer to: a female arranged to be legal guardian of a child if an untimely demise is met by the parents.

करना चाहिये कि हम ही वे लोग हैं जो असली सिन्डरैला को जानते हैं क्योंकि हम ही तो उसे ले कर गये थे।"

वह सुन्दर बिल्ली बोली — "मैं ही तो उस नीच स्त्री की पालतू बिल्ली थी और मैंने ही तो उस लड़की को उस नीच स्त्री से बच कर भाग निकलने में सहायता की। उसकी सौतेली मॉ तो उसको मार ही डालना चाहती थी।

मेरी कहानी वैसी तो नहीं है जैसी कि तुम लोगों ने सुनी है पर मेरा विश्वास करो कि मेरी कहानी ही सिन्डरैला की सच्ची कहानी है।"

कबूतर चहके — "तुम सब लोगों के पास सिन्डरैला के बारे में कुछ न कुछ बताने को है पर हम लोग तो सिन्डरैला को सालों से जानते हैं। हमारी ही वजह से वह अपना काम खत्म कर पायी और हमने ही उसको उस रात नाच में भेजने का इन्तजाम किया था।

हमने ही उसका काम खत्म करवाया फिर उसको नाच में जाने के लिये कपड़े दिलवाये। केवल हम ही उसको सचमुच में जानते हैं।"

होरस बाज़ बोला — "मैं बाज़ हूॅ। मैं यह दावा करता हूॅ कि मैंने ही उसका जूता राजकुमार को दिया था जिसकी वजह से उन दोनों की शादी हुई।

पर मुझको लगता है कि शायद हम सब अपने पढ़ने वालों को गड़बड़ा रहे हैं। ऐसा करते हैं कि हम सब अपनी अपनी कहानी

सुनाते हैं और फिर उन्हीं को और सब लोगों को एक बार हमेशा के लिये यह तय करने का मौका देते हैं कि असली सिन्डरैला कौन सी थी।

सबसे पहले मैं अपनी कहानी सुनाता हूँ क्योंकि मेरी कहानी सबसे पुरानी है। मेरी यह कहानी पुराने मिश्र में शुरू हुई थी... ।"

1 राडोपिस की कहानी[73]

होरस बाज़[74] ने कहना शुरू किया — "एक बार की बात है, बहुत बहुत बहुत पहले की, जब मैं एक बहुत ही छोटी सी चिड़िया हुआ करता था और मिश्र[75] में रहता था। उस समय मैं एक लड़की को जानता था जिसका नाम था राडोपिस[76]।

मैं मिश्र में कोई अकेली चिड़िया नहीं था जो उसको जानता था क्योंकि वह तो सब जीवों की दोस्त थी और हर उस जीव पर दया करती थी जो भी उससे मिलता था।

राडोपिस एक दासी[77] थी जिसको यूनान[78] से खरीदा गया था। वह एक घर में अपने मालिक और उसकी कई जवान दासियों के साथ रहती थी। वहाँ केवल कुछ ही लोग थे जो उसके साथ रहना पसन्द नहीं करते थे और वे थे उस घर की दासियाँ।

राडोपिस ने एक बार मुझसे कहा कि वह मिश्र से बाहर पैदा हुई थी। मुझको भी इसी बात का शक था कि वह मिश्र की थी ही नहीं

---

[73] The Story of Rhodopis – a fairy tale from Egypt, Africa. Taken from the Web Site : https://sites.google.com/site/whichistherealcinderella/the-story-of-rhodopis
[This story has been adapted from the original Cinderella story of Egypt "Egyptian Cinderella" given in the other book "Sansar Mein Kitni Cinderella". There it is taken from the web Site : http://www.surlalunefairytales.com/cinderella/stories/rhodopis.html]

[74] Horus is the son of Egyptian God Osiris and Isis. He is the God of Sky. He is a Falcon-headed Man.

[75] Egypt – a country in North-Eastern Africa

[76] Rhodopis – pronounced as Ra-doh-pes

[77] Translated for the word "Slave"

[78] Greece – a country in South-Eastern Europe, West to Italy on the coast of Mediterranean Sea

क्योंकि उसके बाल सुनहरी थे, उसकी ऑखें हरी थीं और उसकी करीब करीब खालिस सफेद खाल थी।

वह यूनान में पैदा हुई थी पर वह वहॉ से मिश्र भेज दी गयी थी और मिश्र के रहने वाले एक अमीर को दासी की तरह बेच दी गयी थी।

यह उसकी बड़ी अच्छी किस्मत थी कि उसका मालिक उसके साथ बहुत ही दया का बरताव करता था। उसने उसको एक जोड़ी सुनहरे जूते बनवा दिये थे ताकि जब वह काम करे तो उसके पैर खराब न हों।

पर जैसा कि मैं कह रहा था कि उस घर में रहने वाली दूसरी दासियॉ उसको बिल्कुल पसन्द नहीं करती थीं। मेरा ऐसा विश्वास है कि वह उसकी अलग सी शक्ल से जलती थीं और उनके जलने की एक वजह और भी थी वह यह कि वह अपने मालिक की भी बहुत प्यारी थी।

इसलिये वह थी भी जलने लायक। सारे जानवर उसको कभी कभी तो पूरा पूरा देख भी नहीं पा पाते थे।

मैं उन खेतों के बहुत ऊपर उड़ा करता था जहॉ वह काम करती थी और उसको देखता रहता था। उसके जैसी लड़की मैंने कभी कोई कहीं देखी ही नहीं थी। वह जो कोई भी काम करती थी मैं उसको बड़ी उत्सुकता से देखता रहता।

क्योंकि मैं उसे हमेशा ही देखता रहता तो मैं देखता कि दूसरी दासियॉ उसके साथ कितनी नीचता का व्यवहार करतीं। वह उससे और ज़्यादा काम करातीं और कभी भी उसको अपनी बहिन या दोस्त की तरह से नहीं मानतीं।

पर राडोपिस कभी भी अपने काम के बारे में कोई शिकायत नहीं करती। वह हमेशा ही यह चाहती कि वह हमेशा ही उन दासियों के साथ आनन्द करे और वे दासियॉ भी उसको खुशी से अपना स्वीकार कर लें पर ऐसा होता नहीं था।

आसमान का देवता होने के नाते मैं मिश्र के दूसरे हिस्सों को भी देखता रहता था। एक दिन मुझे पता चला कि कि मिश्र का फैरो[79] एक दावत देने वाला है जिसमें सब तरह के लोग बुलाये जायेंगे। मुझे लगा कि यह राडोपिस की ज़िन्दगी में आनन्द करने का आखिरी मौका था।

मैं इस खबर से इतना खुश था कि मैं उस दावत का बुलावा खुद उसके दरवाजे पर जा कर डाल कर आया।

जब दूसरी दासियों ने उस बुलावे को देखा तो मैंने उनको खुशी से चीखते हुए सुना पर राडोपिस के चेहरे पर कोई भाव नहीं था।

दूसरी लड़कियों ने उस दिन उसको घर का और ज़्यादा काम सौंपा ताकि वह उस दावत में न जा पाये। इससे मुझे बहुत परेशानी हुई और मैंने यह मामला खुद अपने हाथों में लेने का फैसला किया।

[79] Pharaoh of Egypt – the title of the king of ancient Egypt

मुझे मालूम था कि फैरो जैसा ताकतवर और कुलीन आदमी राडोपिस जैसी लड़की को ही पसन्द करेगा और उससे ऐसा ही व्यवहार करेगा जैसा कि उसके साथ किया जाना चाहिये सो मैंने राडोपिस का एक सुनहरी जूता चुराया और फैरो को ढूँढने चल दिया।

वह जूता ले जा कर मैंने फैरो की गोद में डाल दिया क्योंकि मुझे यह भी मालूम था कि जैसे ही वह मुझे देखेगा तो वह मेरे ऊपर ध्यान भी देगा।

मैं ठीक था। मुझे देखते ही उसने अपने दरबार को हुक्म दिया कि वे जा कर उस जूते की मालकिन को ढूँढें।

जब फैरो के लोग हफ्तों तक उस लड़की को ढूँढते हुए जिसका वह जूता था राडोपिस के घर पहुँचे तो मुझे उसे झाड़ियों में छिपते देख कर बड़ा आश्चर्य हुआ।

वह इतनी सीधी थी कि वह उस जूते को पहन कर देखने के लिये झाड़ियों में से बाहर ही नहीं आ रही थी जबकि उसको मालूम था कि वह जूता उसी का था।

धन्यवाद देते उसने हुए मुझसे सहायता मॉगी तो मैंने कुछ गिरियॉ[80] उसके पास वाली झाड़ी के पास डाल दीं ताकि उनके गिरने से

[80] Nuts. See their picture above.

कुछ आवाज हो और जिससे फैरो के आदमियों का ध्यान उस लड़की की तरफ चला जाये।

ऐसा ही हुआ। उन गिरियों के गिरने से आवाज हुई तो उन्होंने उस लड़की को देख लिया और उसको वह जूता पहना कर देखा।

वे यह देख कर बहुत ही आश्चर्यचकित हुए कि वह जूता उसके पैर में बिल्कुल ठीक आ गया। वह जूता पहन कर उसने अपनी जेब से दूसरा जूता निकाला और उसको भी पहन लिया।

फैरो खुद वहॉ आया और उसको देख कर उसको लगा कि उसने अपनी दुलहिन को पा लिया था। वह राडोपिस को अपने महल ले गया और वहॉ जा कर उससे शादी कर ली।

सो क्या तुम लोग अब भी यह नहीं मानते कि राडोपिस ही असली सिन्डरैला है? मैं कहता हूॅ कि राडोपिस ही असली सिन्डरैला है।"

2 जर्मन सिन्डरैला[81]

एक कबूतर बोला — "ठीक है होरस[82], हमने तुम्हारी कहानी तो सुन ली अब हम तुमको अपनी सिन्डरैला की कहानी सुनाते हैं।"

दूसरा कबूतर चहका — "हम तो उसको तबसे देखते चले आ रहे हैं जबसे वह एक छोटी सी लड़की थी। और क्योंकि मैंने उसको सबसे पहले देखा था इसलिये उसकी कहानी मैं ही सुनाऊँगा।

काफी पुरानी बात है कि जर्मनी में एक बहुत ही खुश परिवार रहा करता था। उस परिवार में एक बहुत ही अच्छी स्त्री थी जो एक बार बहुत बीमार पड़ी तो फिर उस बीमारी से उठ ही नहीं सकी और उसी बीमारी में चल बसी।

---

[81] German Cinderella – a fairy tale from Germany, Europe.
By Jacob and Wilhelm Grimm in their book "Kinder- und Hausmarchen". 1812.
This story is taken from the Web Site :
https://sites.google.com/site/whichistherealcinderella/the-german-cinderella .
[Author's Note - For this story I chose the German Cinderella story from the Grimm books. I like this version of the story because it is fairly similar to the traditional story that everyone has heard. I wanted to tell the story from the viewpoint of the pigeons to continue with the animal theme of my story book. The pigeons are very proud and believe their friend is the true and best Cinderella. The elder pigeon tells the story because he feels a connection to Cinderella since he saw her trials when she was a young girl.

I changed the original story slightly in that in my version the pigeons do not speak in rhyme. They are still very protective of Cinderella and hate to see her abused by her step-family members, but they are not as sing-song when they help her. This German version is probably my favorite one of the four stories I will tell. I like the idea of her mother still helping her even after her death; it adds to the magical feeling of the story. In my story I made her father distant because in the original story they did not mention him again after his wedding.]

[82] Horus is the son of Egyptian God Osiris and Isis. He is the God of Sky. He is a Falcon-headed Man.

वह अपने पीछे एक बहुत ही दुखी पति और एक बहुत ही गुणवान बेटी छोड़ गयी थी।

मॉ की मौत के बाद मैंने उस लड़की को अपनी मॉ की कब्र पर एक पेड़ लगाते तो देखा पर मैंने उसकी तरफ कोई ज़्यादा ध्यान नहीं दिया। पर बाद में तो यह पेड़ एक जादुई पेड़ साबित हुआ। इस पेड़ में तो उस लड़की की मॉ की आत्मा थी।

उस लड़की की मॉ के मरने के कुछ ही दिनों बाद ही उसके पिता ने दूसरी शादी कर ली।

यह दूसरी पत्नी अपने साथ अपने पहले पति की दो बेटियॉ भी साथ ले कर आयी थी। उस आदमी की यह दूसरी पत्नी बहुत ही खराब थी। वह अपनी सौतेली बेटी को नौकर की तरह से रखती थी और अपनी दोनों बेटियों को बहुत प्यार करती थी।

आदमी की बेटी ने अपनी सौतेली मॉ और उसकी दोनों बेटियों के साथ प्यार से रहने की बहुत कोशिश की पर जिस तरीके वे उस को रखती थीं इससे उसको उनके साथ प्यार से रहने में बहुत मुश्किल पड़ी और वह उनके साथ प्यार से नहीं रह सकी।

वह आदमी अपनी पहली पत्नी के दुख में अपने परिवार से दूर होता चला गया। वह कई कई दिनों तक अपने कमरे में बन्द रहता तो उसको अपनी बेटी के साथ होते हुए खराब व्यवहार दिखायी ही नहीं पड़ते।

उसकी सौतेली बहिनें उसको सिन्डरैला कह कर बुलाती थीं क्योंकि उसके शरीर पर हमेशा ही या तो राख लगी रहती और या फिर घर का गन्दा काम करने से धूल मिट्टी लगी रहती।

सिन्डरैला बहुत चाहती कि वह और दूसरी लड़कियों की तरह से रहे और उन्हीं की तरह से जिन्दगी गुजारे पर ऐसा हो नहीं पाता। फिर वह यह सोचती कि शायद यह जल्दी ही हो जाये।

एक दिन वहॉ के राजा ने घोषणा की कि उसके यहॉ तीन दिन तक नाच होगा। इस नाच में उसका अपना बेटा भी हिस्सा लेगा और अपनी पत्नी भी चुनेगा।

सिन्डरैला ने अपनी सौतेली बहिनों को उस नाच में जाने के लिये उनके बाल बनाने और तैयार होने में बहुत सहायता की।

उन्होंने सिन्डरैला से कहा कि अगर वह इस नाच में गयी तो वह उनके लिये बहुत ही शर्मनाक बात होगी क्योंकि न तो उसके पास वहॉ जाने के लिये अच्छे कपड़े ही थे और न उसको नाच ही आता था। सो उन्होंने उसको घर में ही छोड़ा और बल्कि उसको और ज़्यादा काम करने को दे दिये।

इस समय हमको लगा कि हम सिन्डरैला की कुछ सहायता करें।

उसकी बहिनें उसको दाल बीनने का काम दे गयी थीं पर हमारी चोंचें उसकी उॅगलियों से ज़्यादा तेज़ थीं और इस काम के लिये ज़्यादा ठीक भी थीं सो हमने उसकी इस काम में सहायता की। हमने उसकी वह दाल बहुत जल्दी ही बीन दी।

फिर हमने सिन्डरैला को ऊपर अपने घर में चढ़ने में सहायता की जिससे वह नाच की पहली रात की रोशनी देख सके। उस रोशनी को देख कर उसके चेहरे पर जो आश्चर्य आया मैं उसे इतनी जल्दी नहीं भूल सकता।

जब सिन्डरैला की बड़ी बहिन ने यह सुना कि सिन्डरैला ने नाच की रोशनी देखी तो वह तो इतनी गुस्सा हुई कि उसने तो हमारा घोंसला ही तोड़ दिया।

अगले दिन यानी नाच के दूसरे दिन भी सिन्डरैला ने अपनी बहिनों को नाच में जाने के लिये तैयार किया। उन्होंने उसको उस दिन भी बीनने के लिये बहुत सारी दाल दी जिसमें से उसको खराब दाल को अच्छी दाल से अलग करना था।

जब उसकी बहिनें नाच में चली गयीं तो हम फिर उसके पास गये और दाल साफ करने में उसकी सहायता की। इस बार भी हमने उसका काम बहुत जल्दी ही खत्म कर दिया।

इस बार हम यह भी चाहते थे कि सिन्डरैला उस नाच में जरूर जाये जिसमें वह जाना चाहती थी। इसलिये हमने उसको उस पेड़ का जादू बताया जो उसकी मॉ की कब्र पर लगा हुआ था।

हमने ऐसा जादू बहुत दूर देश में केवल एक बार ही देखा था। वहॉ एक मॉ ने उस पेड़ के जादू की सहायता से अपने बेटे को वह सब कुछ दिया था जो वह चाहता था।

सो सिन्डरैला उस पेड़ के पास गयी और उससे उसने अपने लिये एक बहुत सुन्दर पोशाक माँगी। पेड़ ने तुरन्त ही उसको एक बहुत सुन्दर पोशाक दे दी। साथ में उसने उसको एक गाड़ी और नौकर भी दिये जो उसको नाच में ले गये। सिन्डरैला को यह देख कर बहुत आश्चर्य हुआ और हम भी बहुत खुश हुए।

सिन्डरैला उन कपड़ों को पहन कर नाच में गयी और राजकुमार के साथ सारी रात नाचती रही। राजकुमार भी उसके प्रेम में पड़ गया और बस उसी के साथ नाचता रहा।

सिन्डरैला को मालूम था कि उसको अपनी बहिनों के लौटने से पहले ही घर वापस लौटना था सो वह आधी रात से पहले ही घर वापस लौट आयी।

घर आ कर उसने पेड़ से कहा कि वह अपने कपड़े वापस ले ले सो तुरन्त ही उसके वह अच्छे कपड़े गायब हो गये और वह अपनी पुरानी शक्ल में आ गयी।

तीसरे दिन भी उसने अपनी बहिनों को नाच में जाने के लिये तैयार होने में सहायता की। इस बार उसकी बहिनें उसके लिये मटर बीनने के लिये छोड़ गयी थीं।

हम उसकी सहायता के लिये तीसरी और आखिरी बार गये और फिर से बहुत जल्दी ही उसका सारा काम खत्म कर दिया और उससे आखिरी बार नाच में जाने के लिये कहा।

वह फिर उस पेड़ के पास गयी और नाच में जाने के लिये उससे अच्छे कपड़े मॉगे। इस बार पेड़ ने उसको पहले दिन से भी बहुत ज़्यादा अच्छे कपड़े दिये।

वह उनको पहन कर उस दिन भी नाच में गयी। राजकुमार तो उसका इन्तजार ही कर रहा था। राजकुमार फिर उसके साथ रात भर नाचा और वह फिर से उसके प्रेम में और ज़्यादा पड़ गया।

हम यह चाहते थे कि सिन्डरैला अपनी बहिनों के लौटने से पहले ही घर वापस आ जाये। और जैसे ही घड़ी ने रात के बारह बजाये तो उसको राजकुमार को छोड़ना पड़ा और घर भागना पड़ा।

वह घर आने की इतनी जल्दी में थी कि उसका एक सुनहरी जूता वहॉ निकल गया और उसको उसे उठाने का समय ही नहीं मिला सो वह उसे वहीं छोड़ कर घर आ गयी।

वह जूता राजकुमार को मिल गया। राजकुमार ने सोचा कि वह उस जूते से ही अपनी दुलहिन को ढूँढ लेगा। वह जूता जिस किसी लड़की को पैर में आ जायेगा वह उसी से शादी करेगा।

इसके लिये वह उस गॉव में उस लड़की को ढूँढने के लिये हर घर में गया जिसके भी वह जूता आ जाता। वह सिन्डरैला के घर भी गया।

सिन्डरैला की सौतेली मॉ अपनी बेटियों की शादी उस राजकुमार से करना चाहती थी। और उसकी यह इच्छा इतनी ज़्यादा थी कि

उसने अपनी बेटियों से कहा कि अगर उनको जूते को पहनने के लिये उनको अपना पैर भी काटना पड़े तो काट दें।

अब हम उनको यह काम तो करने नहीं देना चाहते थे कि वे राजकुमार से शादी करें सो हमने उन लड़कियों की चालाकी राजकुमार को बता दी कि जूता पहनने के लिये उन्होंने अपने पैर काट दिये हैं।

उसने उन लड़कियों को तो वहीं छोड़ दिया पर जब वह जा रहा था तो उसको सिन्डरैला दिखायी दे गयी। उसने उससे भी जिद की वह उस जूते को पहन कर देखे।

सिन्डरैला ने उस जूते को पहन कर देखा तो वह तो उसके पैर में ऐसे आ गया जैसे कि हाथ में दस्ताना आ जाता है। फिर उसने जेब में से निकाल राजकुमार को उसके साथ का दूसरा जूता भी दिखा दिया।"

कबूतर आगे बोला — "राजकुमार को अपनी दुलहिन मिल गयी थी और हम सब सिन्डरैला के लिये बहुत खुश थे।"

3 फ्रैन्च सिन्डरवैन्च[83]

एक चूहा बोला — "यह कबूतरों की कही गयी कहानी तो काफी सच्ची लगती है पर हमारी कहानी भी इस कहानी के मुकाबले में कोई कम नहीं है। तुम लोग इस कहानी को सुनने के बाद कोई और दूसरी कहानी चुन ही नहीं सकते।"

वहॉ छह चूहे थे सो वे छहों चूहे पहले तो आपस में केवल इसी बात पर लड़ते झगड़ते रहे कि यह कहानी कौन सुनायेगा पर फिर यह तय हुआ कि उन छहों चूहों में से जो सबसे बड़ा चूहा था वही यह कहानी सुनायेगा।

सो उसी ने यह कहानी सुनानी शुरू की — "यह कुछ दिनों पहले की बात है जब हम फ्रांस में एक लड़की से मिले थे जिसको सिन्डरैला कहते थे। हम उसके घर में कुछ खाना ढूँढने के लिये गये थे कि उसकी गौडमदर[84] ने हमको पकड़ लिया और अपने पिंजरे में बन्द कर दिया।

हम जब उसके पिंजरे में थे तो हमने उस घर की स्त्रियों की बातें सुनते हुए वहॉ कई दिन गुजारे। हमको बाद में लगा कि उस

---

[83] French Cinderwench – a fairy tale from Denmark, Europe. By Charles Perrault
This story is taken from the Web Site :
https://sites.google.com/site/whichistherealcinderella/french-cinderwench
Charles Perrault took it from, "The Blue Fairy Book". By Andrew Lang. 1891.

[84] Godmother – a godmother is a female godparent in the Christian tradition. A Godmother may also refer to: a female arranged to be legal guardian of a child if an untimely demise is met by the parents.

घर की बड़ी स्त्री एक सौतेली मॉ थी। उसकी एक बेटी थी वह बहुत ही बुरी थी और एक और बेटी थी वह भी उस जैसी ही बुरी थी। और एक बहुत ही प्यारी सी लड़की थी – सिन्डरैला।

सिन्डरैला की बड़ी सौतेली बहिन सिन्डरैला को सिन्डरवैन्च[85] कह कर चिढ़ाया करती थी क्योंकि सिन्डरैला अॅगीठी में पड़ी राख के पास ही लेटना पसन्द करती थी और वहॉ लेटने से उसके शरीर में राख लग जाती थी।

सिन्डरैला की दोनों बड़ी बहिनें उससे घर के सब गन्दे से गन्दे काम करवाती थीं और कभी भी उसको अपने बराबर का नहीं समझती थीं जब कि वह उन दोनों से हर तरह से कहीं ज़्यादा अच्छी थी।

एक दिन सब लड़कियॉ बहुत खुश थीं क्योंकि राजा और रानी ने उनको नाच के लिये बुलाया था पर बस एक ही लड़की खुश नहीं थी और वह थी सिन्डरैला। क्योंकि उसकी सौतेली बहिनें वहॉ पहन कर जाने के लिये उसको अपना कोई कपड़ा उधार ही नहीं दे रही थीं।

पर वह खुद क्योंकि वह बहुत दयावान लड़की थी इसलिये वह खुद उनको वहॉ जाने के लिये तैयार होने में सहायता कर रही थी। उसने उनके बाल बनाये और उनको नाच में भेजा।"

[85] Cinderwench – Cinderwench is a woman who rakes for the cinders in ashes.

सबसे छोटा चूहा बोला — "मगर तुम गौडमदर को मत भूल जाना।"

बड़ा चूहा तुनक कर बोला — "हॉ हॉ मैं वहीं आ रहा हूँ। थोड़ा इन्तजार तो करो। हॉ तो मैं क्या कह रहा था? हॉ तो वह नाच की रात थी। जब सिन्डरैला ने अपनी बहिनों को नाच में भेज दिया तो वह आग के पास आ कर बैठ गयी और बस सोचने लगी "काश मैं भी उस नाच में जा सकती।"

तभी उसकी गौडमदर वहॉ आयी। वह सिन्डरैला की सहायता करना चाहती थी।

उसने सिन्डरैला से कहा कि वह उसके घर के पीछे के बागीचे से जा कर एक काशीफल[86] तोड़ लाये। सिन्डरैला बागीचे में गयी और वहॉ से एक काशीफल तोड़ लायी तो उसकी गौडमदर ने उस काशीफल को एक जादुई गाड़ी में बदल दिया।

फिर उसकी गौडमदर ने बागीचे में से छह गिरगिट लिये और उनको छह गाड़ीवानों में बदल दिया। असल में तो यह मेरे लिये भी बहुत ज़्यादा आश्चर्य की बात थी क्योंकि ऐसा जादू मैंने अपनी ज़िन्दगी में पहली बार देखा था।

फिर जब वह हमारी तरफ आयी तो उसको आता देख कर तो हम सब बहुत ही डर गये। और इससे पहले कि हम कुछ जान पाते

[86] Translated for the word "Pumpkin". See its picture above.

हम छहों चूहे छह घोड़े बन चुके थे और उसकी गाड़ी में लग गये थे जो उसको नाच में ले कर जाने वाली थी।

फिर उसने सिन्डरैला को बहुत सुन्दर कपड़े दिये। मैं तो चूहा होते हुए भी यह कह सकता हूँ कि सिन्डरैला उन कपड़ों को पहन कर उस समय बहुत सुन्दर लग रही थी। हम उसको नाच की पहली रात को वहाँ ले कर गये और वहाँ से ले कर आये।

गाड़ी में उसने बताया कि वहाँ उसका समय कितना अच्छा बीता और कैसे उसकी सौतेली बहिनों ने उसको पहचाना भी नहीं।

दूसरी रात तो बहुत ही आश्चर्यजनक बात हुई। उसकी गौडमदर ने उसके लिये आखिरी रात को नाच में जाने के लिये और राजकुमार से मिलने के लिये फिर एक बार जादू किया।

हम लोगों को रात को बारह बजे फिर से चूहों में बदल जाना था सो जब रात को बारह बजे और घड़ी ने बारह के घंटे बजाये तो हमको बहुत चिन्ता हुई क्योंकि सिन्डरैला तो अभी तक नाच में से लौट कर वहाँ आयी ही नहीं थी।

तभी हमने देखा कि सिन्डरैला महल से हमारी गाड़ी की तरफ भागी चली आ रही है। जैसे ही वह गाड़ी के पास पहुँची तो बारह बज चुके थे और गाड़ी काशीफल में बदल गयी थी।

छोटे से चूहे होने की वजह से हमको इस कहानी के आगे के हिस्से का पता नहीं क्योंकि उस समय हम तो अपने पिंजरे के बाहर

थे और बारह बजने के बाद अब चूहों में बदल कर आजाद हो चुके थे। हम इधर उधर भाग गये।

एक दिन हमारे पास से गुजरते हुए कुछ चूहों ने हमको बताया कि सिन्डरैला महल में अपना एक जूता छोड़ आयी थी जो राजकुमार को मिल गया था। उस जूते से उसने सिन्डरैला को ढूँढ लिया था और अब वे दोनों शादी करने जा रहे थे।

उसकी कहानी का अन्त खुशी का था। उस जैसा दयावान हमने कभी कोई नहीं देखा। इससे लगता है कि उसका नाम सिन्डरैला ठीक ही था।"

यह कह कर उस बड़े चूहे ने अपनी कहानी खत्म की।

4 बाबा यागा–2[87]

सिन्डरैला की यह कहानी रूस की कहानियों से ली गयी है। यह कहानी सन् 1873 में प्रकाशित की गयी थी। इसका मूल रूप "संसार में कितनी सिन्डरैला" पुस्तक में पढ़ा जा सकता है।

अब बिल्ली की बारी थी सिन्डरैला की कहानी सुनाने की। यह बिल्ली बाबा यागा के घर में रहती थी और इस लड़की यानी सच्ची सिन्डरैला की कहानी जो वह अभी सुनाने जा रही है "संसार में कितनी सिन्डरैला" नामक पुस्तक में "बाबा यागा" के नाम से दी हुई है।

बिल्ली बोली — "तुम सब लोगों की सब कहानियॉ बहुत ही अच्छी थीं पर अब मैं तुमको एक कहानी सुनाती हूॅ तब तुमको शायद लगे कि यही सच्ची सिन्डरैला थी।

यह बहुत पुरानी बात है जब मैं रूस में एक नीच आदमखोर[88] बुढ़िया बाबा यागा के पास ही रहती थी। उसको तुम लोग चुड़ैल[89] भी कह सकते हो।

---

[87] The Baba Yaga – a fairy tale from Russia, Asia. By WRS Ralston.
Taken from the book "Russian Folk-Tales". 1873.
This story is taken from https://sites.google.com/site/whichistherealcinderella/the-baba-yaga .
[Author's note: I based this story on the Russian version of Cinderella called The Baba Yaga. It does not seem to be a Cinderella story, but it has been counted as the Cinderella story. The only real similarity to the Cinderella story is her evil step-mother.]

[88] Translated for the word "Cannibalistic"

[89] Translated for the words "Evil Witch"

वह केवल बुरे और नीच लोगों से ही वास्ता रखती थी इसलिये मैं भी केवल वैसे ही आदमियों और स्त्रियों को देख पाती थी जो भयानक होते थे और जिनके दिल में बुरे विचार होते थे।

मैं वह दिन कभी नहीं भूल सकती जिस दिन सच्ची सिन्डरैला हमारे घर आयी। वह सबसे ज़्यादा दयावान लड़की थी जो मैंने अपनी पूरी ज़िन्दगी में देखी। उसका चेहरा तो कितना भी खतरा क्यों न हो शान्त ही रहता था।

एक दिन वह बाबा यागा के घर आयी और पुकारा — "आन्टी।"

मैं यह शब्द सुन कर चौंक गयी क्योंकि बाबा यागा ने अपने परिवार के बारे में तो कभी बताया ही नहीं था तो फिर यह उसकी भतीजी या भानजी[90] कहॉ से आ गयी। मैंने सोचा देखना पड़ेगा।

मुझे तुरन्त ही लगा कि जरूर ही यह कोई जाल था और मैं ठीक थी। मुझे बाद में पता चला कि उसकी सौतेली मॉ ने बाबा यागा से यह सौदा कर लिया था कि वह उस लड़की को बाबा यागा के पास भेजेगी और बाबा यागा उसको खा लेगी।

हालॉकि मैं ऐसे खराब सौदों से अलग ही रहती थी क्योंकि मैं उन खराब कामों की सजा से बचना चाहती थी जो वह बाबा यागा लोगों पर करती थी पर उस दयावान लड़की को देख कर तो मुझे उस पर बहुत ही दया आ गयी।

[90] Translated for the word "Niece". A daughter of a brother or a sister is called niece in English.

उसने मुझे खाने के लिये सूअर का मॉस दिया। मुझको तो यह देख कर ही रोना आ गया क्योंकि यह तो किसी ने मेरी सारी ज़िन्दगी में मेरे लिये सबसे अच्छी बात की थी।

मुझे कभी किसी ने कभी कोई अच्छा खाना नहीं दिया था। बस इसके बाद फिर मुझे लगा कि मुझे इस लड़की को बाबा यागा से उसे खाने से बचाना है।

मेरे पास दो बहुत ही कीमती चीज़ें थीं – एक तो तौलिया जो जमीन पर गिरने पर बहुत चौड़ी और गहरी नदी बन सकता था और दूसरा एक कंघा जो जमीन पर गिरने से बहुत घना जंगल बन सकता था।

और यह उसको पहले से ही मालूम था कि भौंकते हुए कुत्तों से कैसे बचना है या बिर्च के पेड़ से कैसे बचना है और चूँ चूँ करते दरवाजे के कब्जों[91] से कैसे निपटना है। उसने बताया कि यह सब तो उसकी सगी मौसी ने उसको पहले ही बता दिया था।

जब मैं अपने पास रखी हुई वे दोनों चीज़ें लाने गयी तो उसने मुझे अपनी कुछ कहानी सुनायी।

उसने बताया कि उसकी मॉ काफी दिन पहले ही मर गयी थी और उसके पिता ने दूसरी स्त्री से शादी कर ली थी।

[91] Hinge is an iron or a brass piece which is fixed between the door and the wall so that they can stay together and the door can open and shut easily. See its picture above.

यह दूसरी स्त्री एक बहुत ही बुरी स्त्री थी। उस स्त्री की अपनी भी दो बेटियॉ थीं और वह यह चाहती थी कि उसकी वह सौतेली लड़की मर जाये। उसकी सौतेली मॉ उससे बहुत नफरत करती थी और उसको अपनी बेटियों की तरह से प्यार नहीं करती थी।

उस दिन उसने उस लड़की को बाबा यागा से सुई धागा लाने के लिये भेजा था। यह उसने उस लड़की को मारने के लिये एक जाल बिछाया था जिससे कि बाबा यागा उसको भयानक तरीके से मार कर खा जाये।

उसकी यह कहानी किसी का भी दिल तोड़ देने वाली थी। मैं तो उसकी कहानी को सुन ही नहीं सकी। वह कितनी अच्छी लड़की और अपने ही घर में किस तरीके से रह रही थी जहॉ कि उसको सबसे ज़्यादा सुरक्षित रहना चाहिये था।

तभी हमने बाबा यागा के आने की आवाज सुनी और मैंने सिन्डरैला को खिड़की से बाहर भगा दिया। उसने भौंकते हुए कुत्तों को बिस्किट खिलाये तो उन्होंने भौंकना और उसका पीछा करना बन्द कर दिया।

उसने दरवाजों के कब्जों पर तेल लगा दिया तो उन्होंने चूँ चूँ करना बन्द कर दिया। उसने पेड़ के चारों तरफ एक रिबन बॉध दिया तो उसने उसको मारा नहीं।

जब बाबा यागा को यह पता चला कि मैं उस लड़की की रक्षा कर रही हूँ तो वह बहुत गुस्सा हुई और उसने मुझे उससे मेरी बेवफाई पर बहुत मारा।

पर मैंने उसकी मार की कोई चिन्ता नहीं की क्योंकि मैंने तो एक दयावान लड़की को वहाँ से जान बचा कर भाग जाने में उसकी सहायता ही की थी।

मैंने सोचा कि इससे दुनियाँ में कम से कम कुछ अच्छाई तो ज़िन्दा रहेगी और इसके लिये मैं बाबा यागा की कितनी भी मार खा सकती थी।

बाबा यागा वहाँ से उस लड़की का पीछा करने और उसको पकड़ने के लिये भागी। बाद में उस शाम को मुझे पता चला कि बाबा यागा उसको पकड़ ही नहीं पायी थी।

उसने बताया कि बीच में एक बहुत ही चौड़ी और गहरी नदी पता नहीं कहाँ से पैदा हो गयी थी जिसको उसे अपने बैलों से पार करना पड़ा। फिर उसके बाद एक घना जंगल भी पता नहीं कहाँ से पैदा हो गया था जिसको तो वह पार ही नहीं कर सकी और उसको वापस आना पड़ा।

इस सबके बारे में मैंने अपना आश्चर्य तो दिखाया पर मुझे मालूम था कि सचमुच में क्या हुआ होगा। उस लड़की ने सुरक्षित घर पहुँचने के लिये मेरे दिये हुए तौलिये और कंघे का ही इस्तेमाल किया होगा।

फिर मुझे उस लड़की का पता नहीं चला कि उसका क्या हुआ। यह उस दिन से जब मैंने उस लड़की की सहायता की थी कुछ साल बाद की बात है जब मैंने उस लड़की के बारे में एक बिल्ली से केवल सुना ही सुना था।

असल में मुझे एक बिल्ली मिली थी जो इस कहानी जैसी ही एक कहानी सुना रही थी।

क्योंकि मुझे वह कहानी जानी पहचानी लगी तो मैने उससे उस लड़की के बारे में पूछा तो मुझे पता चला कि वह तो वही लड़की थी जिसको मैंने बाबा यागा से बचाया था – मेरी सिन्डरैला।

उसने अपनी सौतेली मॉ के बुरे व्यवहार की पूरी कहानी अपने पिता को सुना दी थी और उसके पिता ने अपनी उस दूसरी पत्नी को गोली से मार दिया था।

उसकी बहादुरी और दया उसको असली सिन्डरैला बना देती है। वह एक बहुत ही अच्छी बच्ची थी। मैं अपने आपको बड़ी खुशकिस्मत समझती हूॅ कि मैं एक ऐसी बच्ची से मिली।"

और इस तरह उस बिल्ली ने अपनी कहानी खत्म की।

होरस बोला — "तुम्हारी कहानी तो बहुत ही अच्छी थी पर मैं अभी भी यही समझता हूॅ कि मेरी कीमती सिन्डरैला ही असली सिन्डरैला थी।

List of Cinderella Stories in Europe “Cinderella Europe Mein”

List of Cinderella Stories in “Cinderella Europe Mein-1”.
They are taken from the Web Site :
http://www.pitt.edu/~dash/type0510a.html#links

1. Cinderella – (Germany)
2. Green Knight – (Denmark)
3. Broken Pitcher – (Denmark/Greece)
4. Cinderella or the Little Glass Slippers – (France)
5. Conkiajgharuna, the Little Rag Girl – (Georgia)
6. Little Saddleslut – (Greece)
7. The Orphan – (Greece)
8. The Little Saddleslut – (Greece)
9. The Orphan – (Greece)
10. The Little Saddleslut – (Greece)
11. The Orphan – (Greece)

List of Cinderella Stories in “Cinderella Europe Mein-2”

1. Ashey Pelt – (Ireland)
2. Fair, Brown and Trembling – (Ireland)
3. Cinderella – (Italy)
4. Katie Woodencloak (Norway)
5. Black Bull of Norroway (Norway)
6. The Hearth Cat – (Portugal)
7. The Sharp Grey Sheep – (Scotland)
8. Rashin Coatie – (Scotland)
9. Papelyouga or the Little Girl – (Serbia)
10. The Cinder Maid (European Mixture)
1. Story of Rhodopis
2. German Cinderella
3. French Cinderella
4. Baba Yaga-2

List of Cinderella Stories in “How Many Cinderella in the World”

1. Moon Brow
2. Yeh-Shen: a Cinderella story
3. The Wicked Stepmother
4. Story of the Black Cow
5. Sodewa Bai
6. The Korean Cinderella
7. Maria and the Golden Slipper
8. The Wonderful Birch
9. Baba Yaga
10. Vasilissa the Wise and Baba Yaga
11. The Story of Tam and Cam
12. The Poor Turkey Girl
13. The Turkey Herd
14. The Indian Cinderella
15. The Hidden One
16. The Egyptian Cinderella
17. Rhodopis and Her Little Gilded Shoes
18. A Girl Frog and a Son of the Chief
19. Naitiki
20. Nomi and the Magical Fish
21. Why the Sea Moans

Some Books on Cinderella

Dundes, Alan, ed. *Cinderella: A Casebook*. University of Wisconsin Press, 1988.
Besides the texts of Basile, Perrault, and Grimm, this volume includes essays on Cinderella. Dundes also includes a select bibliography, pp. 309-313.]

Heiner, Heidi Anne, ed. *Cinderella: Tales from Around the World*. SurLaLune Press, 2012.
This collection offers a wide variety of Cinderella stories from around the world. Classic versions, such as the Egyptian Rhodopis and "The Cat Cinderella," are offered alongside lesser known versions such as "The Hearth Cat" from Portugal. The versions of the traditional Cinderella story come from all over the world including Russia, Mexico, and Chile. The collection also includes a selection of Catskin variants, "As Much as Meat Loves Salt" retellings, and "One Eye, Two Eye, Three Eye" stories. A helpful list of primary and secondary sources is also provided. The collection is useful for students or scholars and is available in print and digital formats.] [Annotation by Martha Johnson-Olin]

Philip, Neil, ed. *The Cinderella Story: The Origins and Variations of the Story Known As "Cinderella."* London: Penguin, 1989.
Includes Introduction; Cendrillon, or, "The Little Glass Slipper" (Andrew Lang's edition of Robert Samber's translation of Perrault); "Yeh-hsien" (from Tuan Ch'êngshih's *Yu Yang Tsa Tsu* (*Miscellany of Forgotten Lore* [China] AD 850-60); "Kajong and Halock" (from A. Landes' *Contes Tjames, traduits et annotés*, Saigon, 1887); "Benizara and Kakezara" (from Keigo Seki, *Folktakes of Japan*, 1963); "Burenushka, the Little Red Cow" (from Aleksandr Afanas'ev's*Russian Fairy Tales*, 1945); "The Poor Girl and Her Cow" (from E. S. Stevens, *Folk-Tales of 'Iraq*, 1931; "An Armenian Cinderella" (from Susie Hoogasian-Villa, *100 Armenian Tales and Their Folkloristic Relevance*, 1966; "Askenbasken, Who Became Queen" (from Evald Tang Kristensen, *Jyske Folkeminder*, Copenhagen, 1881; "Ashey Pelt" (Irish version recorded by M. Damant (1895); "Rashin Coatie" (from Andrew Lang, "Rashin Coatie. A Scotch Tale," 1876); "Mossycoat" (North English version recorded by T.W.Thompson, 1915); "Dona Labismina" (from Silvio Roméro, *Contos Populares do Brazil*, 1883); "La Sendraoeula" (from Caterina Pigorini-Beri, "La Cenerentola a Parma e a Camerino," Palermo, Italy, 1883); "The Poor Turkey Girl" (from Frank Cushing, Zuni Folk Tales, 1901); "The Boy and his Stepmother" (from A. Campbell, *Santal Folk Tales*, 1891); "The Finger Lock" (recorded from Andra "Hoochten" Stewart, Perthshire, Scotland, 1971); "The Bracket Bull" (from Douglas Hyde, *Four Irish Stories*, 1898); "Fair, Brown, and Trembling" (from Jeremiah Curtin, *Myths and Folk-lore of Ireland*, 1890); "Maria" (from Fletcher Gardner, "Filipino [Tagalog] Versions of Cinderella," 1906); "The Black Cat" (from F.M.Luzel, *Contes Populaires de Bass-Bretagne*, 1887); "The Maiden, the Frog and the Chief's Son" (from William Bascom, "Cinderella in Africa," 1972); "Rushycoat and the King's Son" (from Leonard Roberts, *Old Greasybeard: Tales from the Cumberland Gap*, 1969); "Cinderella in Tuscany" (from Alessandro Falassi, *Folklore by the Fireside: Text and Context of the Tuscan Veglia*, 1980); "The Travellers' Cinderella" (from the School of Scottish Studies Sound Archives, 1976); and suggested further readings.

Sierra, Judy. *Cinderella*. Illustrated by Joanne Caroselli. The Oryx Multicultural Folktale Series. Phoenix, Arizona: Oryx Press, 1992.

A text designed for school use with apparatus on activities and resources for young scholars. Includes "Rhodopis: A Cinderella in Ancient Egypt?"; "Yeh-hsien" (China); "Cinderella, or the Little Glass Slipper" (France); "Peu d'Anisso" (France); "Aschenputtel" (Germany); "Allerleirauh, or the Many-furred Creature" (Germany); "Little One-eye, Little Two-eyes, and Little Three-eyes" (Germany); "Cap o'Rushes" (England); "Billy Beg and the Bull" (Ireland); "Fair, Brown, and Trembling" (Ireland); "Hearth Cat" (Portugal); "Katie Woodencloak" (Norway); "The Wonderful Birch" (Finland); "The Story of Mjadveig, Daughter of Mani" (Iceland); "Little Rag Girl" (Republic of Georgia); "Vasilisa the Beautiful" (Russia); "The Little Red Fish and the Clog of Gold" (Iraq); "Nomi and the Magic Fish" (Africa); "How the Cowherd Found a Bride" (India); "The Invisible One" (Native American: Micmac); "Poor Turkey Girl" (Native American: Zuni); "Ashpet" (United States: Appalachia); "Benizara and Kakezara" (Japan); "Maria" (Philippines); "The Story of Tam and Cam" (Vietnam). With Introduction and Notes.

Sierra, Julie, ed. *Cinderella*. Westport, CT: Oryx Press, 1992.

[This volume is one part of the larger *Oryx Multicultural Folktale Series*. It includes translations of many classic retellings but focuses heavier on the traditional Cinderella storyline. It includes retellings from around the world, including Scotland, Iraq, and Vietnam. The discussions about the tale at the end of the volume are brief but can represent a starting place for students studying the tale.

List of Cinderella Stories given in above sources

Titles in red are give in my books – "Cinderella in Europe-1", "Cinderella in Europe-2" and "How Many Cindrella in the World".

Egyptian Rhodopis and "The Cat Cinderella"
"The Hearth Cat" from Portugal. \
"As Much as Meat Loves Salt" retellings,
"One Eye, Two Eye, Three Eye" stories.

Cendrillon, or, "The Little Glass Slipper" (Andrew Lang's edition of Robert Samber's translation of Perrault);
"Yeh-hsien" (from Tuan Ch'êngshih's *Yu Yang Tsa Tsu* (*Miscellany of Forgotten Lore* [China] AD 850-60);
"Kajong and Halock" (from A. Landes' *Contes Tjames, traduits et annotés*, Saigon, 1887);
"Benizara and Kakezara" (from Keigo Seki, *Folktakes of Japan*, 1963);
"Burenushka, the Little Red Cow" (from Aleksandr Afanas'ev's*Russian Fairy Tales*, 1945);
"The Poor Girl and Her Cow" (from E. S. Stevens, *Folk-Tales of 'Iraq*, 1931;
"An Armenian Cinderella" (from Susie Hoogasian-Villa, *100 Armenian Tales and Their Folkloristic Relevance*, 1966;
"Askenbasken, Who Became Queen" (from Evald Tang Kristensen, *Jyske Folkeminder*, Copenhagen, 1881;
"Ashey Pelt" (Irish version recorded by M. Damant (1895);
"Rashin Coatie" (from Andrew Lang, "Rashin Coatie. A Scotch Tale," 1876);
"Mossycoat" (North English version recorded by T.W.Thompson, 1915);
"Dona Labismina" (from Silvio Roméro, *Contos Populares do Brazil*, 1883);
"La Sendraoeula" (from Caterina Pigorini-Beri, "La Cenerentola a Parma e a Camerino," Palermo, Italy, 1883);
"The Poor Turkey Girl" (from Frank Cushing, *Zuni Folk Tales*, 1901);
"The Boy and his Stepmother" (from A. Campbell, *Santal Folk Tales*, 1891);
"The Finger Lock" (recorded from Andra "Hoochten" Stewart, Perthshire, Scotland, 1971);
"The Bracket Bull" (from Douglas Hyde, *Four Irish Stories*, 1898);
"Fair, Brown, and Trembling" (from Jeremiah Curtin, *Myths and Folk-lore of Ireland*, 1890);
"Maria" (from Fletcher Gardner, "Filipino [Tagalog] Versions of Cinderella," 1906);
"The Black Cat" (from F.M.Luzel, *Contes Populaires de Bass-Bretagne*, 1887);
"The Maiden, the Frog and the Chief's Son" (from William Bascom, "Cinderella in Africa," 1972);
"Rushycoat and the King's Son" (from Leonard Roberts, *Old Greasybeard: Tales from the Cumberland Gap*, 1969);
"Cinderella in Tuscany" (from Alessandro Falassi, *Folklore by the Fireside: Text and Context of the Tuscan Veglia*, 1980);
"The Travellers' Cinderella" (from the School of Scottish Studies Sound Archives, 1976);
"Rhodopis: A Cinderella in Ancient Egypt?";
"Yeh-hsien" (China);
"Cinderella, or the Little Glass Slipper" (France);
"Peu d'Anisso" (France);

“Aschenputtel” (Germany);
“Allerleirauh, or the Many-furred Creature” (Germany);
“Little One-eye, Little Two-eyes, and Little Three-eyes” (Germany);
“Cap o’Rushes” (England);
“Billy Beg and the Bull” (Ireland);
“Fair, Brown, and Trembling” (Ireland);
“Hearth Cat” (Portugal);
“Katie Woodencloak” (Norway);
“The Wonderful Birch” (Finland) Given in “” (Russia);
“The Story of Mjadveig, Daughter of Mani” (Iceland);
“Little Rag Girl” (Republic of Georgia);
“Vasilisa the Beautiful” (Russia);
“The Little Red Fish and the Clog of Gold” (Iraq);
“Nomi and the Magic Fish” (Africa);
“How the Cowherd Found a Bride” (India)
“The Invisible One” (Native American: Micmac);
“Poor Turkey Girl” (Native American: Zuni);
“Ashpet” (United States: Appalachia);
“Benizara and Kakezara” (Japan);
“Maria” (Philippines);
“The Story of Tam and Cam” (Vietnam).

There are some other stories also which I have written in my books but they are not given here in this list …

Links to Related Sites

The Annotated Cinderella, from the SurLaLune Fairy Tales by Heidi Anne Heiner.

Cinderella, from *Wikipedia*, the free encyclopedia.

Cinderella Bibliography. A thorough and scholarly annotated bibliography of texts, analogues, criticism, modern versions, parodies -- ranging from ancient folklore through recent popular culture, and modern scholarship. Organized by Russell A. Peck, University of Rochester.

Cox, Marian Roalfe. *Cinderella: Three Hundred and Forty-Five Variants of Cinderella, Catskin, and Cap o' Rushes*, with an introduction by Andrew Lang (London: Published for the Folk-Lore Society by David Nutt, 1893). This book is available at the Web Site : http://www.surlalunefairytales.com/cinderella/marianroalfecox/index.html also

The Father Who Wanted to Marry His Daughter, folktales of type 510B. These stories resemble the "Cinderella" tales (type 510A), but they also include an episode depicting attempted incest. Here DL Ashliman has given more than **22 stories** in full.

Books in "One Story Many Colors" Series

1. Cat and Rat Like Stories (17 stories)
2. Bluebeard Like Stories (7 stories)
3. Tom Thumb Like Stories (13 stories)
4. Six Swans Like Stories
5. Three Oranges Like Stories (11 stories)
6. Snow White Like Stories
7. Sleeping Beauty Like Stories
8. Pig King Like Stories – 3 parts
9. Puss in Boots Like Storie (15 stories)
10. Hansel and Gratel Like Stories (4 stories)
11. Red Riding Hood Like Stories
12. Cinderella Like Stories in Europe (14+11 stories)
12. Cinderella in the World (21 stories)
13. Rumplestiltuskin Like Stories (22 stories)
14. Ali Baba and Forty Thieves Like Stories (4 stories)
15. Crocodile and Monkey Like Stories
16. Lion and Man Like Stories (14 stories)
17. Pome and Peel Like Stories (6 stories)
18. Soldier and Death Like Stories
19. Tees Maar Kahan Like Stories (11 stories)
20. Lion and Rabbit like Stories
21. Frog Princess Like Stories (7 stories)

देश विदेश की लोक कथाओं की सीरीज़ में प्रकाशित पुस्तकें —

इस कड़ी में 100 से भी अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तक सूची की पूरी जानकारी के लिये लिखें — hindifolktales@gmail.com

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हिन्दी ब्रेल में संसार भर में उन सबको निःशुल्क उपलब्ध है जो हिन्दी ब्रेल पढ़ सकते हैं।

1 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–1
2 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–2
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1
4 रैवन की लोक कथाऐं–1

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हार्ड कापी में बाजार में उपलब्ध हैं।

1 रैवन की लोक कथाऐं–1 — भोपाल, इन्द्रा पब्लिशिंग हाउस, 2016
2 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1 — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2017, 120 पृष्ठ
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–2 — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2017, 120 पृष्ठ
4 शीबा की रानी मकेडा — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2019, 160 पृष्ठ
5 राजा सोलोमन — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2019, 144 पृष्ठ
6 रैवन की लोक कथाऐं — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2020, 176 पृष्ठ
7 बंगाल की लोक कथाऐं — देहली, नेशनल बुक ट्रस्ट, 2020, 213 पृष्ठ

Facebook Group
https://www.facebook.com/groups/hindifolktales/?ref=bookmarks

Updated in 2022

लेखिका के बारे में

सुषमा गुप्ता का जन्म उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ शहर में सन् **1943** में हुआ था। इन्होंने आगरा विश्वविद्यालय से समाज शास्त्र और अर्थ शास्त्र में ऐम ए किया और फिर मेरठ विश्वविद्यालय से बी ऐड किया। **1976** में ये नाइजीरिया चली गयीं। वहाँ इन्होंने यूनिवर्सिटी औफ़ इबादान से लाइब्रेरी साइन्स में ऐम ऐल ऐस किया और एक थियोलोजीकल कौलिज में **10** वर्षों तक लाइब्रेरियन का कार्य किया।

वहाँ से फिर ये इथियोपिया चली गयीं और वहाँ एडिस अबाबा यूनिवर्सिटी के इन्स्टीट्यूट औफ़ इथियोपियन स्टडीज़ की लाइब्रेरी में **3** साल कार्य किया। तत्पश्चात इनको दक्षिणी अफ्रीका के एक देश लिसोठो के विश्वविद्यालय में इन्स्टीट्यूट औफ़ सदर्न अफ्रीकन स्टडीज़ में **1** साल कार्य करने का अवसर मिला। वहाँ से **1993** में ये यू ऐस ए आ गयीं जहाँ इन्होंने फिर से मास्टर औफ़ लाइब्रेरी ऐंड इनफौर्मेशन साइन्स किया। फिर **4** साल ओटोमोटिव इन्डस्ट्री एक्शन ग्रुप के पुस्तकालय में कार्य किया।

1998 में इन्होंने सेवा निवृत्ति ले ली और अपनी एक वेब साइट बनायी – www.sushmajee.com। तब से ये उसी वेब साइट पर काम कर रहीं हैं। उस वेब साइट में हिन्दू धर्म के साथ साथ बच्चों के लिये भी काफी सामग्री है।

भिन्न भिन्न देशों में रहने से इनको अपने कार्यकाल में वहाँ की बहुत सारी लोक कथाओं को जानने का अवसर मिला – कुछ पढ़ने से, कुछ लोगों से सुनने से और कुछ ऐसे साधनों से जो केवल इन्हीं को उपलब्ध थे। उन सबको देख कर इनको ऐसा लगा कि ये लोक कथाऐं हिन्दी जानने वाले बच्चों और हिन्दी में रिसर्च करने वालों को तो कभी उपलब्ध ही नहीं हो पायेंगी – हिन्दी की तो बात ही अलग है अंग्रेजी में भी नहीं मिल पायेंगीं।

इसलिये इन्होंने न्यूनतम हिन्दी पढ़ने वालों को ध्यान में रखते हुए उन लोक कथाओं को हिन्दी में लिखना प्रारम्भ किया। इन लोक कथाओं में अफ्रीका, एशिया और दक्षिणी अमेरिका के देशों की लोक कथाओं पर अधिक ध्यान दिया गया है पर उत्तरी अमेरिका और यूरोप के देशों की भी कुछ लोक कथाऐं सम्मिलित कर ली गयी हैं।

अभी तक **2500** से अधिक लोक कथाऐं हिन्दी में लिखी जा चुकी है। इनको "देश विदेश की लोक कथाऐं" और "लोक कथाओं की क्लासिक पुस्तकें" क्रम में प्रकाशित करने का प्रयास किया जा रहा है। आशा है कि इस प्रकाशन के माध्यम से हम इन लोक कथाओं को जन जन तक पहुँचा सकेंगे।

विंडसर, कैनेडा
2022